राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 विनेश फोगाट के समर्थन में आए सौरव गांगुली

महिला डॉक्टर की हत्या के मामले में बीजेपी का सीएम पर वार... शहजाद पूनावाला 12

वर्ष : 15 | अंक : 123 | नई दिल्ली, मंगलवार 13 अगस्त 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%

नहीं 50%

कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 72,350

चांदी 83,500

सेंसेक्स 79,648

निफ्टी 24,347

राहुल ने येचुरी को जन्मदिन की बधाई दी

नयी दिल्ली, (भाषा) लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी को जन्मदिन की बधाई दी और कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) अन्याय और असमानता के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगा। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "सीताराम येचुरी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। यह वर्ष आपके लिए अच्छा स्वास्थ्य और खुशियां लेकर आये।"

इंडिया गठबंधन अन्याय व असमानता के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगा

चिकित्सक हत्या: चौथे दिन भी हड़ताल जारी, ममता ने मामला सीबीआई को सौंपने का संकेत दिया

कोलकाता, (भाषा) कोलकाता में आरजी कर अस्पताल में एक महिला चिकित्सक के कथित बलात्कार और हत्या की मजिस्ट्रेट जांच की मांग को लेकर जूनियर चिकित्सकों की हड़ताल और जनाक्रोश के बीच सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वादा किया कि अगर पुलिस रविवार तक इस मामले को सुलझाने में विफल रहती है तो मामला सीबीआई को सौंप दिया जाएगा।

महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के विरोध में और घटना की मजिस्ट्रेट जांच की मांग को लेकर जूनियर चिकित्सक, प्रशिक्षु और परास्नातक प्रशिक्षु चिकित्सकों की हड़ताल सोमवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहने के कारण अस्पतालों में सेवाएं बाधित हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की दो सदस्यीय टीम आज दोपहर कोलकाता पहुंची, जो शहर के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल तथा पीड़िता के परिवार के सदस्यों से मुलाकात करेगी।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के अंदर शुक्रवार को सुबह परास्नातक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक का शव मिला था। इस मामले में शनिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जो अस्पताल परिसर में अक्सर आने वाला एक बाहरी व्यक्ति था। अदालत ने आरोपी को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

महिला डॉक्टर के कथित बलात्कार और हत्या की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने संबंधी कम से कम तीन जनहित याचिकाओं पर मंगलवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सोमवार को कम से कम तीन जनहित याचिकाएं दायर की गईं।

वहीं, मुख्यमंत्री बनर्जी महिला चिकित्सक के घर गईं और उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा, ''अगर पुलिस रविवार तक इस मामले को सुलझाने में नाकाम रहती है, तो हम मामले को सीबीआई को सौंप देंगे। हालांकि, केंद्रीय जांच एजेंसी की सफलता दर बहुत कम है।''मुख्यमंत्री ने कुछ हाई-प्रोफाइल मामलों का जिक्र किया जिन्हें सीबीआई ''सुलझा नहीं सकी।''

बनर्जी ने कहा कि मृतक डॉक्टर के परिवार वालों को संदेह है कि इसमें कोई भीतर का व्यक्ति शामिल है।

उन्होंने कहा, ''मैंने पुलिस से कहा है कि यदि किसी के खिलाफ ऐसा कोई संदेह है तो उनसे - पीड़िता के दोस्तों और अन्य लोगों से - पूछताछ की जानी चाहिए।''

बनर्जी ने यह भी कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्रधानाचार्य ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्होंने (प्रधानाचार्य) घटना के बाद अपने साथ हुई अभद्रता के बारे में बताया है। हमने उन्हें दूसरे विभाग में स्थानांतरित कर दिया है। हमने लापरवाही के कारण अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक सह उप प्राचार्य को भी हटा दिया है। छाती रोग विभाग के प्रमुख और आरजी कर अस्पताल की सुरक्षा के प्रभारी कोलकाता पुलिस के एसीपी को भी हटा दिया गया है।''

- महिला चिक्तसक बलात्कार और हत्या के दोषी को मृत्युदंड देने की मांग
- चिकित्सकों की हड़ताल से दिल्ली सरकार के अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं प्रभावित हुईं

मुख्यमंत्री ने शनिवार को इस मामले में दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग की थी। बनर्जी ने कहा, ''हम चाहते हैं कि इस मामले की सुनवाई त्वरित अदालत में हो। हम मृत्युदंड की भी मांग करेंगे। कुछ लोग शायद भूल गए हैं कि समाज में कैसे व्यवहार करना चाहिए। महिलाओं के खिलाफ इस तरह की हिंसा एक जघन्य अपराध है।''

कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल भी बनर्जी के साथ पीड़िता के घर गए। गोयल ने कहा, ''घटनास्थल के पास मौजूद सभी लोगों को बुलाया जा रहा है। अगर उन्हें अभी तक तलब नहीं किया गया है तो उन्हें तलब किया जाएगा। हमें यकीन है कि अगर और भी अपराधी होंगे तो हम उन्हें अगले चार से पांच दिनों में गिरफ्तार कर लेंगे।'' इस बीच, एनसीडब्ल्यू की दो सदस्यीय टीम ने कोलकाता पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर मामले पर चर्चा की।

महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे संस्थान के प्रधानाचार्य संदीप घोष ने सोमवार सुबह अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जूनियर चिकित्सकों ने अस्पताल कर्मियों को सुरक्षा मुहैया कराने में नाकामी के लिए उनके इस्तीफे की मांग की थी।

घोष ने इस्तीफा तब दिया है जब एक दिन पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक सह उप-प्रधानाचार्य संजय वशिष्ठ को हटा दिया और उनकी जगह छात्र मामलों की डीन प्रोफेसर बुलबुल मुखोपाध्याय को अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया।

उन्होंने कहा, ''मैं यह अपमान और बर्दाश्त नहीं कर सकता। मेरे खिलाफ लगाए सभी आरोप झूठे और मनगढ़ंत हैं। मुझे हटाने के लिए एक छात्र आंदोलन भड़काया गया है। इसके पीछे राजनीतिक साजिश है। मैंने घटना के एक घंटे के भीतर पुलिस को सूचित कर दिया था। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज सौंपी गयी है।'' उन्होंने कहा, ''मैं चाहता हूं कि प्रदर्शनकारी छात्र जल्द ही ड्यूटी पर लौटें।'' घोष अपना इस्तीफा सौंपने के लिए खुद स्वास्थ्य भवन पहुंचे थे।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने पीड़िता की पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सेमिनार हॉल के पास लगे सीसीटीवी की फुटेज सार्वजनिक करने की भी मांग की है।

राज्य सरकार ने मरीजों की भीड़ से निपटने के लिए सभी वरिष्ठ चिकित्सकों की छुट्टी रद्द कर दी है क्योंकि सोमवार को आमतौर पर बाह्यरोग विभागों में बड़ी संख्या में मरीज आते हैं।

एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमारे वरिष्ठ चिकित्सक ड्यूटी पर हैं और हम उम्मीद करते हैं कि वे मरीजों की भीड़ से निपट लेंगे। उन्हें स्थिति सामान्य होने तक काम करने का निर्देश दिया गया है।'' प्रदर्शन कर रहे चिकित्सकों को देशभर के विभिन्न हिस्सों से समर्थन मिल रहा है। 'फेडरेशन ऑफ रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (फोरडा) ने हड़ताल का समर्थन किया और सोमवार को वैकल्पिक सेवाओं को रोकने का देशव्यापी आह्वान किया।

'पश्चिम बंगाल डॉक्टर्स फोरम' ने भी राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर, महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या मामले की जांच के लिए एक निष्पक्ष जांच समिति गठित करने का अनुरोध किया है। उसने राज्य के विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए पर्याप्त सुरक्षा तथा दोषी को मृत्युदंड देने की भी मांग की है।

भारत बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाए : अखिलेश

लखनऊ, (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का मुद्दा उठाते हुए सोमवार को सरकार से इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरजोर तरीके से उठाने की मांग की।

यादव ने 'एक्स' पर कहा, ''कोई भी समुदाय चाहे वह बांग्लादेश का अलग नज़रिये वाला बहुसंख्यक हो या हिंदू, सिख, बौद्ध या कोई अन्य धर्म-पंथ-मान्यता मानने वाला अल्पसंख्यक, कोई भी हिंसा का शिकार नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने इसी पोस्ट में कहा, ''भारत सरकार द्वारा इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार की रक्षा के रूप में सख़्ती से उठाया जाना चाहिए। ये हमारी प्रतिरक्षा और आंतरिक सुरक्षा का भी अति संवेदनशील विषय है।'' सपा अध्यक्ष ने इससे पहले 'एक्स' पर ही बांग्लादेश का नाम लिये बगैर कहा था कि देश और देशवासियों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य होता है। उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास सिखाता है कि जो सरकार किसी और देश के राजनीतिक हालात का इस्तेमाल अपने सियासी मंसूबों को पूरा करने के लिए करती है, वह देश को आंतरिक और बाह्य दोनों स्तर पर कमजोर करती है।

बिहार के सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में भगदड़, सात श्रद्धालुओं की मौत, 16 अन्य घायल

जहानाबाद/पटना, (भाषा) बिहार के जहानाबाद जिले के बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में रविवार देर रात भगदड़ मचने से कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

जिलाधिकारी अलंकृता पांडे ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''जहानाबाद के बराबर पहाड़ी इलाके में स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में रविवार देर रात करीब 11.30 बजे मची भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। मृतकों में ज्यादातर कांवड़िए शामिल हैं।''

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में मची भगदड़ में सात लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने घटना को बेहद दुखद और पीड़ादायक करार देते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, नीतीश ने मृतकों के परिजनों को

चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने इस हादसे में घायल श्रद्धालुओं का समुचित इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जहानाबाद की जिलाधिकारी ने कहा, ''मंदिर में तैनात सुरक्षाकर्मी दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। सभी घायलों को मखदूमपुर और आसपास के इलाकों के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दस घायलों को घर भेज दिया गया, जबकि सात अभी भी भर्ती हैं।'' उन्होंने बताया कि श्रावण मास के सोमवार को मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने के मद्देनजर वहां जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तैनात थे।

पांडे ने कहा, ''प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि कांवड़ियों में किसी चीज को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद उनके बीच कहासुनी और हाथापाई हुई, जिससे मंदिर में भगदड़ मच गई। हालांकि, कुछ स्थानीय लोगों का कहना था कि कांवड़ियों के एक समूह और मंदिर के बाहर फूल विक्रेताओं के बीच तीखी बहस के कारण भगदड़ मची।''

जिलाधिकारी ने कहा, ''सटीक कारण अभी सामने नहीं आ पाया है। इसका पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए गए हैं।''

जिलाधिकारी ने कहा, ''हम घटना में हताहत श्रद्धालुओं की पहचान करने की कोशिशों में जुटे हैं। प्रशासन ने मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए उनके परिजनों को 20-20 हजार रुपये की वित्तीय सहायता देने का फैसला किया है। नियमों के अनुसार अतिरिक्त मुआवजा भी प्रदान किया जाएगा।''

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने एक बयान जारी कर कहा कि पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद यादव, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत पर गहरा दुख जाहिर किया है।

विमान परिचारिका बनाने का झांसा देकर युवती से पांच लाख रुपये की ठगी

गोंडा (उप्र), (भाषा) गोंडा जिले में एक युवती को विमान परिचारिका के तौर पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे पांच लाख 15 हजार रुपये ठगने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया।

जिले में खोंड़ारे थाना क्षेत्र के करनपुर की रहने वाली कोमल यादव (24) ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कुछ दिन पहले जनता दर्शन में मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई थी कि अयोध्या निवासी हरीश तिवारी तथा गोंडा के गिन्नी बाजार निवासी सुशील तिवारी ने उसे विमान परिचारिका की नौकरी दिलाने के नाम पर पिछले वर्ष उससे कई बार में पांच लाख 15 हजार रुपये ठग लिये। पुलिस के मुताबिक, कोमल ने तीन लाख सात हजार रुपये सुशील तिवारी को फोन-पे के जरिए दिए, जबकि शेष धनराशि आरोपियों द्वारा बताए गए अन्य खातों में भेजी गई। उसने बताया कि आरोपियों ने 'इंडिगो' विमानन कंपनी का फर्जी नियुक्ति पत्र एवं अन्य कागजात भेजकर कोमल को कार्यभार ग्रहण करने के लिए मुंबई बुलाया जहां पहुंचने पर उसे पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी की गई है।

उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में हुई भारी बारिश, वर्षाजनित घटनाओं में 28 की मौत

नयी दिल्ली, (भाषा) उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में रविवार को भारी बारिश होने से जगह-जगह भूस्खलन हुआ, यातायात अव्यवस्थित हो गया, मकान ढह गये तथा वर्षाजनित घटनाओं में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई। वहीं, हरियाणा में एक बांध टूटने से कई गांव जलमग्न हो गए।

जम्मू कश्मीर के श्री अमरनाथजी यात्रा क्षेत्रों में भारी वर्षा के बाद वार्षिक अमरनाथ यात्रा रोक दी गयी।

उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में लगातार दूसरे दिन भारी वर्षा हुई तथा राजस्थान में पिछले दो दिनों में सबसे अधिक 16 लोगों की मौत हो गयी है।

पंजाब के होशियारपुर में एक ही परिवार के आठ सदस्यों सहित नौ लोगों की मौत हो गई, जब उनका वाहन एक बरसाती नाले में बह गया।

मध्य, दक्षिण, दक्षिण-पूर्व और पूर्व दिल्ली में भी भारी वर्षा हुई जिससे जगह-जगह जलभराव एवं यातायात जाम हो गया। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में रोहिणी के सेक्टर 20 में पानी से भरे पार्क में सात वर्षीय एक बच्चा डूब गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में जलभराव की सात और पेड़ गिरने की चार सूचनाएं मिलीं। ढांसा स्टैंड और बहादुरगढ़ स्टैंड के पास नजफगढ़-फिरनी रोड पर यातायात बाधित रहा।

गुरुग्राम में दिन में 70 मिलीमीटर बारिश हुई। पुलिस लाइन, बस स्टैंड रोड, शीतला माता रोड, नरसिंहपुर सर्विस रोड, बसई चौक, खांडसा, संजय ग्राम रोड, सोहना रोड और सुभाष चौक, सेक्टर 30, 31, 40, 45, 47, 51, 22, 23, 4, 5, 12, 13 48 समेत कई इलाकों में जलभराव की सूचना मिली हैं। इन क्षेत्रों में यातायात जाम लग गया और पैदलयात्रियों को बड़ी दिक्कत हुई। उन्हें घुटने भर पानी में चलना पड़ा।

हिमाचल प्रदेश में वर्षाजनित घटनाओं में तीन लड़कियों की मौत हो गई और एक व्यक्ति लापता है। राज्य में पिछले दो दिनों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण 280 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं।

उत्तर प्रदेश के जालौन में दो लोगों की मौत हो गई। जालौन में भारी बारिश के कारण कोच क्षेत्र में एक मकान की छत गिरने से एक महिला और उसके सात वर्षीय बेटे की मौत हो गई। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में भीमबली में भारी भूस्खलन के कारण रविवार को मंदाकिनी नदी का प्रवाह कुछ देर के लिए रुक गया।

असम : मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं को ट्रक ने मारी टक्कर, छह लोगों की मौत

कोकराझार, (भाषा) असम के कोकराझार जिले में सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने पहले श्रद्धालुओं और फिर दो कारों को टक्कर मार दी, जिससे छह लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार ट्रक ने एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) से टकराने के बाद कचुगांव में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर महामाया मंदिर के पास श्रद्धालुओं को टक्कर मार दी, जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया और उसने बिश्मुरी में एक अन्य कार को टक्कर मार दी, जिससे वाहन में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, बाद में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति ने अस्पताल में

दम तोड़ दिया।

पुलिस ने बताया कि घटना में जान गंवाने वाले व्यक्तियों की पहचान सुकरन रॉय (20), जय रॉय (11), बप्पी घोष (21), बासुदेव रॉय (22) और नभ घोष (26) के रूप में की गई है, जो हातीगढ़ गांव संख्या एक के निवासी थे। इसके अलावा छठे मृतक की पहचान नबन घोष के रूप में की गयी है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घायलों को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई गई है। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक और उसके सहायक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है।

नोएडा में कार दुर्घटना में दो सगे भाइयों समेत तीन छात्रों की मौत

नोएडा, (भाषा) नोएडा स्थित एमिटी विश्वविद्यालय के पास एक अनियंत्रित कार के सड़क किनारे लगे एक खंभे से टकरा जाने से उसमें सवार दो सगे भाइयों समेत तीन छात्रों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि तीनों छात्र रात में अपने दोस्त की जन्मदिन पार्टी मनाकर सुबह ग्रेटर नोएडा लौट रहे थे। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) रामबदन सिंह ने बताया कि मृतकों में दो सगे भाई हैं और उनकी पहचान ईशान (18) तथा आर्यन (21) के रूप में की गई है तथा तीसरे मृतक की पहचान विनय के रूप में हुई है।

उन्होंने कहा कि मृतकों में से एक छात्र नोएडा के सेक्टर 125 में स्थित एशियन बिजनेस स्कूल से पढ़ाई कर रहा था, जबकि दूसरा बेंगलुरु के एक नामी कॉलेज से बीबीए की पढ़ाई कर रहा था। तीसरे छात्र के बारे में पुलिस पता लग रही है।

जान गंवने वाले दोनों भाइयों के पिता सुनील कश्यप नोएडा प्राधिकरण में बिजली विभाग में कनिष्ठ अभियंता के रूप में तैनात हैं। सुनील कश्यप नोएडा एक्सटेंशन की पाम ओलंपिया सोसाइटी में रहते हैं।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि थाना सेक्टर 126 पुलिस को एक कार के एमिटी विश्वविद्यालय के पास एक खंभे से टकरा जाने की सोमवार सुबह साढ़े सात बजे सूचना मिली।

उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने कार सवार तीनों लोगों को बाहर निकाला और उन्हें जिला अस्पताल ले गई, लेकिन चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

अगर केंद्र सरकार आरक्षण की सीमा हटाने की पहल करेगी तो विपक्ष सहयोग करेगा : पवार

पुणे, (भाषा) महाराष्ट्र में मराठा-ओबीसी आरक्षण विवाद के बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के नेता शरद पवार ने सोमवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार आरक्षण पर उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को हटाने के लिए नीति लाती है तो विपक्ष सहयोग करेगा।

राज्य स्तर पर, पवार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से आरक्षण विवाद पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील की। लल्लूपवार ने सामूहिक विचार-विमर्श का आह्वान ऐसे समय किया है जब एक दिन पहले ही उन्हें मराठा प्रदर्शनकारियों के गुस्से का सामना करना पड़ा था। प्रदर्शनकारियों ने सोलापुर जिले में उनकी एसयूवी गाड़ी रोक ली थी और उनसे आरक्षण के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा था। मराठा क्रांति ठोक मोर्चा के नेता रमेश केरे पाटिल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को पुणे में राकांपा (एसपी)

प्रमुख से उनके आवास पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की समुदाय की मांग पर पवार का रुख जानना चाहा। केरे पाटिल द्वारा मुलाकात करने और उन्हें ज्ञापन सौंपे जाने के बाद पवार ने संवाददाताओं से कहा, ''आरक्षण का दायरा बढ़ाने में एक बाधा है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने फैसला दिया है कि आरक्षण देते समय 50 प्रतिशत कोटा सीमा का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। उचित नीति का मसौदा तैयार करने की जिम्मेदारी केंद्र पर है।''

संक्षिप्त समाचार

नियुक्ति पाने के लिए एम्स का चक्कर काट रहे सफल अभ्यर्थी

ऋषिकेश, एजेंसी। एम्स में व्यवस्थाएं पटरी पर नहीं आ पा रही हैं। यहां विभिन्न पदों पर हुई भर्ती परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को तैनाती के लिए एक साल से चक्कर कटवाए जा रहे हैं, लेकिन नियुक्ति नहीं दी जा रही है। जिससे अभ्यर्थी परेशान हो रहे हैं। जबकि देश के अन्य एम्स में सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जा चुकी है। एम्स ऋषिकेश में पिछले वर्ष सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, डायटीशियन, स्टोर कीपर सहित विभिन्न पदों के लिए परीक्षा आयोजित हुई थी। अलग-अलग पदों के लिए अलग-अलग समय पर आयोजित भर्ती परीक्षाओं का परिणाम जल्द घोषित किया गया था। परिणाम घोषित होने के कुछ दिनों बाद ही सफल अभ्यर्थियों के शैक्षणिक व अन्य प्रमाणपत्रों का सत्यापन भी किया गया। लेकिन इसके बाद सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं दी गई। अभ्यर्थी व उनके परिजन नियुक्ति के लिए कई महीनों से एम्स के चक्कर काट रहे हैं। उनका कहना है कि एम्स प्रशासन उनसे बात करने तक को तैयार नहीं। बीते एक माह पूर्व स्टोरकीपर पद पर सफल अभ्यर्थियों ने यहां दो दिन तक धरना भी दिया था।

सीमांत पिंसवाड गांव में विद्युत आपूर्ति सुचारू करना विभाग के लिए बनी चुनौती

टिहरी, एजेंसी। उत्तराखंड में टिहरी के बूढ़ाकेदार क्षेत्र में 27 जुलाई को प्राकृतिक आपदा के कारण कई जगहों पर रोड वॉश आउट हो गया था। इसके चलते सीमांत पिंसवाड़, जखाणा, गेवाली, कोट गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया था। इसमें ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसी बीच अभी तक पिंसवाड़ क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति सुचारू नहीं होने की खबर सामने आई है। जिससे ग्रामीण अंधेरे में जीने को मजबूर है। हीं सीमांत पिंसवाड गांव में विद्युत आपूर्ति सुचारू करना विभाग के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। बता दें कि आपदा के दौरान इन सीमांत क्षेत्रों से संपर्क टूटने पर हालांकि प्रशासन द्वारा राशन और दवाईयां जंगल के रास्ते पहुंचाई गई थी। लेकिन लगातार हो रही बारिश और रोड टूटने के चलते बिजली के पोल और ट्रांसफार्मर को क्षेत्र तक पहुंचाना और बिजली व्यवस्था सुचारू करना विभाग के लिए भी चुनौती बन गया है। वहीं इस मामले में अधिशासी अभियंता, विद्युत विभाग के अमित आनंद का कहना है कि कुछ क्षेत्रों में बिजली सुचारू कर दी गई है। लेकिन सीमान्त पिंसवाड़ गांव तक सामान ले जाने के लिए नदियां नाले पार करने पड़ रहे है। इसके अतिरिक्त लगातार हो रही बारिश से पिंसवाड़ गांव तक टीमों को पहुंचने में दिक्कत सामने आ रही है।

महिलाओं से चेन लूट में कपड़े की दुकान चलाने वाला युवक गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। कनखल पुलिस ने चेन लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले रेडीमेड कपड़े की दुकान चलाने वाले युवक को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है। आरोपी को ऑनलाइन सट्टे की लत थी। इस वजह से लूट की वारदातें करने लगा। कनखल में घर में घुसकर और रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में बुजुर्ग महिला से चेन लूटकर फरार हुआ था। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि छह अगस्त की सुबह मोहिनी गंभीर पत्नी स्व. देवेनद्र कुमार गंभीर निवासी कृष्णानगर कनखल का पीछा करते हुए घर में घुसते ही एक युवक ने चेन लूट ली थी। इसके अलावा रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में भी चार अगस्त की सुबह 5.30 बजे राम मंदिर टिहरी विस्थापित कॉलोनी की तरफ शिवालिक नगर निवासी बुजुर्ग महिला के गले से झपट्टा मारकर सोने की चेन छीन ली थी। दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर टीम गठित करते हुए आरोपी की खोजबीन शुरू की गई। एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि कनखल पुलिस ने शुक्रवार रात चेकिंग के दौरान खोखरा तिराहा के पास से बाइक सवार एक संदिग्ध को पकड़ लिया। आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम निर्देश उर्फ निशू निवासी ग्राम बेगमपुर निकट रविदास मंदिर थाना बहादराबाद बताया। उसने चेन लूट की दोनों वारदात करना कबूल किया। बेगमपुर में किराये की दुकान में रेडीमेड गारमेंट्स का काम करता है।

रिस्पना नदी के फ्लड जोन में आए सैकड़ों घरों पर हो सकती है बड़ी कार्रवाई

देहरादून, एजेंसी।
रिस्पना नदी के किनारे वर्ष 2016 के बाद अस्तित्व में आए निर्माण को अवैध मानकर हटाने की कार्रवाई तो की गई, लेकिन इसके बावजूद सैकड़ों घर अब भी खतरे की जद में हैं। एनजीटी के निर्देश पर रिस्पना के फ्लड प्लेन जोन निर्धारित करने को लेकर कसरत अब तेज हो गई है।

सर्वे पूरा होने के बाद रिस्पना के किनारे चिह्नित फ्लड जोन का नक्शा तैयार किया जा रहा है। जिसके बाद बाढ़ आशंकित क्षेत्र में बने घरों पर लाल निशान लगाने की तैयारी है। एनजीटी ने फ्लड जोन में किए गए निर्माण को हर हाल में तोड़ने के निर्देश दिए हैं और वहां बसे परिवारों के पुनर्वास को कहा है। ऐसे में दो माह के भीतर यह बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

बीते जुलाई में सिंचाई विभाग की टीम ने एनजीटी के निर्देश पर अगले 25 वर्ष और 100 वर्ष की संभावनाओं के आधार रिस्पना नदी के फ्लड प्लेन जोन का सर्वे किया। नदी के दोनों किनारों पर 50 से 100 मीटर तक की दूरी को अत्यधिक संवेदनशील मानते हुए सर्वे रिपोर्ट तैयार की गई।

बाला सुंदरी मंदिर के बाद काठबंगला बस्ती से लेकर मोथरोवाला और दौड़वाला नौका तक रिस्पना के ऐसे स्थल चिह्नित किए गए, जहां नदी के मूल स्वरूप में अधिक बदलाव आया है और भविष्य में भीषण बाढ़ की आशंका है। इसी को ध्यान में रखकर सर्वे रिपोर्ट एनजीटी के समक्ष रख दी गई। साथ ही जिला प्रशासन को भी उपलब्ध करा दी गई।

24 जुलाई को एनजीटी में हुई सुनवाई के दौरान रिस्पना के फ्लड प्लेन जोन में स्थित निर्माण को चिह्नित कर ध्वस्त करने और बस्तियों के निवासियों का पुनर्वास करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। अब सिंचाई विभाग की ओर से फ्लड प्लेन जोन की सर्वे रिपोर्ट के आधार पर नक्शा तैयार किया जा रहा है। जिसके आधार पर फ्लड जोन में स्थित निर्माण पर लाल निशान लगाए जाएंगे।

रिस्पना नदी पर बसी 27 बस्तियों में सैकड़ों घर फ्लड जोन की जद में आ रहे हैं। ऐसे में सितंबर अंत तक इस दिशा में ठोस कार्रवाई की उम्मीद है।

सिंचाई विभाग की रुड़की रिसर्च विंग ने रिस्पना नदी के दोनों किनारों पर फ्लड जोन का सर्वे कर 50-100 मीटर पर निशान लगाए हैं।

फंदे पर लटका मिला किशोर

12वीं का छात्र नैनीताल के प्रतिष्ठित स्कूल में पढ़ता था, दादा-दादी के घर आया था देव

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी में 12वीं के छात्र ने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली। परिजनों के अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

हल्द्वानी में 12वीं के छात्र ने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली। परिजनों के अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

पुलिस के अनुसार देव शाह (17) पुत्र माता प्रसाद शाह अपनी माता के साथ नैनीताल शाह कंपाउंड में रहता था। देव शाह नैनीताल में एक प्रतिष्ठित स्कूल में इंटर का छात्र था। पिता नेवी में अच्छी पोस्ट में कार्यरत हैं। शुक्रवार शाम वह अपने दादा-दादी के घर कैलाश व्यू दमुवाढूंगा में आया था। शुक्रवार रात से किशोर का मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था।

शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे किशोर के मामा घर पहुंचे। उन्होंने कमरा खोला तो देव फंदे पर लटका मिला। देव के मामा ने पुलिस को सूचना दी और देव को फंदे से उतराकर निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने किशोर को मृत घोषित कर दिया। देव की मां नैनीताल के प्रतिष्ठित स्कूल में पढ़ाती हैं। छात्र दो भाइयों में बड़ा था। एसओ काठगोदाम विमल मिश्रा ने बताया कि अज्ञात कारणों के चलते देव ने फांसी लगा ली। कमरे से किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है।

किराने की दुकान में घुसे 4 हथियारबंद बदमाशों ने की लाखों की लूट, घटना सीसीटीवी में कैद

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड की धर्मनगरी में हैरान करने देने वाला सामने आया है। इसमें एक किराने की दुकान पर 4 बेखौफ बदमाशों ने लाखों की लूट की। वहीं इस घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए बदमाशों की खोजबीन शुरू कर दी। इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। हरिद्वार लक्सर रोड पर स्थित पंजनहेड़ी गांव में एक किराने की दुकान में बीती रात करीब सवा 9 बजे चार नकाबपोश बदमाशों ने धावा बोल दिया। इस दौरान बदमाशों ने दुकान में घुसकर दुकानदार पर तमंचा तान लिया और उसके गल्ले से कैश निकालना शुरू कर दिया। इसी के साथ आरोपियों ने दुकानदार के गले से सोने की चैन भी छीन ली और मौके से फरार हो गए । इस पूरी घटना की वीडियो दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वहीं मेन रोड की दुकान पर हुई इस घटना से लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हरिद्वार के कनखल थाना प्रभारी भावना केंथुला ने बताया कि पंजनहेड़ी गांव में किराने की दुकान में करीब 5 लाख रुपए की लूट की सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए तथा आसपास से जानकारी एकत्र कर लुटेरों की तलाश में जुट गई है।

गोमूत्र टैंक की सफाई करने गए दंपती की दम घुटने से दर्दनाक मौत, परिवार में कोहराम

हल्द्वानी, एजेंसी।
मुखानी थाना क्षेत्र में गोमूत्र टैंक की सफाई करने गए दंपती की दम घुटने से मौत हो गई है। दपंती मूलरूप से बदायू जिले के रजऊ कस्बा के रहने वाले थे। एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

मुखानी के आदर्श नगर निवासी जगदीश जोशी की बिठूरिया नंबर फेस एक में गोशाला है। जहां पर बदायू जिले के रजऊ कस्बा निवासी 40 वर्षीय मटरू लाल काम करता है और परिवार के साथ यहीं पर रहता है। जगदीश के

अनुसार रविवार की सुबह उन्होंने टैंकर मांगकर गोमूत्र का टैंक साफ करवाया।

टैंक में थोड़ा गोमूत्र बच गया था। जिसे साफ करने के लिए मटरू उतर गया। दम घुटने से वह टैंक के अंदर बेहोश हो गया। 35 वर्षीय पत्नी रानी उन्हें बचाने के लिए टैंक में गई। दम घुटने से वह भी बेहोश हो गई। दोनों को बमुश्किल टैंक से बाहर निकाला गया। मुखानी थानाध्यक्ष पंकज जोशी ने बताया कि निजी अस्पताल ले जाने पर डाक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया है।

आईएफएस अधिकारी राहुल को राजाजी बाघ अभयारण्य का निदेशक किया नियुक्त

ऋषिकेश, एजेंसी।
उत्तराखंड के कॉर्बेट बाघ अभयारण्य के पूर्व निदेशक राहुल को राजाजी बाघ अभयारण्य (आरटीआर) का निदेशक नियुक्त किया गया है। वर्ष 2004 बैच के भारतीय वन सेवा के अधिकारी राहुल को साकेत बडोला के स्थान पर नियुक्त किया गया है, जिन्हें कुछ समय पहले कॉर्बेट बाघ अभयारण्य का निदेशक नियुक्त किया गया था।

नई भूमिका के तहत अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बात करते हुए राहुल ने कहा कि आरटीआर में बाघ पुनर्वास परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करना उनका प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि राजाजी बाघ अभयारण्य में बाघों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, इसलिए बाघों की सुरक्षा पर भी अधिक ध्यान दिया जाएगा।

पहाड़ों में नकली माल बेचने वालों का करेंगे बहिष्कार

हल्द्वानी, एजेंसी। देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में व्यापारियों की समस्याओं पर चर्चा के साथ ही नकली माल से दुकानदारों को रही दिक्कतों का मुद्दा छाया रहा। बैठक में व्यापारियों ने पहाड़ों में नकली माल बेचने वालों का बहिष्कार करने का संकल्प लिया।

नगर निगम सभागार में संस्थापक अध्यक्ष हुकम सिंह कुंवर की अध्यक्षता में हुई बैठक में वक्ताओं ने गांवों में रेहड़ी-फेरी लगाने वालों पर अंकुश लगाने, राज्य में नकली माल लाने और बेचने वालों को बॉर्डर पर रोकने की मांग उठाई। अल्मोड़ा जिलाध्यक्ष मनोज पंवार ने प्रशासन पर नकली माल, नकली मावा के नाम पर दुकानदारों को परेशान करने का आरोप लगाया। भीमताल अध्यक्ष संदीप पांडेय ने कहा कि रेहड़ी-फेरी वाले गांव गांव माल बेच रहे हैं और सरकार को टैक्स नहीं दे रहे हैं। इससे दुकानदारों को नुकसान हो रहा है। रामनगर अध्यक्ष विपिन कांडपाल, हल्दूचौड़ अध्यक्ष खीम सिंह बिष्ट ने जिला पंचायत पर टैक्स लेने और सुविधा नहीं देने की बात कही। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अनिल खंडेलवाल ने कहा सरकार को ठोस नीति बनानी होगी वरना पलायन और बेरोजगारी और बढ़ेगी। बैठक में लालकुआं अध्यक्ष दीवान सिंह बिष्ट, गौलापार अध्यक्ष पंकज कुमार, चोरगलिया के अध्यक्ष दीपक थुवाल ने भी विचार रखे।

अध्यक्ष हुकम सिंह कुंवर ने कहा संगठन व्यापारियों के साथ उपभोक्ताओं के हितों का भी ध्यान रखेगा।

स्नातकोत्तर में 50 फीसदी भी नहीं भर पाई सीटें

रुद्रपुर, एजेंसी।
समर्थ पोर्टल के माध्यम से चल रही स्नातक प्रथम व स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश तिथि समाप्त हुए बीते 10 दिन हो गए हैं पर अभी तक शासन ने प्रवेश तिथि बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया है। इधर प्रवेश लेने से वंचित छात्र-छात्राएं तिथि न बढ़ने से काफी परेशान है। एसबीएस कॉलेज में स्नातकोत्तर में कुल 730 सीटों के सापेक्ष अभी तक मात्र 351 प्रवेश ही हो पाए हैं। आधी से ज्यादा सीटें खाली हैं।

एसबीएस डिग्री कॉलेज में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में एमए हिंदी में 80 सीटों के सापेक्ष मात्र 26 प्रवेश ही हो पाए हैं। इसी तरह 80 सीटों के सापेक्ष अंग्रेजी विषय में 38, इतिहास में 33, समाजशास्त्र में 37, राजनीति विज्ञान में 54 व अर्थशास्त्र में 30 प्रवेश हुए हैं। वहीं भूगोल में 20 सीटों में मात्र चार ही प्रवेश हो सके हैं। एमएससी भौतिकी विज्ञान में 20 सीटों के सापेक्ष 13, रसायन विज्ञान में 30 में से 10, वनस्पति विज्ञान में 30 में से 19, जंतु विज्ञान में 30 में से 15, गणित में 40 के सापेक्ष 15 तथा एमकॉम प्रथम सेमेस्टर में 80 के सापेक्ष कुल 57 प्रवेश हो सके हैं। इधर प्रवेश तिथि नहीं बढ़ने से परेशान विद्यार्थी रोजाना कॉलेज के चक्कर काट रहे हैं। उधर कॉलेज प्रशासन ने कक्षाएं शुरू करने की तैयारी कर ली है। अब तक प्रवेश ले चुके छात्र-छात्राओं के एडमिट कार्ड आदि बनाए जा रहे हैं। अगले सप्ताह से कक्षाएं शुरू होने की उम्मीद है।

ज्तो भविष्य में 24 की जगह 25 घंटे का हो जाएगा पृथ्वी का दिन-रात? रोजाना 1.8 मिली सेकेंड की रफ्तार से लंबा हो रहा दिन

नैनीताल, एजेंसी। प्रतिदिन 1.8 मिली सेकंड की रफ्तार से लंबे हो रहे दिन से पृथ्वी का दिन-रात 24 की जगह 25 घंटे का हो जाएगा। एक घंटे का अंतर आने में 20 करोड़ साल लगेंगे। गुरुत्वाबल से उत्पन्न होने वाला ज्वारीय प्रभाव व पृथ्वी की बाहरी भू-भौतिकीय क्रिया से उसके परिभ्रमण यानी अपनी धुरी पर घूमने की गति में कमी आना इसकी वजह है। विस्कान्सिन विश्वविद्यालय यूएसए के हाल में एक अध्ययन में दिन का समय बढ़ने की बात सामने आने के बाद यह विषय चर्चा में है। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल विज्ञानी डॉ. शशिभूषण पांडेय के अनुसार, सौर मंडल के सभी ग्रह गुरुत्व के कारण एक-दूसरे से बंधे होते हैं। इनके परिभ्रमण (सूर्य के या फिर अपनी धुरी पर) की गति में गुरुत्वाकर्षण के कारण परिवर्तन आना संभव है।

वर्तमान आकलन के अनुसार, पृथ्वी के परिभ्रमण की गति धीमी होने लगी है। जिस कारण इसके अपनी धुरी पर घूमने में लगने वाला 24 घंटे का समय बढ़ने लगा है। ऐसे में भविष्य में एक ऐसी स्थिति आएगी जब पृथ्वी के एक परिभ्रमण की अवधि बढ़ती चली जाएगी और 24 घंटे के दिन-रात का समय भी बढ़ता जाएगा।

उत्तराखंड के 6 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट, लोगों को सतर्क रहने की अपील

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में लगातार भारी बारिश का सिलसिला जारी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। लोगों को इस बारिश के दौरान कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच मौसम विभाग ने प्रदेश के छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं लोगों को सतर्क रहने व केवल विशेष कार्य हेतु ही घर से निकलने की अपील की है।

मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से देहरादून समेत टिहरी, नैनीताल, चंपावत, चमोली और बागेश्वर जिले के कुछ इलाकों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

इसके साथ मौसम वैज्ञानिकों ने हिदायत देते हुए कहा कि बारिश के दौरान संवेदनशील इलाकों में रहने वाले लोग अधिक सतर्कता के साथ रहें। वहीं मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में भी प्रदेश के पर्वतीय जिलों में तेज दौर की बारिश की संभावना है। बता दें कि पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही मूसलाधार बारिश का असर मैदानी भागों में दिखाई दे रहा है। हरिद्वार और ऋषिकेश में तेज बारिश से गंगा और उसकी सहायक नदियां उफान पर आ गई है। हरिद्वार में भीमगोडा बैराज पर चेतावनी लेवल 293 मीटर पर है।

अल्मोड़ा के जीबी पंत पुरातत्व संग्रहालय का बनेगा नया भवन

अल्मोड़ा, एजेंसी। ऐतिहासिक महत्व वाले जीबी पंत पुरातत्व संग्रहालय अल्मोड़ा के दिन अब बहुरने वाले हैं। पिछले साल अल्मोड़ा प्रवास के दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस संग्रहालय को पुराने कलक्ट्रेट परिसर के भवन में नया निर्माण कराकर वहां स्थानांतरित करने की घोषणा की थी। इस संग्रहालय के लिए चार मंजिला भवन का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है। विभागीय अधिकारियों की मानें तो इस वर्ष के अंत तक इस पर काम शुरू हो जाएगा।

पुरातत्व संग्रहालय इस समय माल रोड पर बाजार क्षेत्र में स्थित है। इस कारण यहां पार्किंग के लिए जगह का भारी अभाव है।

बदरीनाथ हाईवे पर भारी भूस्खलन से नौ घंटे बंद रहा मार्ग

देहरादून, एजेंसी। बदरीनाथ हाईवे छिनका में चट्टान का एक बड़ा हिस्सा टूटकर सड़क पर आ गया। गनीमत यह रही कि भूस्खलन का आभास होने पर स्थानीय लोगों ने यात्री वाहनों सहित अन्य वाहनों को रोक दिया। इसके बाद एनएच की टीम ने यहां से मलबा हटाकर करीब नौ घंटे के बाद यातायात सुचारू कराया। इसमें नौ घंटे तक दोनों ओर एक हजार यात्री फंसे रहे। रविवार सुबह 11 बजे लगभग छिनका भूस्खलन जोन से लगे क्षेत्र में पहाड़ दरकने की आवाज आई। इस दौरान हल्का भूस्खलन हुआ तो बड़े खतरे को भांपते हुए स्थानीय लोगों ने शोर मचाकर हाईवे के दोनों ओर वाहनों को रोक दिया। देखते ही देखते हाईवे पर चट्टान का एक बड़ा हिस्सा टूटकर आ गया, जिससे क्षेत्र में धूल का गुबार बन गया। वाहनों की आवाजाही रुकने से खतरा टल गया। स्थानीय लोगों की ओर से ट्रैफिक रोकने पर तीर्थयात्रियों ने उनका आभार जताया। वहीं नंदा देवी राजजात मार्ग देवाल -थराली पाल्योभ्योल में सड़क पर लगातार मलबा व बोल्डर गिरने से दूसरे दिन भी नहीं खुल पाया, जिससे ग्रामीणों को पैदल आवागमन करना पड़ रहा है। दूसरी ओर गौरीकुंड डोलिया देवी में मलबा आने से बंद चल रहा गौरीकुंड हाईवे पर सात घंटे बाद आवाजाही के लिए सुचारू किया गया, जबकि बदरीनाथ हाईवे सिरोबगड़ में भी यातायात के लिए सुचारू हो गया है। इस दौरान मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगने से यात्रियों के साथ स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतें उठानी पड़ी।

शनिवार को गौरीकुंड हाईवे डोलिया देवी में भारी मलबा आने से पूरे दिन बंद रहा था। हालांकि रात्रि आठ बजे मार्ग यातायात के लिए खोला गया। वर्षा होने से रविवार को फिर सुबह चार बजे मार्ग पर मलबा आने से बंद हो गया।

दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय राजधानी की सुरक्षा बढ़ाई

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा कड़ी कर दी है और 3,000 से अधिक यातायात पुलिस अधिकारियों, 10,000 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ-साथ एआई-आधारित चेहरे पहचानने वाले 700 कैमरे लगाए हैं।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, मॉल और बाजारों सहित विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यातायात को नियंत्रित करने के लिए 3,000 से अधिक यातायात पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा और उन्हें राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख चौराहों के साथ-साथ लाल किले से जोड़ने वाली सड़कों पर भी तैनात किया जाएगा।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''लाल किले में कई स्तरीय सुरक्षा होगी। स्वतंत्रता दिवस के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित

करने के लिए हमने पहले ही एआई-आधारित चेहरे की पहचान करने वाले 700 सीसीटीवी कैमरे खरीदे हैं।''

पुलिस ने बताया कि इन कैमरों में 'हाई-रेजोल्यूशन पैन-टिल्ट-जूम फीचर' होंगे, जिससे पुलिस दूर से ही किसी को पहचान सकेगी। ये कैमरे किले के अंदर और आसपास लगाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि एआई-आधारित चेहरे पहचान करने और वीडियो विश्लेषण में सक्षम इन कैमरों से पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र को संबोधित करेंगे तो मुगलकालीन किले पर 10,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे।

एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस लाल किले पर कार्यक्रम में शामिल होने आने वाले लोगों की पहचान सत्यापित करने के लिए स्मार्टफोन आधारित एप्लीकेशन का भी इस्तेमाल करेगी।

पुलिस ने बताया कि इसके अलावा, प्रधानमंत्री और अन्य अति विशिष्ट अतिथियों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर स्नाइपर्स, विशिष्ट स्वाट कमांडो, पतंग पकड़ने वाले और 'शार्पशूटर' तैनात किए जाएंगे।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश के बाद इस स्वतंत्रता दिवस पर 'स्नाइपर्स' की भूमिका बेहद अहम हो गई है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि लाल किले पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हाल ही में हुई बैठक में ट्रंप पर हुए हमले पर चर्चा की गई और दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था पर जोर दिया।

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को ही आईएसआईएस के पुणे मॉड्यूल के एक सदस्य एवं वांछित आतंकवादी को गिरफ्तार किया। खुफिया जानकारी के आधार पर विशेष प्रकोष्ठ की टीम ने दिल्ली-फरीदाबाद सीमा पर गंगा बख्श मार्ग के पास से दरियागंज निवासी रिजवान अब्दुल हाजी अली को गिरफ्तार किया। उसके पास से .30 बोर की पिस्तौल, तीन कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अली की गिरफ्तारी में सहायक सूचना देने वाले को तीन लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) मनोज कुमार मीणा ने कहा, ''इस घटनाक्रम के बाद पुलिस टीम ने गश्त और जांच भी तेज कर दी है। होटल, गेस्ट हाउस, पार्किंग स्थल और रेस्तरां की जांच की जा रही है और किरायेदारों और नौकरों का सत्यापन किया जा रहा है। निवासी और बाजार कल्याण संघों के साथ बैठकें भी की जा रही हैं।''

उन्होंने कहा कि पुलिस, कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आने वाले 20,000 से 22,000 से अधिक मेहमानों के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था कर रही है।

इस बीच, आईजीआई हवाई अड्डे की पुलिस उपायुक्त उषा रंगनानी ने कहा कि यहां पुलिस की टीम अर्धसैनिक बलों के साथ मिलकर आगामी स्वतंत्रता दिवस की तैयारी में हवाई अड्डे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आपका उपराज्यपाल को लिखा पत्र 'विशेषाधिकारों का दुरुपयोग': तिहाड़ अधिकारियों ने केजरीवाल से कहा

नयी दिल्ली, (भाषा) तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सूचित किया है कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना को लिखा गया उनका पत्र जिसमें उन्होंने कहा था कि आतिशी स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराएंगी, दिल्ली कारागार नियमों के तहत उन्हें दिए गए 'विशेषाधिकारों का दुरुपयोग' है।

तिहाड़ जेल नंबर 2 के अधीक्षक ने दिल्ली कारागार नियम, 2018 के विभिन्न प्रावधानों का हवाला दिया और केजरीवाल को पत्र लिखकर सलाह दी कि 'ऐसी किसी भी अनुचित गतिविधि से दूर रहें' अन्यथा उनके विशेषाधिकारों में कटौती कर दी जाएगी।

केजरीवाल ने उपराज्यपाल को पिछले सप्ताह लिखे पत्र में कहा कि दिल्ली सरकार के स्वतंत्रता दिवस समारोह में उनकी जगह दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगी। हालांकि, उपराज्यपाल कार्यालय ने मुख्यमंत्री की ओर से ऐसा कोई पत्र मिलने की बात से इनकार किया है।

केजरीवाल कथित आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में उन्हें उच्चतम न्यायालय से अंतरिम जमानत मिल चुकी है।

केजरीवाल को लिखे पत्र में तिहाड़ जेल अधिकारियों ने कहा, ''उपर्युक्त नियमों को पढ़ने मात्र से यह स्पष्ट है कि आपका पत्र ऐसे पत्र व्यवहार की श्रेणी में नहीं आता है जिसके जेल के बाहर भेजे जाने की अनुमति हो। केवल लोगों के एक समूह के साथ निजी पत्र-व्यवहार की ही अनुमति है। इसलिए, आपका दिनांक छह अगस्त को लिखा पत्र प्राप्तकर्ता को नहीं भेजा गया है।''

पत्र में लिखा है कि विचाराधीन कैदी दिल्ली कारागार नियमों के कानूनी प्रावधानों से संचालित होते हैं। इसमें कहा गया है, ''यह जानकर आश्चर्य हुआ कि 6 अगस्त को आपके द्वारा सौंपे गए पत्र की सामग्री बिना किसी अधिकार के मीडिया को लीक कर दी गई। यह दिल्ली जेल नियम, 2018 के तहत आपको दिए गए विशेषाधिकारों का दुरुपयोग है।'' जेल अधीक्षक ने केजरीवाल को सलाह दी कि वह ''ऐसी किसी भी अनुचित गतिविधि से दूर रहें।''

पत्र में कहा गया है, ''... ऐसा न करने पर मुझे आपके विशेषाधिकारों में कटौती करने के लिए दिल्ली कारागार नियम, 2018 के प्रावधानों को लागू करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।'' पत्र में नियम 588 का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि कैदियों द्वारा लिखे गए सभी पत्रों की विषय-वस्तु निजी मामलों तक ही सीमित होगी।

लाइफ पार्टनर से इंस्पायर, लूटने लगा आई फोन - वन प्लस

प्रातः किरण संवाददाता

द्वारका जिला के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने एक स्नेचर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से महंगे मोबाइल और मोटरसाइकिल बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी की लाइफ पार्टनर पहले भी स्नैचिंग और चोरी के मामले में शामिल है। उसी से इंस्पायर होकर आरोपी भी इस तरह की वारदात को अंजाम देने लगा। जिससे कि उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत हो सके। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओमप्रकाश उर्फ ओमी के रूप में हुई है। इसके पास से बरामद किए गए 6 मोबाइल, सिम और चोरी की मोटरसाइकिल को जप्त किया गया है। बाइक का इस्तेमाल वारदात के दौरान किया गया था।

इसकी गिरफ्तारी से आठ मामलों

का खुलासा करने का दावा पुलिस ने किया है। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की देखरेख में सब इंस्पेक्टर दिनेश, हेड कांस्टेबल जगत, इंद्र इत्यादि की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से इस शातिर आरोपी के बारे में पता लगाया और उसके बाद ट्रैप लगाकर इसको द्वारका सेक्टर 16 जेजे कॉलोनी इलाके से गिरफ्तार किया। जब यह स्नैच किया मोबाइल बेचने के लिए वहां पहुंचा था।

पूछताछ में पता चला कि यह पहले टैक्सी ड्राइवर के रूप में काम करता था। बाद में इसकी दोस्ती एक लड़की से हो गई। यह दोनों यहां किराए की मकान में रहने लगे। इसका काम छूट गया और इसकी कंडीशन खराब हो गई। इसकी पार्टनर क्राइम में इन्वालव हो गई फिर यह भी वारदात में शामिल हो गया। जिससे कि अपनी जरूरत को पूरा कर सके।

ओमप्रकाश तीन मामलों में शामिल रहा है। इसकी गिरफ्तार से द्वारका नॉर्थ, द्वारका साउथ, बिंदापुर, डाबड़ी थाना के मामलों का खुलासा किया गया है। बरामद मोबाइल में आईफोन, वन प्लस जैसे महंगे मोबाइल भी शामिल हैं।

मनीष सिसोदिया 14 अगस्त को पदयात्रा कर लोगों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया 14 अगस्त को पदयात्रा निकाल कर दिल्ली के लोगों से मुखातिब होंगे। इसकी जानकारी देते हुए आप सांसद संदीप पाठक ने कहा कि सोमवार को विधायकों के साथ बैठक की जाएगी। मंगलवार को पार्षद मनीष सिसोदिया से मिलेंगे। 14 अगस्त को मनीष सिसोदिया पदयात्रा निकालकर दिल्ली के लोगों से मुलाकात करेंगे। पाठक ने कहा कि देश की जनता के सामने यह बात स्पष्ट हो गई है कि बीजेपी और नरेंद्र मोदी का एकमात्र एजेंडा है आप पार्टी को रोकना, बाधित करना और तोड़ना है। ऐसी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पार्टी मजबूत हुई है, अच्छा प्रदर्शन कर रही है और हर राज्य में आगे बढ़ रही है।

कोलकाता में डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या को लेकर एम्स दिल्ली भी हुआ फोर्डा की हड़ताल में शामिल

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली स्थित एम्स का रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) सोमवार सुबह फोर्डा की देशव्यापी हड़ताल में शामिल हो गया, जिससे ओपीडी और रोगी वार्ड सहित सभी गैर-जरूरी सेवाएं निलंबित कर दी गईं।

हालांकि एम्स आरडीए के महासचिव डॉ. रघुनंदन दीक्षित ने कहा कि आपातकालीन देखभाल सेवा जारी रहेगी, ताकि गंभीर रूप से बीमार मरीजों को परेशानी न हो और उन्हें उपचार मिल सके।

कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी के दौरान परास्नातक प्रशिक्षु डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या के विरोध में फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) ने हड़ताल का आह्वान किया था।

जहां कई सरकारी अस्पतालों ने रविवार को ही हड़ताल की घोषणा कर दी थी, वहीं एम्स दिल्ली ने आज सुबह करीब 11.30 बजे हड़ताल का ऐलान किया।

मौजूदा जांच की विश्वसनीयता पर चिंता जताते हुए रेजिडेंट डॉक्टरों ने मामले में पारदर्शी जांच की मांग की है तथा मामले को तत्काल सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किया है।

डॉ. दीक्षित ने कहा, ''हम यह भी चाहते हैं कि पीड़ित के शोक संतप्त परिवार को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। यह नृशंस घटना उस स्थान पर घटित हुई जहां लोगों की जान बचाई जाती है और उन्हें उपचार प्रदान किया जाता है। यह घटना सेवा प्रदान करने वाले लोगों के समक्ष मौजूद गंभीर खतरों की याद दिलाती है।''

दिल्ली एम्स के आरडीए ने एक बयान में कहा, '' इस जघन्य कृत्य पर हमारा दिल गहरे दुख और सदमे से भरा हुआ है। इतना समय बीतने के बावजूद, न्याय का पहिया धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। इस भयानक अपराध की जांच से अब तक कोई जवाब नहीं मिल पाया है, और दृढ़ता की कमी से हमारी निराशा और हताशा और बढ़ गई है।''

इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी के 10 सरकारी अस्पतालों ने सोमवार को फोर्डा के आह्वान पर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी, जिससे सभी गैर जरूरी सेवाएं ठप हो गईं।

द्वारकाधीश अपार्टमेंट के अंदर पेड़ गिरा, बड़ा हादसा टला

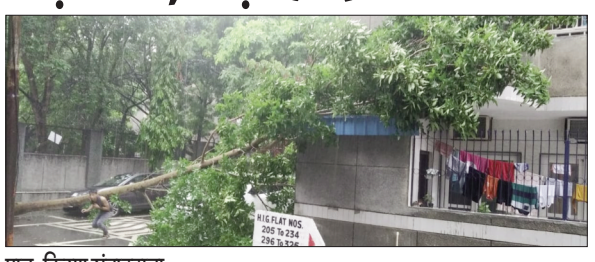

प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली के कई इलाकों में रविवार को घंटों बारिश हुई। उसी बारिश के कारण सेक्टर 12, पॉकेट 2 स्थित द्वारकाधीश अपार्टमेंट में एक पेड़ गिर गया। सोसायटी की प्रेसिडेंट अंजना सिन्हा ने बताया की यह बड़ा पेड़, काफी समय से झुका हुआ था, जो अचानक रविवार को दिन में गिर गया। पिछले एक साल से हौर्टी कल्चर विभाग को इस पेड़ के बारे में जानकारी दी जा रही थी। इसके अलावा एक महीने में कम से कम 4 से 5 बार रिमाइंडर भी भेजे गए थे कि यह पेड़ कभी भी गिर सकता है। लेकिन हौर्टीकल्चर विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। उनके कर्मचारियों ने कहा, ''गिर जाने दो, हम हटा देंगे, हमें काटने का आदेश नहीं है।''

जिस समय पेड़ गिरा आसपास कोई नही था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। इस घटना को लेकर लोगों का कहां है, की हौर्टी कल्चर विभाग और वन विभाग से यह निवेदन है, की वे समय-समय पर सोसाइटी का सर्वे करें और जो भी पेड़ खतरनाक स्थिति में हों, उन्हें किसी भी तरह छोटा करें या भारी प्रूनिंग करें। जिससे की अचानक पेड़ गिरे तो किसी की जान-माल को खतरा न हो। बताया जा रहा है, की द्वारका में कई जगह इसी तरह के पेड़ झुके हुए हैं। जो कभी भी, कहीं भी अचानक गिर सकते हैं।

घुटना और कूल्हे के दर्द से बचाने निःशुल्क जांच शिविर

प्रातः किरण संवाददाता

पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर थाना के पास घुटना और कूल्हे के दर्द का निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन रविवार को किया गया। भारी बारिश के बावजूद काफी संख्या में दिल्ली के अलग-अलग इलाके से लोग पहुंचे। लोगों ने इस जांच शिविर का लाभ उठाया। डॉ. समीर भाटी ने बताया की यह जांच शिविर सुबह 10 बजे शुरू होकर शाम 7:00 बजे तक चला। जिसमें काफी संख्या में बुजुर्ग महिलाएं भी पहुंची। और उन्होंने डॉक्टर से सलाह लिया।

चंडीगढ़ से आए ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के सीनियर डॉ. तरुणदीप सिंह गिल ने लोगों की निःशुल्क जांच के दौरान उन्हें जरूरी सुझाव दिए और आगे उन्हें क्या करना चाहिए क्या नहीं इसके बारे में उन्हें गाइड भी किया। खान पान, एक्सरसाइज, ओवर वेट को लेकर जागरूक किया। जांच शिविर में काफी संख्या में पहुंचे लोगों

ने घुटने और कूल्हे के दर्द का चेक करवाया और अपनी समस्या बताकर डॉक्टर से उचित सलाह लिया। डायरेक्टर डॉ. भाटी ने कहा की इस तरह के निशुल्क जांच शिविर से लोगों को काफी सुविधा मिलती है। लोग अपनी बीमारी को सीनियर डॉक्टर से मिलकर उससे बचने के लिए जानकारी लेते हैं और आगे क्या उपाय करना है इसकी सुझाव भी जानने के बाद सतर्कता बरतते हैं। यह ऐसी समस्या है, जो लोगों के दिमाग तक पर असर करने लगता है।

यमुना प्रदूषण: प्रदूषकों के बारे में आंकड़े जुटाने के लिए 32 ऑनलाइन निगरानी स्टेशन स्थापित होंगे

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। दिल्ली सरकार ने यमुना नदी और इसमें गिरने वाले विभिन्न खुले नालों के किनारे 32 ऑनलाइन निगरानी स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की है, ताकि इस नदी में गिरने वाले प्रदूषकों के बारे में वास्तविक समय के आंकड़े प्राप्त किए जा सकें। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को विभिन्न मापदंडों पर नालों और यमुना की ऑनलाइन निगरानी के लिए 32 जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली स्थापित करनी है। इन मापदंडों में जैविक ऑक्सीजन मांग, रासायनिक ऑक्सीजन मांग, कुल प्रसुप्त ठोस वस्तुएं, कुल नाइट्रोजन (नाइट्रेट और नाइट्राइट के रूप में), कुल फॉस्फोरस, अमोनिया आदि शामिल हैं।

ऑनलाइन निगरानी स्टेशनों (ओएलएमएस) को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नवीनतम दिशानिर्देशों और मानक संचालन प्रक्रियाओं के सटीक अनुपालन में सप्ताह के सातों दिन और चौबीसों घंटे डीपीसीसी के सर्वर पर निरंतर डेटा ट्रांसमिशन सुविधा के साथ वांछित डेटा की ऑनलाइन निगरानी करनी है।

डीपीसीसी के एक अधिकारी ने बताया कि इस साल के अंत तक कुल 32 ओएलएमएस स्थापित किए जाने की उम्मीद है, जिनमें से 14 स्टेशन यमुना नदी पर और 18 विभिन्न नालों पर होंगे। अधिकारी ने कहा, ''इससे नालों और नदी के निर्धारित स्थान पर पानी की गुणवत्ता पर वास्तविक समय का डेटा प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिसे नियंत्रण एवं निगरानी केंद्र में देखा जा सकता है। इससे स्थिति के बिगड़ने के स्थान और समय की आसानी से पहचान की जा सकती है।''

आधी रात स्कूटी पर रखकर ले जा रहा था शराब की पेटियां

प्रातः किरण संवाददाता

ख्याला थाना के रघुवीर नगर पुलिस चौकी की टीम ने अवैध शराब बेचने के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया है। इसके पास से सात कार्टून शराब बरामद किया गया और एक स्कूटी भी पुलिस टीम ने जप्त की है।

डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान गणेश कुमार गुप्ता के रूप में हुई है। यह कीर्ति नगर का रहने वाला है। हेड कांस्टेबल सुरेंद्र को इसके बारे में एक इनफार्मेशन मिली थी, की यह शराब तस्करी का काम करता है। उस सूचना पर चौकी इंचार्ज सुदीप पुनिया की देखरेख में पुलिस टीम ने जानकारी इकट्ठा की और फिर देर रात रघुवीर नगर रोड नंबर 29

से इसको दबोचा। जब यह पश्चिम विहार से घोड़े वाला मंदिर की तरफ स्कूटी से जा रहा था। उस स्कूटी पर सात कार्टून शराब की पेटी भरकर ले जा रहा था। पूछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया>

धोखाधड़ी मामला: अदालत ने पूजा खेडकर को 21 अगस्त तक गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा दी

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली उच्च न्यायालय ने धोखाधड़ी करने और अन्य पिछड़ा वर्ग व विकलांगता के आरक्षण का गलत तरीके से लाभ उठाने के आरोप में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की पूर्व परिवीक्षाधीन अधिकारी पूजा खेडकर को 21 अगस्त तक गिरफ्तारी से सोमवार को अंतरिम सुरक्षा दे दी।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका पर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के साथ ही दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया और उनसे जवाब देने को कहा।

न्यायमूर्ति प्रसाद ने कहा, ''मौजूदा मामलों में तथ्यों पर गौर करते हुए अदालत का यह मानना है कि याचिकाकर्ता को सुनवाई की अगली तारीख तक गिरफ्तार न किया जाए।''

अदालत ने मामले पर अगली सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तारीख तय की है। खेडकर पर आरक्षण का लाभ पाने के लिए यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, 2022 के लिए अपने आवेदन में 'गलत जानकारी प्रस्तुत करने' का आरोप लगाया गया है। यूपीएससी ने 31 जुलाई को खेडकर की उम्मीदवार रद्द कर दी थी और उन्हें भविष्य की परीक्षाओं में हिस्सा लेने से भी रोक दिया था।

अदालत ने केजरीवाल, पाठक पर मुकदमा चलाने की मंजूरी लेने के लिए सीबीआई को 15 दिन का समय दिया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) विधायक दुर्गेश पाठक पर मुकदमा चलाने के खातिर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए सोमवार को 15 दिन का समय दिया। सीबीआई मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को जांच एजेंसी ने बताया कि उन्हें संबंधित अधिकारियों से अभी तक मंजूरी नहीं मिली है, जिसके बाद न्यायाधीश ने केंद्रीय एजेंसी को आवश्यक मंजूरी हासिल करने के लिए 27 अगस्त तक का समय दिया। इससे पहले सीबीआई ने इस मामले में उनकी जांच की मंजूरी हासिल कर ली थी।

उत्तरी दिल्ली की झील में डूबने से 11 वर्षीय लड़के की मौत

नयी दिल्ली, (भाषा) उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में शक्ति सरोवर झील में अपने तीन दोस्तों के साथ नहाते समय 11 वर्षीय एक लड़का डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बुराड़ी पुलिस थाने के अधिकारियों को एक नाबालिग के डूबने की सूचना मिली, जिसके बाद एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''पुलिस को पता चला कि 11 से 12 वर्ष की आयु के चार लड़के शक्ति सरोवर झील में नहाने गए थे।''

उन्होंने बताया कि उनमें से दो डूबने लगे, जबकि दो अन्य बाहर निकलने में सफल रहे।

अधिकारी ने बताया कि बाहर निकलकर आए दो लड़कों ने शोर

मचाया जिसके बाद स्थानीय लोगों ने दो अन्य लड़कों को पानी से बाहर निकाला।

उन्होंने बताया कि उनमें से एक को बुराड़ी अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि बाद में अपराध शाखा की टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और नमूने एकत्र किए।

उन्होंने बताया कि उप जिलाधिकारी को सूचित कर दिया गया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मनीष सिसोदिया ने की चांदनी चौक के एक मंदिर में पूजा-अर्चना

नयी दिल्ली, (भाषा) आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने श्रावण माह के सोमवार के पावन मौके पर चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि उनके मन में किसी के प्रति कोई द्वेष नहीं है।

कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामले में उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने के बाद बीते शुक्रवार को तिहाड़ जेल से बाहर आए सिसोदिया भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए सोमवार सुबह गौरी शंकर मंदिर पहुंचे। सिसोदिया ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''भगवान शिव प्रेम का प्रतीक हैं। जिनके हृदय में भगवान शिव का वास है, उनके हृदय में दूसरों के प्रति द्वेष भाव नहीं हो सकता। मैंने आशीर्वाद मांगा कि मुझे भी कण-कण में भगवान शिव ही दिखाई देते रहें।''

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण के सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री जोगिन्द्र गर्ग सुपुत्र स्व. रामेश्वर दास गर्ग एवं श्रीमती संतोष गर्ग पत्नी श्री जोगिन्द्र गर्ग पता मकान न. 27/108/ए-4, स्कूल वाली गली, ज्वला नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032 के निवासी हैं। मेरे मुवक्किलों की दो बेटियां व एक बेटा जिनमें से एक बेटी व एक बेटा शादीशुदा हैं और छोटी बेटी अभी कुंवारी है। मई 2023 में मेरे मुवक्किलों के बेटे मोहित गर्ग का विवाह ज्योति मित्तल नामक लड़की से हुआ था जो कि मेरे मुवक्किलों के उक्त मकान की दूसरी मंजिल पर ज्योति मित्तल के दहेज का सामान व गहनें आदि लेकर अलग रह रहते हैं। जो कि मेरे मुवक्किलों की सेवा-सत्कार नहीं करते हैं और उन्हें खाना-पीना भी नहीं देते हैं। मेरे मुवक्किलों पर भारी कर्ज होने के कारण उन्होंने जून 2024 में अपना 90 गज का पुराना मकान न. 27/109/ए-4, स्कूल वाली गली, ज्वला नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032 बेच कर उपरोक्त नया मकान खरीदा था। तभी से ज्योति मित्तल मेरे मुवक्किलों के नये मकान को अपने नाम करवाने के लिए उन पर अनुचित दबाव देकर धमकी देती आ रही है कि या तो नया मकान मेरे नाम में करो वरना मैं आत्महत्या करके या तुम पर दहेज मांगने व प्रताड़ित करने का आरोप लगा कर तुम्हें, तुम्हरी बेटियों व दामाद को फंसवा दूंगी और तुम्हारी छोटी बेटी पर गंदे आरोप लगा कर उसकी शादी भी नहीं होने दूंगी। ज्योति मित्तल वर्तमान में गर्भवती है और वह अपने गर्भ को गिरा कर मेरे मुवक्किलों को फंसवाने की धमकी देती है और उसके माता-पिता व भाई भी उसे मेरे मुवक्किलों के विरूद्ध उकसाते व भड़काते हैं और मोहित गर्ग भी ज्योति मित्तल का पक्ष लेता है और उसे कुछ भी नहीं कहता है। मेरे मुवक्किलों को डर है कि उनके मकान को अपने नाम कराने का दबाव बनाने के लिए ज्योति मित्तल मेरे मुवक्किलों, उनकी बेटियों व दामाद पर झूठे आरोप लगा कर व आत्महत्या करके तथा अपना गर्भपात करके उन्हें फर्जी केस में फंसवा सकती है और उनकी छोटी बेटी की शादी में बाधा डाल सकती है इसलिए मेरे मुवक्किलों ने मोहित गर्ग व ज्योति मित्तल से अपने सभी सम्बंध विच्छेद करके उन्हें अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। कोई भी व्यक्ति मोहित गर्ग व ज्योति मित्तल से अपनी ही जिम्मेदारी पर ही आहार-व्यवहार व लेन-देन करे।

संजीव कुमार सरन, अधिवक्ता, दिल्ली उच्च न्यायालय, दिल्ली

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, मंगलवार, 13 अगस्त, 2024

दिल्ली आबकारी नीति मामला: न्यायालय ने कविता की जमानत अर्जियों पर सीबीआई, ईडी से जवाब मांगा

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली की आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में बीआरएस नेता के. कविता की जमानत अर्जियों पर सोमवार को सीबीआई और ईडी से जवाब मांगा।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने उक्त मामलों में कविता को जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के एक जुलाई के फैसले के खिलाफ बीआरएस नेता की याचिकाओं को सुनने पर सहमति जता दी।

कविता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने पीठ से कहा कि वह करीब पांच महीने से हिरासत में हैं और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) तथा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आरोप पत्र तथा अभियोजन शिकायत दाखिल कर चुके हैं।

अभियोजन शिकायत ईडी के लिए उसी तरह है जिस तरह आरोप पत्र होता है।

रोहतगी ने कहा कि इन दोनों मामलों में करीब 500 गवाह थे। रोहतगी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया की याचिकाओं पर

उच्चतम न्यायालय के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि कविता को जमानत का अधिकार है।

शीर्ष अदालत ने कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी थी। सिसोदिया को कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धन शोधन दोनों मामलों में जमानत दी गई।

रोहतगी ने कहा कि कविता का मामला शीर्ष अदालत के इन आदेशों के दायरे में आता है।

पीठ ने कहा, 'हम नोटिस जारी करेंगे।'

रोहतगी ने कहा, ''क्या मैं अंतरिम जमानत के लिए प्रार्थना कर सकता हूं।''

पीठ ने कहा, ''उनका (सीबीआई और ईडी का) पक्ष सुने बिना नहीं।'' तब पीठ ने सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किए और कविता की याचिकाओं पर उनके जवाब मांगे। इसके बाद पीठ ने अगली सुनवाई के लिए 20 अगस्त की तारीख तय की।

उच्च न्यायालय ने एक जुलाई को दोनों मामलों में कविता की जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए कहा था कि वह प्रथम दृष्टया दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 (जो अब रद्द की जा चुकी है) को तैयार करने और लागू करने से संबंधित आपराधिक साजिश में मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक हैं।

मामला नीति को बनाने और लागू करने में कथित भ्रष्टाचार और धनशोधन से संबंधित है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कविता (46) को 15 मार्च को हैदराबाद में उनके बंजारा हिल्स स्थित घर से गिरफ्तार किया था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में 11 अप्रैल को उन्हें गिरफ्तार किया था।

कविता इन आरोपों को लगातार खारिज कर रही हैं।

बाहरी दिल्ली में जींस बनाने की फैक्टरी में लगी आग

नयी दिल्ली, (भाषा) बाहरी दिल्ली के बादली औद्योगिक क्षेत्र में जींस बनाने की एक फैक्टरी में सोमवार की सुबह आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने के संबंध में सुबह सात बजे फोन से सूचना मिली जिसके बाद 15 दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया।

अधिकारी ने बताया कि तीन मंजिला इमारत के भूतल पर लगी आग पर पांच घंटे की मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया।

उन्होंने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन कपड़े और 'फर्नीचर' समेत कई सामान आग में जल गए। उन्होंने बताया कि शीतलन कार्य किया गया।

अधिकारी ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

यमुना प्रदूषण: प्रदूषकों के बारे में आंकड़े जुटाने के लिए 32 ऑनलाइन निगरानी स्टेशन स्थापित होंगे

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली सरकार ने यमुना नदी और इसमें गिरने वाले विभिन्न खुले नालों के किनारे 32 ऑनलाइन निगरानी स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की है, ताकि इस नदी में गिरने वाले प्रदूषकों के बारे में वास्तविक समय के आंकड़े प्राप्त किए जा सकें। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को विभिन्न मापदंडों पर नालों और यमुना की ऑनलाइन निगरानी के लिए 32 जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली स्थापित करनी है। इन मापदंडों में जैविक ऑक्सीजन मांग, रासायनिक ऑक्सीजन मांग, कुल प्रसुप्त ठोस वस्तुएं, कुल नाइट्रोजन (नाइट्रेट और नाइट्राइट के रूप में), कुल फॉस्फोरस, अमोनिया आदि शामिल हैं।

ऑनलाइन निगरानी स्टेशनों (ओएलएमएस) को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नवीनतम

दिशानिर्देशों और मानक संचालन प्रक्रियाओं के सटीक अनुपालन में सप्ताह के सातों दिन और चौबीसों घंटे डीपीसीसी के सर्वर पर निरंतर डेटा ट्रांसमिशन सुविधा के साथ वांछित डेटा की ऑनलाइन निगरानी करनी है।

डीपीसीसी के एक अधिकारी ने बताया कि इस साल के अंत तक कुल 32 ओएलएमएस स्थापित किए जाने की उम्मीद है, जिनमें से 14 स्टेशन यमुना नदी पर और 18 विभिन्न नालों पर होंगे। अधिकारी ने कहा, ''इससे नालों और नदी के निर्धारित स्थान पर पानी की गुणवत्ता पर वास्तविक समय का डेटा प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिसे नियंत्रण एवं निगरानी केंद्र में देखा जा सकता है। इससे स्थिति के बिगड़ने के स्थान और समय की आसानी से पहचान की जा सकती है।'

ओएमएलएस के प्रस्तावित स्थानों में पल्ला, आईएसबीटी पुल, आईटीओ पुल, निजामुद्दीन पुल, ओखला बैराज, नजफगढ़ नाला, मेटकाफ हाउस नाला, खैबर पास नाला, स्वीपर कॉलोनी नाला आदि शामिल हैं। दिल्ली में प्रतिदिन 79.20 करोड़ गैलन सीवेज निकलता है। राजधानी में 37 मलजल प्रक्रिया संयंत्र (एसटीपी) की संयुक्त क्षमता प्रतिदिन 66.70 करोड़ गैलन की है।

सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली में वजीराबाद और ओखला के बीच यमुना का 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा, इसके 80 प्रतिशत प्रदूषण के लिए जिम्मदार है। बाईस किलोमीटर का यह हिस्सा यमुना नदी की कुल लंबाई का दो प्रतिशत से भी कम है।

अदालत ने तीन लोगों के खिलाफ दर्ज छेड़छाड़ की प्राथमिकी रद्द की, 150 पौधे लगाने का निर्देश दिया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महिला रिश्तेदार से छेड़छाड़ और उसे चोट पहुंचाने के आरोपी एक व्यक्ति और उसके दो बेटों के खिलाफ प्राथमिकी यह कहते हुए रद्द कर दी कि परिवारों ने आपसी सहमति से विवाद हल कर लिया है। अदालत ने प्रत्येक आरोपी को नीम के 50 पौधे लगाने का निर्देश भी दिया है।

अदालत ने पक्षकारों से बातचीत करने के बाद कहा कि उन्होंने पुष्टि की है कि मामलों को बिना किसी धमकी, दबाव या जबरदस्ती के, आपसी सहमति से सुलझा लिया गया और उन्हें प्राथमिकी रद्द किए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है। उनके बीच विवाद पारिवारिक मुद्दों को लेकर शुरू हुआ था। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदिरत्ता ने कहा, ''तथ्यों और परिस्थितियों पर गौर करते हुए याचिकाकर्ताओं पर जुर्माना लगाने के बजाए उन्हें सक्षम प्राधिकरण से संपर्क करने के बाद छावला पुलिस थाना क्षेत्र में तीन फुट की ऊंचाई तक के नीम के 50-50 पौधे लगाने का

निर्देश दिया जाता है।' उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के निर्देशों का अनुपालन न करने पर याचिकाकर्ता पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

उच्च न्यायालय आरोपी और उसके दो बेटों के खिलाफ प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध करने वाली उनकी याचिका पर सुनवाई कर रहा था। यह प्राथमिकी 2015 में छेड़छाड़, चोट पहुंचाने और चोरी समेत विभिन्न कथित अपराधों के लिए दर्ज की गयी थी।

शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया था कि उक्त व्यक्ति और उसके दो बेटों ने उसके पति तथा एक रिश्तेदार से मारपीट की और उसकी गरिमा भंग कर उससे भी दुर्व्यवहार किया था। महिला और आरोपी आपस में रिश्तेदार हैं।

याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि उनके बीच पारिवारिक मुद्दों को लेकर विवाद पैदा हुआ जिसे मध्यस्थता के जरिए सुलझा लिया गया और याचिकाकर्ताओं में से एक की पत्नी ने भी शिकायतकर्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है जिसे उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया है। प्राथमिकी रद्द करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि दोनों पक्ष अदालती कार्यवाही को बंद करना चाहते हैं और समझौता उनके बीच सद्भाव को बढ़ावा देगा तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने में मदद करेगा।

'पदोन्नति में देरी' को लेकर जेएनयू शिक्षक संघ 24 घंटे की भूख हड़ताल पर

नयी दिल्ली, (भाषा) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (जेएनयूटीए) के सदस्यों ने पदोन्नति में कथित देरी के विरोध में सोमवार को जेएनयू परिसर में 24 घंटे की भूख हड़ताल शुरू की।

भूख हड़ताल और पदोन्नति में देरी के आरोप पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री डी पंडित ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

जेएनयूटीए से जुड़े विभिन्न विभागों के एक दर्जन से अधिक प्रोफेसर 'स्कूल ऑफ लैंग्वेज' के मैदान में धरने पर बैठे।

धरना स्थल पर पोस्टर लगाए गए, जिन पर ''पदोन्नति कड़ी मेहनत से मिलती है'' और ''पदोन्नति का इंतजार'' जैसे नारे लिखे थे।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की 'करियर प्रोन्नयन योजना' (सीएएस) के तहत पदोन्नति चुनिंदा तरीके से दी गई और 2016 से कई

भविष्य में बदलाव: हिमटेक्स, आईपीईसी और इको सस्टेन एक्सपो हैदराबाद की विनिर्माण क्रांति को प्रज्वलित करने के लिए तैयार हैं

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली : हैदराबाद उद्योग नवाचार और स्थिरता के एक ऐतिहासिक अभिसरण के लिए तैयारी कर रहा है। 16 से 19 अगस्त, 2024 तक, HITEX प्रदर्शनी केंद्र हैदराबाद इंटरनेशनल मशीन टूल एंड इंजीनियरिंग एक्सपो (HIMTEX) के 8वें संस्करण, इंडिया प्रोसेस एक्सपो एंड कॉन्फ्रेंस (IPEC) के तीसरे संस्करण और उद्घाटन इको सस्टेन एक्सपो की मेजबानी करेगा। .HIMTEX 2024 में 300 से अधिक प्रदर्शक मशीन टूल्स, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और औद्योगिक इंजीनियरिंग में अत्याधुनिक प्रगति प्रस्तुत करेंगे। उपस्थित लोग विनिर्माण के भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए तैयार प्रौद्योगिकियों और समाधानों के व्यापक स्पेक्ट्रम का पता लगाएंगे।

HITEX के बिजनेस हेड श्री श्रीकांत टी जी ने अपना उत्साह व्यक्त कियाः ''जैसे-जैसे कार्यक्रम की तारीखें नजदीक आ रही हैं,

उत्साह तीव्र होता जा रहा है। HIMTEX, IPEC और इको सस्टेन एक्सपो विनिर्माण क्षेत्र के लिए नवीनतम तकनीकी और टिकाऊ समाधानों की खोज के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेंगे।आईपीईसी प्रक्रिया उद्योगों में नवाचारों पर प्रकाश डालेगा, जबकि इको सस्टेन एक्सपो टिकाऊ प्रौद्योगिकियों पर मजबूत फोकस के साथ शुरू होगा।HIMTEX 2024 के परियोजना प्रमुख श्री विनोथ शशिधरन ने इन आयोजनों को सह-स्थान पर रखने के लाभों पर प्रकाश डालाः ''HIMTEX, IPEC और इको सस्टेन एक्सपो के बीच तालमेल दक्षता, उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ाएगा। उपस्थित लोग बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त करेंगे और महत्वपूर्ण साझेदारियाँ बनाएंगे।''

आयोजनों में उभरते रुझानों और पेशेवर विकास के अवसरों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए सेमिनारों और नेटवर्किंग सत्रों की एक श्रृंखला भी शामिल होगी। बिजनेस मैचमेकिंग सत्र प्रदर्शकों और आगंतुकों के बीच सार्थक बातचीत की सुविधा प्रदान करेगा।HIMTEX 2024 के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया www.imtex.in पर जाएं। HIMTEX के बारे मेंः हैदराबाद इंटरनेशनल मशीन टूल एंड इंजीनियरिंग एक्सपो (HIMTEX) एक वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम है जो मशीन टूल्स और औद्योगिक मशीनरी में प्रगति को प्रदर्शित करता है, इस क्षेत्र में नवाचार और विकास को बढ़ावा देता है।HIMTEX, IPEC और इको सस्टेन एक्सपो 2024 में एक अविस्मरणीय अनुभव के लिए हमसे जुड़ें, जहां उद्योग मानकों को फिर से परिभाषित किया जाएगा और विनिर्माण का भविष्य आकार लेगा।

बीएनएस में आईपीसी की धारा 377 के समान प्रावधान को हटाने के खिलाफ याचिका पर आज सुनवाई

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली उच्च न्यायालय ने नए दंड कानून 'भारतीय न्याय संहिता' (बीएनएस) में 'अप्राकृतिक यौनाचार' और 'दुराचार' के अपराध के लिए सजा से संबंधित किसी भी प्रावधान को बाहर करने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार को सहमति जताई।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए याचिका का उल्लेख किया गया। पीठ ने कहा कि इस पर मंगलवार को सुनवाई की जाएगी।

वकील ने कहा कि बीएनएस में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 377 के समतुल्य किसी भी प्रावधान को बाहर किया गया है, जिसके कारण हर व्यक्ति, विशेषकर

एलजीबीटीक्यू समुदाय प्रभावित होगा।

आईपीसी की धारा 377 में दो वयस्कों के बीच बिना सहमति के अप्राकृतिक यौनाचार और नाबालिगों के खिलाफ यौन गतिविधियों के मामलों में दंड का प्रावधान है।

आईपीसी की जगह बीएनएस एक जुलाई, 2024 से प्रभाव में आया है।

दिल्ली के शाहदरा में क्लब के बाहर गोलीबारी

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली में शाहदरा के जीटीबी एन्क्लेव इलाके में एक क्लब के बाहर दो हथियारबंद हमलावरों ने गोलीबारी की। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी शनिवार रात मोटरसाइकल पर आए और हवा में करीब छह गोलियां चलाईं।

अधिकारी ने बताया कि क्लब के मालिक ने किसी प्रकार की जबरन वसूली या धमकी की शिकायत नहीं की है, लेकिन इस गोलीबारी के पीछे ट्रांस-यमुना क्षेत्र में सक्रिय गिरोहों का हाथ होने का संदेह है।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हत्या के प्रयास की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कुछ संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और हमारी टीमें इस पर काम कर रही हैं।

अदालत ने केजरीवाल, पाठक पर मुकदमा चलाने की मंजूरी लेने के लिए सीबीआई को 15 दिन का समय दिया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) विधायक दुर्गेश पाठक पर मुकदमा चलाने के खातिर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए सोमवार को 15 दिन का समय दिया।

सीबीआई मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को जांच एजेंसी ने बताया कि उन्हें संबंधित अधिकारियों से अभी तक मंजूरी नहीं मिली है, जिसके बाद न्यायाधीश ने केंद्रीय एजेंसी को आवश्यक मंजूरी हासिल करने के लिए 27 अगस्त तक का समय दिया।

इससे पहले सीबीआई ने इस मामले में उनकी जांच की मंजूरी

हासिल कर ली थी।

आम आदमी पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति के वरिष्ठ सदस्य पाठक को केजरीवाल का बेहद करीबी माना जाता है।

न्यायाधीश ने आठ अगस्त को मामले में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 अगस्त तक बढ़ा दी थी।

अशोका रोड पर एक तरफ का मार्ग 10 सितंबर तक यातायात के लिए बंद रहेगा

नयी दिल्ली, (भाषा) सीवर लाइन की मरम्मत के कारण अशोका रोड पर एक तरफ का मार्ग 10 सितंबर तक वाहनों की आवाजाही के लिए बंद रहेगा। दिल्ली यातायात पुलिस ने एक परामर्श में यह जानकारी दी।

परामर्श में कहा गया है कि नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा सीवर लाइन की मरम्मत कार्य के कारण जसवंत सिह चौराहे से विंडसर प्लेस चौराहे तक अशोका रोड का एक तरफ का मार्ग 12 अगस्त से 10 सितंबर के बीच वाहनों की आवाजाही के लिए बंद रहेगा। इसमें कहा गया है कि विंडसर प्लेस से जसवंत सिंह चौराहे तक अशोका रोड के दूसरे तरफ के मार्ग पर वाहनों की आवाजाही जारी रहेगी। परामर्श के मुताबिक, सी-हेक्सागन इंडिया गेट से विंडसर प्लेस की ओर जाने वाले लोगों को कस्तूरबा गांधी मार्ग का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है।

दिल्ली में सुबह बारिश के बाद 'येलो' चेतावनी

नयी दिल्ली, (भाषा) राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में बारिश होने के बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 'येलो' चेतावनी जारी की है।

विभाग ने कहा कि मध्य, दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम और पूर्वी दिल्ली में सुबह बारिश हुई। दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 100 प्रतिशत रहा। आईएमडी ने बताया कि अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 53 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

दक्षिण दिल्ली में मंदिर के पास अस्थायी आश्रयों को हटाने के प्रयास की पुलिस जांच शुरू

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर सामने आए उस वीडियो की जांच शुरु कर दी है जिसमें जिसमें कुछ लोग उत्तर-पश्चिम मोतीबाग फेज-1 इलाके में एक मंदिर के पास अस्थायी आश्रयों को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

एक बयान में कहा गया कि मंदिर, स्थानीय निवासी कल्याण संघ (आरडब्ल्यूए) और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के बीच मंदिर से सटे एक भूखंड को लेकर विवाद है। पुलिस ने कहा, ''कल दोपहर करीब पौने तीन बजे साउथ कैंपस पुलिस थाने में इस संबंध में एक संविदा कर्मचारी दयाराम की एक कॉल आई जिसमें बताया गया कि हिंदू संगठनों के कुछ लोगों ने झुग्गियों में रहने वाले लोगों

को जगह खाली करने की धमकी दी।'' बयान के अनुसार झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोग सीपीडब्ल्यूडी के कामगार हैं जो इसके फ्लैट में नियमित रखरखाव का काम करते हैं और वे सभी समुदायों से हैं। बयान में कहा गया, ''सभी पक्षों को तुरंत पुलिस थाने ले जाया गया। विस्थापित प्रभावित लोगों को वर्तमान स्थान से लगभग 800 मीटर दूर बारातघर बेगम जैदी के पास एक वैकल्पिक स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।''

एनएनएस (सुक्रालोज़) छोटी खुराक में इस्तेमाल करने के लिए पूरी तरह सुरक्षित है

प्रातः किरण संवाददाता

भारत, मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन (एमडीआरएफ) ने हाल ही में टाइप 2 डायबिटीज (टी2डी) से पीड़ित वयस्कों के बीच कार्डियो मेटाबॉलिक जोखिम कारकों पर सुक्रालोज़ के प्रभाव को लेकर भारत का पहला अध्ययन प्रकाशित किया है। एमडीआरएफ एक गैर-लाभकारी संगठन और डायबिटीज व इसकी जटिलताओं के लिए एक प्रमुख चिकित्सा अनुसंधान संस्थान है। इस अध्ययन का मकसद एशियाई भारतीयों में कॉफी या चाय में टेबल शुगर (सुक्रोज़) को आर्टिफिशियल स्वीटनर सुक्रालोज़ से बदलने के प्रभाव का पता लगाना है। इसके लिए आरसीटी (रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल) में 179 भारतीयों की 12 सप्ताह के लिए टी2डी की जांच की गई। निष्कर्षों से पता चलता है कि कॉफी और चाय जैसे दैनिक पेय पदार्थों में सुक्रालोज़ की थोड़ी मात्रा ग्लूकोज या एचबीए1सी जैसे ग्लाइसेमिक मार्कर्स पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं डालती है।

दूसरी ओर, अध्ययन में शरीर के वजन (बीडब्ल्यू), कमर की परिधि (डब्ल्यूसी), और बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) में मामूली सुधार दिखाया गया है।कई अध्ययनों ने विभिन्न संदर्भों में एनएनएस के प्रभाव की जांच की है, लेकिन चाय या कॉफी जैसे दैनिक पेय पदार्थों में एनएनएस के प्रभावों पर बहुत कम डेटा उपलब्ध है। यह

- शरीर के वजन, बॉडी मास इंडेक्स और कमर की मोटाई में मामूली कमी देखने को मिली
- ग्लाइसेमिक मार्कर्स पर नॉन-न्यूट्रीटिव स्वीटनर (एनएनएस)- सुक्रालोज़ का कोई प्रतिकूल प्रभाव नजर नहीं आया

अध्ययन इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारत में डायबिटीज से पीड़ित कई लोग अपनी कॉफी और चाय में अतिरिक्त चीनी का उपयोग करते हैं, जिससे ये पेय पदार्थ चीनी सेवन का एक संभावित दैनिक स्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा, भारत की कुल कार्बोहाइड्रेट खपत बहुत अधिक है, यानी यहां विशेष रूप से सफेद चावल या परिष्कृत गेहूं काफी खाया जाता है जिससे टी2डी का जोखिम बढ़ जाता है।यह स्टडी ऐसे समय में सामने आई है, जब डब्ल्यूएचओ ने शरीर के वजन को नियंत्रित करने के लिए एनएनएस का उपयोग करने के प्रति आगाह करते हुए स्पष्ट रूप से कहा था कि ये दिशानिर्देश मुख्य रूप से उन लोगों के लिए थे जिन्हें डायबिटीज नहीं थी। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी ने स्वास्थ्य देखभाल हितधारकों और जनता और यहां तक कि टी2डी वाले लोगों के बीच एनएनएस के उपयोग को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।आरसीटी के एक भाग के रूप में, प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित किया गया था: हस्तक्षेप और नियंत्रण। हस्तक्षेप समूह में, कॉफी या चाय में अतिरिक्त चीनी को सुक्रालोज़ आधारित टेबलटॉप स्वीटनर के साथ रिप्लेस किया गया था, जबकि नियंत्रण समूह में, प्रतिभागियों ने पहले की तरह सुक्रोज का उपयोग जारी रखा। इस दौरान लाइफस्टाइल और दवाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया। 12-सप्ताह के अध्ययन के अंत में, शोधकर्ताओं ने हस्तक्षेप और नियंत्रण समूहों के बीच एचबीए1सी स्तरों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं पाया। हालांकि, बीएमआई, डब्ल्यूसी और औसत शरीर के वजन में अनुकूल बदलाव देखे गए। हस्तक्षेप वाले समूह में औसत वजन में कमी 0.3 किलोग्राम थी, वहीं बीएमआई में -0.1 किलोग्राम/वर्ग मीटर की कमी हुई, और डब्ल्यूसी में -0.9 सेमी की कमी दर्ज की गई।अध्ययन का नेतृत्व करने वाले एमडीआरएफ के चेयरमैन व वरिष्ठ मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. वी. मोहन ने कहा, ''यह अध्ययन भारत के लिए बहुत प्रासंगिक है क्योंकि भारतीयों की आहार संबंधी आदतें दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में काफी भिन्न हैं। आमतौर पर, भारत में एनएनएस का उपयोग चाय या कॉफी जैसे दैनिक पेय पदार्थों में शुगर की जगह किया जाता है। इससे कैलोरी, चीनी का सेवन कम करने और आहार अनुपालन बढ़ाने में मदद मिल सकती है। चाय और कॉफी जैसे दैनिक पेय पदार्थों में स्वीकृत एडीआई (स्वीकार्य दैनिक सेवन) के भीतर सुक्रालोज़ जैसे एनएनएस का सूझबूझ के साथ किया गया इस्तेमाल सुरक्षित प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि सुक्रालोज़ की सुरक्षा और प्रभावकारिता पर अधिक अध्ययन चल रहे हैं।''डब्ल्यूएचओ की चेतावनी मुख्य रूप से उन लोगों के लिए थी जो मधुमेह से पीड़ित नहीं है और वजन कम करने की कोशिश के लिए डाइट कोला और डेज़र्ट आदि में बड़ी मात्रा में एनएनएस का सेवन करते हैं।अध्ययन की फंडिंग एम/एस जाइडस वेलनेस द्वारा की गई थी, जिसने अध्ययन में उपयोग के लिए सुक्रालोज़ युक्त तीन अलग-अलग प्रारूपों (गोली, तरल और पाउडर) में टेबलटॉप स्वीटनर मुहैया कराया था। हालांकि प्रायोजकों की अध्ययन के संचालन या डेटा विश्लेषण में कोई भूमिका नहीं थी।

संक्षिप्त खबरें

परिभ्रमण से बच्चों में होता है मानसिक विकासः प्राचार्य

जमुई/चकाई बिहार दर्शन के तहत परिभ्रमण के लिये चकाई प्रखंड अंतर्गत प्लस टू उच्च विद्यालय नावाडीह सिल्फरी के छात्र छात्राओं को बांका के मंदार हिल के लिये प्राचार्य किसलय प्रसाद के नेतृत्व में शनिवार को ले जाया गया। प्राचार्य किसलय प्रसाद ने बताया की छात्र- छात्राओं क परिभ्रमण पर जाने से बच्चों में बौद्धिक विकास बढ़ता है एवं कुछ नया सीखने का मौका मिलता है जिससे सरकार का यह योजना छात्र छात्राओं के लिये वरदान साबित हो रहा है। समय-समय पर बच्चों को भ्रमण पर ले जाने से उनका मानसिक विकास होता है। सरकार की यह योजना बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है। भ्रमण में जाने वाले शिक्षकों में विद्यालय के प्रभारी के साथ श्रीमती ममता भारती, श्रीमती सरोजिनी कुमारी, श्री कौशल कुमार, असित कुमार महतो, मिथिलेश कुमार पांडेय, पुस्तकालय अध्यक्ष मणिकांत कुमार, आधार केंद्र के कर्मी गौतम कुमार वर्मा, जीवेश कुमार पांडेय आदि परिभ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ गाइड के रूप में मौजूद थे।

सुंदरबाद गांव के तालाब में डूबकर 10 वर्षीय बच्चे की मौत

जमुई/ई0अलीगंजः- प्रखंड के पुरसण्डा पंचायत के सुन्दरबाद गावं में सोमवार को एक परिवार पर उस वक्त दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जब उनके घर का एक चिराग बुझ गया। दरअसल सिकंदरा थाना क्षेत्र के सुंदरबाद गांव में एक 10 वर्षीय बच्चे की तालाब में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई।. बच्चे की पहचान सुंदरबाद गांव निवासी रामबालक यादव के 10 वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार के रूप में की गई।. घटना की सूचना मिलते ही आनन फानन मे गावं के लोगों के द्वारा बच्चे को अलीगंज पीएचसी लाया गया जहाँ डॉक्टरों ने जांचोपरांत बच्चे को मृत घोषित कर दिया। वहीं इस घटना की सुचना पाकर सिकंदरा पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए जमुई भेज दिया गया। वहीं मृतक बच्चे का परिजनों का रो रो कर बुराहाल हो गया है और गावं में भी मातम का माहौल है।

सेविकाओं को दिया एकदिवसीय प्रशिक्षण

जमुई [झाझा] ममता हेल्थ इंस्टीटयूट फॉर मदर एंड चाइल्ड जमुई के द्वारा प्रखंड के बाल विकास परियोजना के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं पयवेक्ष के अध्यक्षता में कानन ,बैजला , करहारा एवं बोड़वा पंचायत के आंगनवाड़ी सेविका को संवाद, कौशल समस्या , समाधान , तनाव समय प्रबंधन एवं टीम निमार्ण नेतृत्व और वित्तीय साक्षरता आदि निम्नलिखित बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक ममता संस्थान के टीम के द्वारा दिया गया।

सरैया गांव में फैला डायरिया का प्रकोप, सात मरीज संक्रमित

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड क्षेत्र के पैरगाहा पँचायत के सरैया गांव में डायरिया का कहर फैल गया है। सोमवार को गांव में डायरिया के सात मरीज चिन्हित किए गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है । वही डायरिया के कहर के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ चुकी है। अस्पताल में भर्ती सभी मरीज का चिकित्सक डॉक्टर नवाब के द्वारा इलाज किया जा रहा है। संक्रमित मरीज की पहचान प्रखंड क्षेत्र के सरैया के रहने वाले डुग्गू मुर्मू के 16 वर्षीय पुत्री संगीता कुमारी, थेमका मुर्मू का 12 वर्षीय पुत्री फुलमनी कुमारी, चारु मुर्मू के 7 वर्षीय पुत्री गीता मुर्मु, थेमका मुर्मू के 45 वर्षीय पत्नी फुलिया देवी,थेमका मुर्मु उम्र 46 वर्ष, नेपाली मुर्मू के 20 वर्षीय पुत्री मंजली कुमारी, धकरा मुर्मु के 46 वर्षीय पत्नी गोरी देवी के रूप में हुई है।जिसमे थेमका मुर्मु व गोरी देवी की हालत नाजुक होने की वजह से उसे जमुई रेफर किया गया है। परेशान है ग्रामीण, हर घर से मिल रहे मरीज गांव की हालत देखकर अब ग्रामीण परेशान हैं इस गांव में अब डायरिया एक महामारी का रूप लेते जा रही है मामलों में अचानक वृद्धि हुई है गांव में डायरिया संक्रमित मरीजों में और भी इजाफा होगा। वर्तमान में सात लोग इस बीमारी से पीड़ित है। डायरिया की शुरूआत आमतौर पर उल्टी, दस्त,पेट दर्द और बुखार के साथ होती है। यदि तुरंत इलाज नहीं किया जाए तो यह बीमारी गंभीर रूप ले सकती है। इसमें निर्जलीकरण, कमजोरी और कभी-कभी मौत भी हो सकती है। गांव में कैंप लगाकर चिकित्सक कर रहे मरीजों का इलाज स्वास्थ्य प्रबंधक सुभाष चंद्र ने बताया कि डायरिया का संक्रमण बढ़ने के बाद स्वास्थ्य विभाग उक्त गांव में कैंप लगाकर मरीजो का जांच कर रही है। कैंप में सीएचो, आयु चिकित्सक व अन्य स्वास्थ्य कर्मी को लगाया गया है। लक्षण दिखते ही करें खुद का बचावः चिकित्सक चिकित्सक डॉ० नवाब ने बताया कि दरिया के इलाज और बचाव के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपाय हैं। उन्होंने सलाह दी है कि हर व्यक्ति को उचित हाइजीन का ध्यान रखना चाहिए. पानी को हमेशा उबालकर या छान कर ही पीना चाहिए । गंदगी और कचरे से दूर रहना और हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना भी बेहद जरूरी है । आगे उन्होंने कहा कि अगर किसी को डायरिया के लक्षण दिखे तो उसे तुरंत अस्पताल जाना चाहिए. निर्जलीकरण को रोकने के लिए ओआरएस का सेवन करना चाहिए इस समस्या से बचाव के लिए साफ सफाई के नियमों का पालन करना और स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिए गए निदेशों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। गांव में गंदगी वह अनदेखी है एक बड़ा कारण पैरगाहा पँचायत के सरैया गांव की स्थिति और भी विकट है क्योंकि यहां की साफ सफाई की स्थिति बहुत खराब है । जगह-जगह कचरा के ढेर लगा है और गंदगी फैली हुई है। यह स्थिति न केवल स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ावा देती है बल्कि डायरिया जैसे बीमारियों को भी जन्म देती है। माइकिंग कर लोगों को दी गई इलाज कराने की सलाह सरैया गांव में डायरिया के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर सोमवार को मेकिंग कर लोगों को इलाज कराने के प्रति जागरूक किया गया । माइकिंग के जरिए स्वास्थ्य विभाग ने गांव वासियों को सूचना दी की यदि किसी को उल्टी, दस्त, पेट दर्द या बुखार के लक्षण दिखे तो तुरंत इलाज करवाए । माइकिंग के दौरान लोगों को सलाह दी गई वे स्वच्छता का ध्यान रखें और गंदे पानी से दूर रहे । स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी की लक्षणों की अनदेखी करने पर स्थिति गंभीर हो सकती है और जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता प्राप्त करनी चाहिए। क्या करे और क्या न करे चिकित्सक डॉक्टर नवाब ने बताया कि डायरिया से बचने के लिए लोगों को चाहिए कि वे स्वच्छता का ध्यान रखें. सभी खाद्य पदार्थों को अच्छी तरह पका कर खाएं और कच्चे फल सब्जियों को अच्छी तरह धोने के बाद उपयोग में लाएं. पानी को उबालकर पीना चाहिए और गंदगी से दूर रहना चाहिए. बासी खाना भी नहीं खाना है वह खुले में सौच जाना भी हानिकारक है यह सभी कारण और भी डायरिया की आशंका को बढ़ाता है. गांव के लोग भी स्वास्थ्य विभाग की सलाह पर ध्यान दें और गंदगी को साफ करने के लिए पहल करें।

देहदान समिति के मिडिया प्रभारी बने हेमंत सक्सेना मोमेंटो से हुए सम्मानित

प्रात : किरण, संवाददाता

सोनो जमुई : राष्ट्रीय अंगदान दिवस एवं दशम अंतर्राष्ट्रीय अंगदान दिवस के शुभ अवसर देहदान समिति के द्वारा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज पटना में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महामहिम राजपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर , सिक्किम के पूर्व राज्यपाल सह प्रदेश अध्यक्ष गंगा प्रसाद चौरसिया , मंत्री मंगल पांडे , दीघा विधायक संजीव चौरसिया , महासचिव पदम श्री से सम्मानित विमल जैन , प्रदेश उपाध्यक्ष सह नेत्र विशेषज्ञ डॉ० सुभाष कुमार , सुपरिटेंडेंट आईजीएमएस डॉ मनीष मंडल के अलावा डॉ० प्रदीप कारक , डॉ० रश्मि प्रसाद , डॉ० एम रहमान , निर्मल जैन , शैलेश महाजन सहित प्रदेश के अनेकों पदाधिकारी उपस्थित हुए । कार्यक्रम मे स्वास्थ्य संबंधित कार्य करने वालों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया । इस मौके पर जमुई से जिला अध्यक्ष प्रदीप केसरी , उपाध्यक्ष मनोज कुमार उर्फ मंटू जी , महासचिव दिलीप साहू , कोषाध्यक्ष रमेश गुप्ता , देहदानी संकल्प करता मोतिउल्लाह , बिहार की पहली किन्नर दरोगा में चयनित मानवी मधु कश्यप एवं जमुई से देहदान समिति के मिडिया प्रभारी बने हेमंत सक्सेना को मोमेंट देकर सम्मानित किया गया । आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी द्वारा अलौकिक रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण, संवाददाता

गिद्धौर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के द्वारा गिद्धौर के एक सार्वजनिक स्थल पर अलौकिक रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अलौकिक रक्षाबंधन कार्यक्रम का उद्घाटन झाझा विधायक दामोदर रावत ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति हुई।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद ब्रह्माकुमारी कंचन दीदी ने ईश्वरीय सेवा ओम शांति की बहन को सच्ची रक्षा बंधन के आध्यात्मिक रहस्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को रक्षाबंधन का अलौकिक एवं आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन वास्तव में सभी बन्धनों से मुक्त हो एक परमात्मा से सम्बन्ध जोड़ने का बंधन है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दामोदर रावत ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय लोगों ने आध्यात्मिक चेतना जागृत करने का प्रयास कर रही है। अलौकिक रक्षाबंधन कार्यक्रम में दिव्यता की अनुभूति होती है।ब्रह्मकुमारी बहनों द्वारा इस मौके पर सभी को रक्षा सूत्र बांधा गया। कार्यक्रम के समापन पर गिद्धौर सेंटर की ब्रह्मकुमारी सरिता बहन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान दर्जनों स्थानीय महिलाझपुरुष मौजूद रहे।

पौधारोपण के जरिए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में छात्रों का महत्त्वपूर्ण योगदान

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, द्वारा उत्क्रमित मध्य विद्यालय, नरगंजो में एक अनूठी पहल के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकताओं, और वन विभाग के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था, बल्कि छात्रों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनाने के लिए प्रेरित करना भी था। कार्यक्रम के दौरान विभाग ने छात्रों के बीच पौधे वितरित किए, जिन्हें बच्चों ने उत्साहपूर्वक ग्रहण किया और उन्हें लगाने का संकल्प लिया। पर्यावरण संरक्षण के इस कार्यक्रम में विद्यार्थी परिषद के सोशल मीडिया संयोजक, कार्तिक कुसुम यादव ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने बच्चों के साथ मिलकर पौधारोपण किया और उन्हें अपने दिए गए पौधों की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, ह्लएक-एक पेड़ लगाना और उसकी देखभाल करना हमारी ज़िम्मेदारी है। आज लगाया गया पौधा कल की हरियाली है।ह्व कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के वनरक्षक, भरत शर्मा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ह्लआज के बच्चे हमारे भविष्य के कर्णधार हैं। अगर वे आज से ही पर्यावरण के प्रति जागरूक हो जाएं, तो आने वाले समय में हमारे देश में हरियाली और स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा।ह्व पर्यावरण वन विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए, उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे नियमित रूप से पौधों की देखभाल करेंगे और अपने आस-पास के वातावरण को हरा-भरा बनाएंगे। इस प्रकार, नरगंजो के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में आयोजित यह पौधारोपण कार्यक्रम न केवल एक उत्सव के रूप में मनाया गया, बल्कि इसे एक महत्वपूर्ण संदेश के साथ संपन्न किया गया। यह कार्यक्रम बच्चों में प्रकृति के प्रति स्नेह और जिम्मेदारी का भाव विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

47 वर्षिय सुधीर साह की हार्ट अटैक से मौत सात दिन पुर्व हुई उसकी माता का निधन

प्रात : किरण, संवाददाता

सोनो जमुई : बटिया थाना क्षेत्र के आदर्श ग्राम पंचायत राज दहियारी स्थित भेड़िया गाँव में सोमवार की अहले सुबह स्वः लीलो साह का 47 वर्षिय पुत्र सुधीर साह का अचानक हाट अटैक से मौत हो गई है । उसकी मौत से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है । परिजनों के विलाप को सुन अन्य लोगों की आंखों में आंसू छलक पड़े । सबसे दुखद बात यह है कि सात दिन पुर्व हुई उसकी माता उगनी देवी की निधन का अभी श्राध कार्यक्रम भी संपन्न नहीं हो पाया कि तभी अचानक सुधीर साह की अचानक हाट अटैक से मौत हो गई है । सुधीर साह की पत्नी चुन्नी देवी , पुत्र धर्मेन्द्र कुमार एवं पुत्री रुबी देवी , अंजना देवी तथा काजल देवी की रो रोकर बुरा हाल हो गया है । मृतक सुधीर साह का भाई सुरेंद्र साह एवं कई अन्य लोगों ने बताया कि सुधीर साह के साथ बैठकर माँ की श्राद्ध कर्म को लेकर विचार विमर्श कर रहे थे , तभी अचानक सुधीर साह की पेट में तेज दर्द उठा जिसे हमलोग कुछ समझ पाते ओर डॉक्टर के पास ले जाने की तैयारी कर रहे थे लेकिन कुछ ही मिनट में उसने दम तोड़ दिया । इस घटना से गाँव के समस्त ग्रामीण मर्माहत हें । ज्ञात हो कि सुधीर साह निहायत गरीब ओर घर का एकमात्र कमाऊ वयक्ति था , उसकी मौत के बाद बाल बच्चों का पेट भरने की नौबत आ गई है ।

बदलते मौसम में मौसमी बीमारियों के मरीज की संख्या बढ़ी : डॉक्टर सध्दाव

टाइफाइड समेत अन्य बीमारियों से बचाव को रहे सतर्क

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] लगातार तापमान में हो रहे उतार- चढ़ाव के कारण झाझा में मौसमी बीमारियों की भी संभावना बढ़ गई है। ऐसे में हर आयु वर्ग के लोगो को अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे मौसम में कई तरह की बीमारियों की चपेट में आने का खतरा बढ़ जाता है। रेफरल अस्पताल झाझा के डाक्टर सद्दाव ने बताया कि इस मौसम में जहां सर्दी खांसी बुखार समेत अन्य मौसमी बीमारियों के मरीज अधिक मिल रहे हैं। ऐसे मौसम में हर आयु वर्ग के लोगों को टाइफाइड से बचाव के लिए विशेष सतर्क व सावधान रहने की जरूरत है।टाइफाइड होने के वैसे तो सामान्यतः कई कारण है। मुख्य रूप से गंदा (दूषित) पानी और भोजन का सेवन होता है। इसलिए इस बीमारी से बचाव को लेकर लोगो को शुद्ध पेयजल और भोजन का सेवन करना चाहिए।और साफ सफाई का भी विशेष रूप से ख्याल रखना चाहिए। गर्मी और बरसात व ठंडा के मौसम में पानी व भोजन का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। ऐसे मौसम में टाइफाइड बुखार के मरीज अधिक मिलते हैं। टाइफाइड साल्मोनेला टाइपी नामक बैक्टीरिया से फैलने वाला एक गंभीर रोग है। यह बैक्टीरिया दूषित पानी एवं संक्रमित भोजन से पनपता है। गंदे परिवेश वाली जगह पर टाइफाइड फैलने की संभावना अधिक होती है। दूसरे पानी में संक्रमित भोजन के सेवन से व्यक्ति मियादी बुखार से ग्रसित हो जाता है । टाइफाइड के कारण लीवर में सूजन हो जाती है ऐसे में साफ पानी और भोजन का ध्यान रखना जरूरी है। ये सब है टाइफाइड का प्रमुख लक्षण तेज बुखार के साथ दस्त व उल्टी होना, बदन दर्द करना, कमजोरी और भूख नहीं लगना, यह सब टाइफाइड के प्रमुख लक्षण है बार-बार टाइफाइड होना है गंभीर बात चाय, कॉफी तथा अन्य कैफीन युक्त पदार्थ रिफाइंड और फास्ट फूड और अधिक तेल मसाले वाले भोजन से दूरी बनाएं। इसके अलावा घी तथा गर्म भोजन से परहेज करें। सही तरीके से इलाज नहीं होने और अधिक समय तक टाइफाइड रहने से व्यक्ति काफी कमजोर हो जाता है। बार-बार टाइफाइड का होना गंभीर है इसलिए जिसे पहले कभी टाइफाइड हुआ है वह खास तौर पर सतर्क रहें।

इस्लामनगर अलीगंज प्रखंड में सिंचाई की समस्या का नहीं हुआ समाधान : शैलेंद्र महतो

प्रात : किरण, संवाददाता

ई० अलीगंज/जमुई : जिला जदयू अध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने ई० अलीगंज प्रखंड में सिंचाई की समस्याओं को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि 13 पंचायतों का ई० अलीगंज प्रखंड में ऐसे तो कई जनहित से जुड़े समस्या हैं । जैसे रेल सेवा, डिग्री कॉलेज, सिंचाई समस्या सबसे बडी समस्या है।

यहाँ के अधिकांश आबादी कृषि पशुपालन पर ही निर्भर है। लेकिन सिंचाई का कोई समुचित प्रबंध नहीं होने के कारण हर वर्ष किसानों को अकाल का दंश झेलना पडता है। हर साल खेतों मे लगाई गई पूंजी खेत में ही रह जाती है । स्थानीय लोगों का कहना है कि हमारे यहां कोई नहर या डैम नहीं है। जिससे किसानों को सिचाई का लाभ मिले। स्थानीय किसान बह्मदेव सिंह का कहना है कि यदि सकरी -नाटी नदी जोड़ योजना मूर्त रूप दे दिया जाए तो इस प्रखंड के साथ नवादा, शेखपुरा जिले के कई प्रखंड के किसान लाभान्वित होगें। नाटी नदी पर कदहर के समीप वियर बना हुआ है। इससे कई नहर भी निकाली गई है। सकरी नदी से कौआकोल के ताराकोल में जिसकी लगभग 16 किलो मीटर है, मिला दिया जाए तो सिंचाई का स्थाई समाधान हो सकता है। वहीं ई० अलीगंज प्रखंड के दक्षिणी क्षेत्र के किनारे -किनारे अपर किऊल को सिकंदरा से बढाकर नाटी नदी में मिला लिया जाए तो इस क्षेत्र के सभी किसानों के खेतों तक पानी पहुंच सकता है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर के पलटने से चालक की हुई मौत

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई/गिद्धौर : गिद्धौर जमुई मुख्य राजमार्ग पर गंगरा मोड़ कर्बला के समीप तेज रफ्तार से आ रही एक ट्रैक्टर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें ट्रैक्टर वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक पतसंडा पंचायत के बनझुलिया गांव निवासी गनपत रावत के पुत्र 20 वर्षीय सचिन कुमार बताया जाता है। इस घटना की खबर परिजनों एवं स्थानीय ग्रामीणों को लगते ही घायल युवक को दिग्विजय सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिद्धौर लाया गया। जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार कर बेहतर ईलाज हेतु सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। जहां से चिकित्सकों ने बेहतर ईलाज हेतु पटना रेफर कर दिया गया। पटना जाने के क्रम में रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इधर घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों एवं परिजनों द्वारा बड़े मुआवजे की मांग को लेकर गिद्धौर जमुई मुख्य राजमार्ग को बनझुलिया गांव के निकट एक घंटे तक जाम कर दिया गया। इधर सड़क जाम की सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन को मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय पदाधिकारियों से बात कर मुआवजे दिलाने की बात कह कड़ी मशक्कत के बाद सड़क जाम को तुड़वाया गया व राजमार्ग में आवागमन को सुचारू करवाया गया। इधर घटनास्थल पर मौजूद पतसंडा पंचायत के मुखिया ललिता देवी द्वारा मृतक के परिजनों को अंत्येष्टि हेतु तीन हजार रुपया की सहायता राशि प्रदान की गई। इधर घटना की जानकारी मिलते ही समाजसेवी गुरुदत्त प्रसाद ने मृतक के परिजनों से मिल हरसंभव सरकारी सहयोग का आश्वासन दिया। इस मौके पर पैक्स अध्यक्ष राजीव कुमार साव, अवर निरीक्षक हरेन्द्र सिंह, पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

महिला का मोबाइल लेकर युवक हुआ फरार

- घर मे बात करने को कहकर महिला से मोबाइल लिया युवक
- रेलवे पॉली क्लिनिक के समीप की है घटना

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] सोमवार को रेलवे पॉली क्लिनिक के समीप एक युवक ने सड़क पर चल रहे महिला को रोककर घर में बात करने को लेकर फोन मांगा जब महिला ने मानवता के नाते उसे युवक को बात करने के लिए अपना स्मार्टफोन दिया तो युवक ने फोन लगाकर बात करने लगा। इसी दौरान उक्त युवक का साथी अपना बाइक लेकर आया ओर मोबाइल पर बात कर रहे युवक उसे बाइक पर फोन लेकर बैठ गया और निकल गया। उक्त महिला गिरगिराते रह गयी लेकिन युवक फोन नही दिया। पीड़ित बेजला गांव निवासी मालो देवी ने कहा की रेलवे पॉली क्लिनिक के रास्ते बाजार जा रही थी । इसी दौरान उक्त क्लीनिक के पास अचानक एक युवक आया और घर में बात करने को लेकर मेरा मोबाइल लिया महिला ने उसे बात करने को लेकर मोबाइल दे दिया इसी बीच बाइक सवार आया और युवक को बैठाकर निकल गया। घटना के बाद पीड़ित महिला ने स्थानीय लोगो के फोन से इसकी जानकारी घरबालो को दिया। मालूम हो कि इससे पूर्व शुक्रवार की रात रेलवे पोली क्लीनिक के समीप ही मोबाइल छीनकर भाग रहे तीन अपराधियों में से दो अपराधी को ग्रामीणों ने दबोच कर पुलिस को सौंपा था। गिरफ्तार युवक की पहचान फतेहपुर (बोड़वा) गांव के बमबम कुमार यादव व धपरी (बाराजोर) गांव के सौरव कुमार के रूप में हुई थी ।इसके बावजूद भी गिरोह पूरी तरह से सक्रिय है । हालांकि पीड़ित महिला के द्वारा इसकी सूचना झाझा थाने की पुलिस को भी देने की बात कही गई ।

मारपीट की घटना में मां और बेटा हुए घायल

प्रात : किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) श्रीनगर थाना क्षेत्र के पुरैनी पंचायत स्थित सरहद गति वार्ड 2 में रविवार को शाम करीब 6:30 बजे बच्चे बच्चे के विवाद में हुए मारपीट की घटना में एक पक्ष के मां बेटा घायल हो गया। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक द्वारा इलाज किया गया। बताया गया की सरहद गति वार्ड 2 में एक पक्ष के मोहम्मद इजराफिल का 10 वर्षीय पुत्र गुलफराज और दूसरा पक्ष के अकरामुल का पुत्र इश्तियाक आलम के बीच खेलने के दौरान इश्तियाक आलम ने गुलफराज को मारपीट कर घायल कर दिया। गलफराज की मां जूली खातून जब अकरममूल को कहने गए तो अकरामुल, इम्तियाज आलम, गुलजार आलम अन्य परिजन गाली गलौज करते हुए जूली खातून और गुल्फराज को मारपीट कर घायल कर दिया। थानाध्यक्ष ने बताया मारपीट की घटना हुई है इलाज के लिए भेजा गया है आवेदन मिलते ही जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी मंडल पश्चिमी भाग विस्तृत कार्य समिति की हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) बिशनपुर बाजार पंचायत स्थित वार्ड नंबर सात में पश्चिमी भाग के मंडल अध्यक्ष के पैतृक आवास पर रविवार को भाजपा मंडल पश्चिमी भाग का विस्तृत कार्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष पश्चिमी राजीव रंजन ने किया। बैठक में मंडल विस्तृत कार्य समिति का बैठक पर चर्चा किया गया और स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को सभी कार्यकर्ता हर घर तिरंगा झंडा लगाने, एक पेड़ मां के नाम लगवाने पर चर्चा किया गया। सभी बूथ एवं शक्ति केंद्र का गठन करने, शक्ति केंद्र एवं बूथ कमेटी की बैठक नियमित रूप से करने, जिला एवं मंडल से एक व्यक्ति को शक्ति केंद्र पालक बनाने पर चर्चा किया गया है। बैठक में उपस्थित मुख्य अतिथि जिला महामंत्री सह जिला बीस सूत्री सदस्य अभिषेक कुमार साह, विशिष्ट अतिथि अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष सह जिला बीस सूत्री सदस्य विनोद कुमार सरदार, जिला मंत्री सुरेश यादव, मंडल प्रभारी दीपक यादव, विस्तारक राजीव यादव एवं पंचायती राज प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष प्रभाष मुखिया ने भी भाग लिया। मौके पर मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने पार्टी कार्यकताओं को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हो जाने एवं अभी से लोगों से जनसंपर्क कर केंद्र व राज्य सरकार के जनोपयोगी योजना के बारे में जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों को पार्टी में जोड़ने की बात कही। इससे पूर्व बैठक की शुरूआत में पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तेल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने एकजुटता के साथ पार्टी को मजबूत करने का और विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन मंडल उपाध्यक्ष बलराम कुमार ने किया। मौके पर पूर्वी भाग मंडल अध्यक्ष विनय कुमार साह, महिला मोर्चा अध्यक्ष सपना कुमारी, उमेश कुमार मेहता, शैलेन्द्र यादव, अल्पसंख्यक मोर्चा मंडलध्यक्ष मो. सुबहान, मनोज भगत, धीरेन्द्र यादव, प्रमोद यादव, विनोद यादव, रमेश मेहता, प्रशांत कुमार यादव, रंजन यादव, कृष्णदेव यादव, सिंटू कुमार, राजू कुमार, शुभंकर यादव, बादल कुमार, संजीव कुमार, उपेंद्र यादव सहित अन्य दर्जनों पश्चिमी भाग मंडल कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा उदाकिशुनगंज दक्षिणी मंडल ने 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका दिवस मनाने को लेकर किया चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) भारतीय जनता पार्टी, उदाकिशुनगंज दक्षिणी मंडल कार्यकारिणी की बैठक मंडल अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंडल प्रभारी विवेकानंद सिंह की उपस्थिति में वंदे मातरम से शुरू की गई।

बैठक में पार्टी की मजबूती एवं स्वच्छता अभियान, भारत के शहीदों तथा महापुरूषों की प्रतीमा पर माल्यार्पण करने तथा हर घर तिरंगा यात्रा निकालने के साथ-साथ 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका दिवस मनाने को लेकर विशेष चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने ग्रामीणा क्षेत्र की समस्याओं के निदान हेतु एक समिति बनाने पर विस्तार से चर्चा की। जिसमें निर्णय लिया गया कि समस्या निदान हेतु एक 11 सदस्य समिति का गठन हो। गठन में मुख्य रूप से सुबोध कुमार चौधरी उर्फ गणगण चौधरी, अनिल पोद्दार, चंदन कुमार झा, अशोक प्रसाद सिंह, गुंजन देवी, सालीग्राम मेहता, प्रमोद कुमार मिश्रा, बरूण ठाकुर, रमन कुमार झा, समोल पंडित एवं अजय साह का नाम प्रस्तावित किया गया।

जिसमें क्षेत्रों से आई समस्या शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क, कृषि, पशुपालन, बाल विकास परियोजना, प्रखंड तथा अंचल कार्यालय एवं थाना में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने हेतु विशेष रूप से चर्चा की गई। अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की जन समस्या के समुचित समाधान हेतु समिति का गठन कर लिया गया है जो आज से ही प्रभावी होगा। उन्होने कहा कि 12 अगस्त को स्वच्छता अभियान, 13 अगस्त को भारत के शहीद व महापुरुषों के प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा हर घर तिरंगा यात्रा निकालना है और साथ ही 14 को विभाजन विभिषिका दिवस भी मनाना है। उन्होंने संगठन के विस्तार एवं कार्य तथा आगामी चुनाव हेतु क्षेत्र में सक्रियता दिखाने पर भी विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। बैठक में मुख्य रूप से सुबोध चौधरी, चंदन कुमार झा, बजरंगी साह, ज्योतिष झा, दीपक मेहता, शालीग्राम मेंहता, अशोक सिंह, मालिक राय, संजय त्रर्षिदेव, मंटु मुखिया, अनिल कुमार गुप्ता, शिवन्द्र प्रसाद सिंह, विंदेश्वरी मंडल सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

सम्पादकीय

सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच की विदेशी फंड में हिस्सेदारी?

सनत जैन

सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ़ इंडिया (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर हिडनबर्ग ने तथ्यों के साथ दस्तावेज सहित माधवी बुच और उनके पति धवल बुच के खिलाफ बड़े गंभीर आरोप लगाए हैं। मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी ग्लोबल डायनॉमिक अपॉर्चुनिटी फंड में हिस्सेदारी के दस्तावेज, हिडनबर्ग ने उजागर किए हैं। गौतम अडानी के भाई विनोद अडानी ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से अडानी समूह की कंपनियों में शेयरों के दाम बढ़ाने तथा निवेश करने के आरोप लगाए हैं। हिडनबर्ग का आरोप है कि अडानी समूह पर सेबी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। सेबी ने उस समय भी कोई प्रतिक्रिया दी थी। जब इस मामले में तूल पकड़ा, तो सुप्रीम कोर्ट ने आरोपों की जांच का जिम्मा सेबी को सौंप दिया। सेबी अध्यक्ष के पद पर माधवी पुरी स्वयं आसीन थी। इस गड़बड़ झाले में उनके और उनके पति की सहभागिता थी। जिसके कारण उन्होंने जांच करना तो दूर, स्वयं अपने आप को बचाने के लिए जांच ही नहीं होने दी। 27 जून 2024 को सेबी ने हिंडन वर्ग को एक नोटिस जारी किया था। उसके बाद हिडनबर्ग ने माधवी पुरी और धवल बुच की सच्चाई वाली 10 अगस्त 2024 को नई रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में दस्तावेजों के साथ हिडनबर्ग ने खुलासा किया है। हिडनबर्ग के दस्तावेजों के अनुसार 22 मार्च 2017 को उनके पति धवल बुच ने मॉरीशस फंड प्रशासक ट्राईडेंट ट्रस्ट को ईमेल किया था। उसमें लिखा गया था, कि उनका और उनकी पत्नी माधवी पुरी का ग्लोबल डायनेमिक अपॉर्चुनिटी फंड में निवेश है। धवल ने आग्रह किया था, कि इस फंड का अकेले ऑपरेट करने का अधिकार उनको है। माधवी पुरी ने भी अपने ईमेल से अपने शेयर अपने पति को ट्रांसफर करने की सूचना कंपनी को दी थी। उसके बाद अप्रेल 2017 से डायरेक्टर के रूप में माधवी बुच सेबी में काम कर रही हैं। पूर्व सेबी प्रमुख अजय त्यागी के सेवानिवृत्ति के बाद 28 फरवरी 2022 से पूर्णकालिक सेबी अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति 3 साल के लिए की गई है। 2017 के बाद से आफसोर कंपनियों द्वारा शेयर बाजार में बड़ी मात्रा में निवेश किया जा रहा है। शेयर बाजार में ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से अडानी समूह के शेयरों में निवेश किया गया। कृत्रिम तेजी का जो खेल शेयर बाजार में खेला जा रहा था। उसे हिडनबर्ग की रिपोर्ट में उजागर किया है। हिडनबर्ग की उस रिपोर्ट के बाद अडानी समूह को 7.20 लाख करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा था। दुनिया के सबसे बड़े तीसरे नंबर के आदमी की सूची में वह पहुंच गए थे। लेकिन जैसे ही हिडनंबर्ग की रिपोर्ट आई। अडानी समूह को लाखों करोड़ का नुकसान हुआ। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट गया। सुप्रीम कोर्ट ने जांच का जिम्मा सेबी को सौंप दिया था। माधवीपुरी और उनके पति खुद इस मामले में संलिप्त थे। अतः उन्होंने हिंडन बर्ग की रिपोर्ट में जिन कंपनियों के नाम दिए गए थे, उन कंपनियों की जांच ही नहीं होने दी। अब हिडेनबर्ग ने जो रिपोर्ट जारी की है, उसमें उसने सेबी प्रमुख का कच्चा चिट्ठा उजागर कर दिया है। शेयर बाजार के सारे घपले घोटाले एक-एक करके सामने आने लगे हैं। अडानी समूह के साथ जुड़े रहने के कारण ही माधवी पुरी को सेबी का पूर्णकालिक डायरेक्टर बनाया गया। इस तरह के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा जो नोटबंदी की गई थी। उसमें कालेधन को खत्म करने की बात कही गई थी। नोटबंदी के बाद रिजर्व बैंक द्वारा जारी नोट के 99 फीसदी से ज्यादा नोट बैंक में वापिस जमा हो गये। देश का पूरा काला धन बैंकों में वापस आकर सफेद हो गया। यही कालाधन बाद में शेयर बाजार में लगा। जिनके पास काला धन था, उन्हें नोटबंदी के बाद शेयर बाजार के माध्यम से भारी कमाई होने लगी। नोटबंदी के बाद शेयर बाजार ने बेलगाम घोड़े की तरह तेज रफ्तार पकड़ ली। विदेशों में जमा काला धन ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से भारतीय शेयर बाजार में निवेश होने लगा। शेयर बाजार में मुनाफा वसूली के जरिए कालाधन कमाई का एक नया जरिया बन गया। सेबी प्रमुख की सरपरस्ती में विदेश से काला धन बड़ी मात्रा में आकर शेयर बाजार में लगता रहा। कृत्रिम तेजी और मंदी के खेल में अडानी समूह दुनिया के तीसरे नंबर के रईसों में शामिल हो गया था। शेयर बाजार के नियमों का उल्लंघन करके भारी कमाई अडानी समूह ने की है। इसका लाभ भी सेबी प्रमुख के पति धवल बुच को भी मिला है। हिडनबर्ग ने जो नई रिपोर्ट प्रस्तुत की है, उसमें इसका उल्लेख है। शायद यह मामला दबा रह जाता। सेबी प्रमुख माधवी बुच ने हिडनबर्ग को नोटिस जारी कर आग में घी डाल दिया। घायल शेर को नोटिस जारी करके एक बार फिर से जगा दिया। इस बार हिंडन बर्ग ने जो हमला किया है, वह रामबाण की तरह है, जो निशाने पर जाकर लगेगा। इसकी प्रतिक्रिया भारत सहित दुनिया के सभी देशों के शेयर बाजार में होना तय है। विनोद अडानी भारतीय नागरिक नहीं हैं। उन्होंने टैक्स हेवन देश की नागरिकता ले रखी है।

भारत में आर्थिक प्रगति हेतु सनातन संस्कृति के संस्कारों को जीवित रखना ही होगा

प्रहलाद सबनानी

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी।

भारत के नागरिकों में आज ''स्व'' के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे ''भारत के हित सर्वोपरि हैं'' की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी।

भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250/300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूट खसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मार काट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं।

कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके।

आज़ादी के बाद के सबक

आज़ादी के बाद सबसे महत्वपूर्ण सबक यह है कि सुधारों की प्रक्रिया को अधिक परामर्शी, अधिक पारदर्शी और संभावित लाभार्थियों को बेहतर ढंग से संप्रेषित किया जाना है। यह समावेशिता ही है जो भारत के लोकतांत्रिक कामकाज के केंद्र में है। हमारे समाज की तर्कशील प्रकृति को देखते हुए, सुधारों को लागू करने में समय और विनम्रता लगती है। लेकिन ऐसा करना सुनिश्चित करता है कि हर कोई जीत जाए। भारत को विकसित बनाने के लिए हमें पांच प्रमुख क्षेत्रों में पूरी ईमानदारी और निष्ठा से काम करने की जरूरत है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

आज़ादी के बाद सबसे महत्वपूर्ण सबक यह है कि भारत को विकसित बनाने के लिए हमें पांच प्रमुख क्षेत्रों में पूरी ईमानदारी और निष्ठा से काम करने की जरूरत है। इनमें कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, शिक्षा व स्वास्थ्य सुरक्षा, सूचना व संचार तकनीक, भरोसेमंद इलेक्ट्रॉनिक पॉवर, महत्वपूर्ण तकनीक में आत्मनिर्भरता। ये पांचों क्षेत्र एक-दूसरे से जुड़े तो हैं ही, एक-दूसरे पर प्रभाव भी डालते हैं। इसलिए इनमें बेहतर सामंजस्य होना चाहिए। यह देश की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही हममें यह सकारात्मक सोच भी होनी चाहिए कि हम कुछ नया अविष्कार करके ही अपने देश में अच्छा बदलाव ला सकते हैं, क्योंकि विज्ञान और तकनीक से ही मानव कल्याण, शांति और खुशहाली आ सकती है....

भारत ने वैश्विक पहचान हासिल करने के लिए ढेर सारी चुनौतियों को पार करते हुए दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों में से एक बनने के लिए छोटे कदम उठाए। भारत ने आजादी के बाद से एक लंबा सफर तय किया है, कई सही और गलत फैसलों से परहेज किया है, जो कई ऐसे स्थलों को पीछे छोड़ता है जो विभाजन की पीड़ा से एक मजबूत, शक्तिशाली और विकासशील राष्ट्र की यात्रा को परिभाषित करते हैं। हाल ही के दशकों में भारत धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय स्थान पर ऊपर चढ़ता जा रहा है और इसके कारण विश्व की एक प्रमुख महाशक्ति के रूप में इसका वैश्विक प्रभाव भी नजर आने लगा है. पिछले चार दशकों में एक जबरदस्त ताकत के रूप में उभरकर सामने आया है और भारत ने भी काफ़ी ऊँचाइयाँ हासिल कर ली हैं. इसके कारण विश्व की आर्थिक शक्ति का केंद्र यूरोप और उत्तरी अमेरिका से हटकर एशिया की ओर स्थानांतरित होने लगा है.

उदीयमान प्रबल शक्ति के बावजूद भारत अक्सर वैचारिक ऊहापोह में घिरा रहता है. यही कारण है कि देश के उज्ज्वल भविष्य और वास्तविकता में अंतर दिखाई देता है. हालांकि भारत महाशक्ति बनने की प्रक्रिया में प्रमुख बिंदुओं पर खरा उतरता है, लेकिन व्यापक अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में घरेलू मुद्दों के कारण वह कमजोर पड़ जाता है. हालांकि भारत के कई नेता गति को आगे बढ़ाने और सामाजिक राजनीतिक संकट से बचने में विफल रहे, यह भी राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता की कमी का मामला था। भारत में विविधता के कारण, कहीं न कहीं आना मुश्किल है। हालांकि, अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) यानी एक समान नागरिक संहिता लगने के प्रयासों को रूढ़िवादी वर्गों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने दावा किया कि इससे सांप्रदायिक वैमनस्य पैदा होगा।

पानी की तरह किलोमीटर पर भारत में भाषा बदल जाती है। इसलिए, हिंदी केवल आधिकारिक भाषा के रूप में लाना मुश्किल था और 1965 में तमिलनाडु के हिंदी-विरोधी आंदोलन जैसे हिंसा और गरमागरम बहस देखी गई। जनसंख्या नियंत्रण कानून 2019 का जनसंख्या नियंत्रण विधेयक, जिसे 2022 में वापस ले लिया गया था। दो संतान नीति को आजादी के बाद से 35 बार संसद में पेश किया गया है। इन मसौदे की आम जनता द्वारा भारी आलोचना की गई थी। कृषि अर्थशास्त्री और अन्य हितधारक दशकों से कृषि बाजार में सुधार की वकालत कर रहे हैं। इसने संकट से बचने के लिए तीन प्रमुख कृषि सुधार कानून जिन्हें निरस्त कर दिया गया को फिर से चुपके मोड में आगे बढ़ाने के बारे में सरकार को झिझक दिया। लेबर कोड पर नियम आज तक टाले गए। कोड के परिणामस्वरूप कम टेक-होम पे और आसान छंटनी होगी। निःसंदेह सरकार को सुधार के मार्ग पर बहुत सावधानी से चलना होगा।

लोकतंत्र की सफलता में पहला है मतदान को अनिवार्य बनाना, जैसा कि कम से कम 30 लोकतंत्रों में किया गया है, जिससे मतदान प्रतिशत बढ़कर 90 प्रतिशत से अधिक हो गया है। वर्तमान में, भारत में मतदान प्रतिशत कम है। आईपीसी की धारा 124ए का घोर दुरुपयोग एक उपहास है लेकिन अधिकांश राजनीतिक दल नहीं चाहते कि कानून के इस प्रावधान को हटाया जाए। सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम के लिए राज्य सशस्त्र पुलिस और केंद्रीय अर्ध-सैन्य पुलिस का उपयोग करना चाहिए। घुसपैठ, भाड़े के सैनिकों, आतंकवादियों और आतंकवादियों से निपटने के लिए जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के नागरिक क्षेत्रों से सशस्त्र बलों को अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास ले जाने के लिए अधिनियम को हटाना एक मजबूत मामला है।

राजनीतिक हस्तक्षेप और पुलिस जांच में अपर्याप्तता को देखते हुए, भारत ने औपनिवेशिक काल से यूरोप में प्रचलित जिज्ञासु प्रणाली में aआरोप लगाने वाली प्रणाली से एक संरचनात्मक परिवर्तन करने का समय आ गया है। जस्टिस वी.एस. मलीमथ ने रिफॉर्म ऑफ क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम पर अपनी रिपोर्ट में भी इसका सुझाव दिया है। जीएम खाद्य फसलों के लिए भारत अभी भी आनुवंशिक रूप से इंजीनियर या आनुवंशिक रूप से संशोधित जीव (जीएम) फसलों पर अनिर्णीत है। राजनीतिक इच्छा देश की खाद्य सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी सहित एक आधुनिक कृषि नीति ढांचे को अपनाने और लागू करने की कमी है। राजनीतिक प्रतिष्ठान ने राजनीतिक कार्यकर्ता आंदोलन से खुद को बचा लिया है। भारत में सामाजिक राजनीतिक अशांति के बावजूद नेताओं द्वारा कई कठोर निर्णय सुधार किए गए जैसे 1991 के सुधारों के दौरान नेताओं की राजनीतिक इच्छाशक्ति को याद रखना चाहिए। हम उस नेतृत्व की सराहना करते हैं जिसने भारत को ''चट्टान से गिरने'' से बचाया और भुगतान संकट के आसन्न संकट के साथ फंड और बैंक की मजबूरी के तहत सुधारों का प्रबंधन किया।

1960 में भारत में हरित क्रांति ने गेहूं और दालों की अधिक उपज देने वाली किस्मों के विकास के साथ खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि देखी। 1976 सामूहिक नसबंदी अभियान संजय गांधी द्वारा शुरू किया गया था और एक वर्ष में लगभग 6.2 मिलियन पुरुषों की नसबंदी की गई थी, जिसमें लगभग 2000 लोग सर्जरी के कारण मारे गए थे। 1990 वीपी सिंह सरकार द्वारा कुछ जातियों को जन्म के आधार आरक्षण पर सरकारी नौकरी देने के विरोध में पूरा देश विरोध की चपेट में था, बावजूद इसके निर्णय जारी रहा। भारत ने 1998 में पोखरण में परमाणु बम परीक्षण किए, ''ऑपरेशन शक्ति'' कोडनेम के साथ निरस्त्रीकरण के वैश्विक दबाव में कठोर निर्णय लिया। इसने भारत को एक पूर्ण परमाणु राष्ट्र बना दिया। 2016 में, सरकार ने 500 रुपये और 1, 000 रुपये के नोटों के विमुद्रीकरण की घोषणा की। कई किसान, व्यापारी और युवा वर्ग सभी आंदोलन कर रहे थे लेकिन काले धन के खिलाफ एक कदम के रूप में इसे आगे बढ़ाया गया माल और सेवा करः यह प्रमुख केंद्रीय और राज्य करों को शामिल करने के बाद परिणामी कर था। कश्मीर की पहेली सुलझाना राज्य के पूर्ण एकीकरण के लिए अनुच्छेद 370 का निरस्तीकरण लंबे समय से लंबित था और इसे जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर सीधे रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए सालों पहले किया जाना चाहिए था।

आज़ादी के बाद सबसे महत्वपूर्ण सबक यह है कि सुधारों की प्रक्रिया को अधिक परामर्शी, अधिक पारदर्शी और संभावित लाभार्थियों को बेहतर ढंग से संप्रेषित किया जाना है। यह समावेशिता ही है जो भारत के लोकतांत्रिक कामकाज के केंद्र में है। हमारे समाज की तर्कशील प्रकृति को देखते हुए, सुधारों को लागू करने में समय और विनम्रता लगती है। लेकिन ऐसा करना सुनिश्चित करता है कि हर कोई जीत जाए। भारत को विकसित बनाने के लिए हमें पांच प्रमुख क्षेत्रों में पूरी ईमानदारी और निष्ठा से काम करने की जरूरत है। इनमें कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, शिक्षा व स्वास्थ्य सुरक्षा, सूचना व संचार तकनीक, भरोसेमंद इलेक्ट्रॉनिक पॉवर, महत्वपूर्ण तकनीक में आत्मनिर्भरता। ये पांचों क्षेत्र एक-दूसरे से जुड़े तो हैं ही, एक-दूसरे पर प्रभाव भी डालते हैं। इसलिए इनमें बेहतर सामंजस्य होना चाहिए। यह देश की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही हममें यह सकारात्मक सोच भी होनी चाहिए कि हम कुछ नया अविष्कार करके ही अपने देश में अच्छा बदलाव ला सकते हैं, क्योंकि विज्ञान और तकनीक से ही मानव कल्याण, शांति और खुशहाली आ सकती है।

छोटे से छोटे भ्रष्टाचार का सीधा प्रभाव जनता पर पड़ता है। करप्शन फ्री इंडिया के सपने को साकार करने के लिए इंडिया बात करने लगा है। कभी फिल्म और स्पोर्ट्स में दिलचस्पी रखने वाला भारत अब भ्रष्टाचार मुक्त देश बनना चाहता है। आज भी भारत में बहुत से स्थान ऐसे हैं जहां लड़कियों को सिर्फ इस लिए नहीं पढ़ने दिया जाता क्यों कि वो लड़की हैं। ऐसे भी ये कहना गलत नहीं होगा कि इस देश का हर नागरिक स्वतंत्र नहीं है। यदि वास्तव में देश को आगे बढ़ाना है तो लिंग भेद को समाप्त करना होगा।

पर्दे के पीछे से गजवा-ए-दुनिया का फतवा

स्वार्थ के दलदल में आकण्ठ डूबे मीरजाफरों को केवल और केवल व्यक्तिगत लाभ, भावी पीढियों का संरक्षण और स्वयं की विलासता ही दिखती है। धर्म की सुरक्षा हेतु गुरुओं की शहादतों, जाति विशेष के नरसंहारों, आस्था के संरक्षण में मिली गोलियों से छलनी हुए शरीरों और आक्रान्ताओं के निर्मम प्रहारों तले रौंदी गई लाशों के इतिहासों तक को अदृष्टिगत करके लालचियों की भीड ने कलुषित मानसिता वाले दुश्मनों की गोदी में खेलना शुरु कर दिया है।

भविष्य की आहट
डा. रवीन्द्र अरजरिया

दुनिया भर में कट्टरता की आग ने ज्वालामुखी बनकर मानवता को जलाना शुरु कर दिया है। बंगलादेश में तो खुलकर कत्लेआम चल रहा है, लूटपाट चल रही है और चल रही है समानान्तर सत्ता। चन्द मीरजाफरों की दम पर हथियारों के सौदागरों ने बंगालादेश में अपना वर्चस्व कायम कर लिया है। सीआईए सहित आईएसआई जैसे अनेक षडयंत्रकारी संगठनों के जासूसों ने वहां के मदरसों में जाकर मुल्क के कथित ठेकेदारों को विलासता, सम्पन्नता और सुरक्षित भविष्य की चासनी चटाई और उन्हें अपनों का ही दुश्मन बना दिया। छात्रों की आड में असामाजिक तत्वों ने अपनी स्वार्थ सिध्दि के हथकण्डे आजमाये और सफल भी हुए। इसके पहले श्रीलंका में भी ऐसे ही प्रयास किये गये थे। वहां की प्राथमिक सफलता के बाद बंगलादेश में व्यापक स्तर पर तैयारियां की गईं। एक वर्ग विशेष को चिन्हित करके उसमें असामाजिक तत्वों को प्रवेश दिलाया गया। धनबल के आधार पर जनबल को प्रभावित किया गया। वास्तविक नेतृत्व को हाशिये पर पहुंचाकर संगठन पर कब्जा जमाने वाली कठपुतलियां को उनके सीमापार बैठे आका व्दारा नचाया जाने लगा। ऐसी जमातों के मध्य न तो अतीत की क्रूर दास्तानें मायने रखतीं हैं और न ही वर्तमान की घातक नीतियों के संकेत। स्वार्थ के दलदल में आकण्ठ डूबे मीरजाफरों को केवल और केवल व्यक्तिगत लाभ, भावी पीढियों का संरक्षण और स्वयं की विलासता ही दिखती है। धर्म की सुरक्षा हेतु गुरुओं की शहादतों, जाति विशेष के नरसंहारों, आस्था के संरक्षण में मिली गोलियों से छलनी हुए शरीरों और आक्रान्ताओं के निर्मम प्रहारों तले रौंदी गई लाशों के इतिहासों तक को अदृष्टिगत करके लालचियों की भीड ने कलुषित मानसिता वाले दुश्मनों की गोदी में खेलना शुरू कर दिया है। दुनिया भर में साम्प्रदायिकता के विस्फोट हो रहे हैं। केवल इजराइल अकेला ऐसा देश है जो कट्टरता के विरुध्द जी-जान से लड रहा है। उसके साथ कंधे से कंधा लगाकर चलने के लिए एक भी देश, एक भी संगठन और एक भी समूह खुलकर सामने नहीं आया। आतंक के दावानल को समाप्त करने के लिए संकल्पित इस राष्ट्र को अमेरिका जैसे देश भी समय-समय पर झटके दे रहे हैं। समूचा यूरोप खामोशी के साथ हमास, हिजबुल्लाह, हूती सहित कट्टरपंथी आतंकियों की हरकतें देख रहा है। इनसे प्रभावित अनेक देश स्वयं के संसाधनों से अपनी शान्तप्रिय आवाम की सुरक्षा में लगे हैं। आतंक को पोषित करने वाले छदम्मभेषधारी देशों के व्दारा पर्दे के पीछे से गजवा-ए-दुनिया का फतवा जारी कर दिया गया है।

इसे जारी करने वाले तो पवित्र ग्रन्थ कुरान शरीफ की आयतों की मनमानी व्याख्यायें करके खुदा की आवाज को ही दबाने में जुट गये हैं। अल्लाह के इस्लाम की जगह मुल्ला का इस्लाम लागू होने लगा है। ज्यादातर मदरसों में इंसानियत की किताबें जला दी गईं हैं। उनके स्थान पर कट्टरता, निर्ममता और बरबरता के पाठ पढाये जाने लगे हैं। ज्यादातर यतीतखानों को आतंकियों के अड्डों में तब्दील कर दिया गया है। अनेक दवाखानों से दहशतगर्दों को नियंत्रित किया जा रहा है। मानवता की आड में अमानवीय कृत्यों की नित नई परिभाषायें दी जा रहीं हैं। दुनिया भर में साम्प्रदायिक कट्टरता के अनेक रूप जेहाद के रूप में सामने आ रहे हैं। समूची इंसानियत को खून से नहलाने के लिए तैयारियां पूरी कर लीं गईं हैं। जनसंख्या के अनुपात के नवीन विश्लेषणों ने तो आने वाले समय का खाका ही सामने रख दिया है परन्तु सत्ता के लालचियों की आंखों में अंतहीन विलासता का मोतियाबिन्द कुछ भी देखने नहीं दे रहा है। दलगत राजनीति का लबादा ओढकर व्यक्तिवादी लोगों की भीड ने आत्मघाती हथियारों का प्रयोग शुरू कर दिया है। बंगलादेश की धरती पर समाजहित के चिन्तन को नकाब बनाकर सत्ता हथियाने का जो प्रयोग हुआ है, वह निश्चय ही आगे वाले समय में अन्य देशों में भी दोहराया जायेगा। आबादी के आधार पर गूंजने वाली आवाजों में अब काफिरों के कत्ल के फरमान भी जारी होने लगे हैं। अनेक देशों में तो गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को जुल्म के शिकंजे में तडफ-तडफ कर दम तोडने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जलालत की इंतहां पर पहुंचती बलात्कारी घटनाओं से पूरे परिवार को नासूर देने का क्रम तेज किया जा रहा है। बेबस आंखों के सामने मासूमों के जिस्मों को रौंदा जा रहा है। जबरिया निकाह कराने, इस्लाम कुबूल करवाने और आंसुओं के समुन्दर में गैर मुस्लिम परिवारों को डुबोने की घटनायें आम होती जा रहीं हैं। ईरान, पाकिस्तान, तुर्की, लेविनान, फिलिस्तीन जैसे अनगिनत राष्ट्रों की संयुक्त जमातें अब खुलकर गजवा-ए-दुनिया वाले अघोषित फतवे पर काम कर रहीं हैं। चीन, अमेरिका, फ्रांस जैसे देशों की सरकारें भी आतंकवादियों के इशारों पर नाचने लगीं हैं। शरणार्थियों की शक्ल में दाखिल होने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होते ही वे अपने असली मंसूबे पूरे करने में जुट जाते हैं। दुस्साहस की कहानियां अब साहस के किस्सों पर हावी होती जा रहीं हैं। दया, मानवता, सहायता, सहयोग जैसे शब्दों के मायने खो चुके हैं। उनके स्थान पर कूररता, आतंक, अन्याय, बलात्कार सरीखी घटनायें काबिज होती जा रहीं हैं। यह सब कुछ केवल चन्द देशों तक ही सीमित नहीं है बल्कि समूची दुनिया को इसने अपनी गिरफ्त में ले लिया है। ऐसे में यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि धरती पर आतंक के हथियार से एक और विश्वयुध्द की टंकार गूंज चुकी है जिसकी आवाज कहीं कम तो कहीं ज्यादा सुनाई दे रही है। मगर उससे बचा कोई भी नहीं है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

भारत में आर्थिक प्रगति हेतु सनातन संस्कृति के संस्कारों को जीवित रखना ही होगा

प्रहलाद सबनानी

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी।

भारत के नागरिकों में आज ''स्व'' के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे ''भारत के हित सर्वोपरि हैं'' की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी।

भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250/300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूट खसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मार काट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं।

कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके। जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को एक बार पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचीन भारत में वनवासी थे, ग्रामवासी थे, नगरवासी थे, इस प्रकार त्रिस्तरीय समाज था। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ था ही नहीं। यह अंग्रेजों का षड्यंत्र था कि भारत में उन्होंने समाज को बांटो और राज करो की नीति अपनाई थी। अन्यथा हिंदू समाज तो भारत में सदैव से एकात्म भाव से रहता आया है। किसी भी देश में क्रांति सत्ता से नहीं आती है बल्कि समाज द्वारा ही क्रांति की जाती है। जिस प्रकार का समाज होगा उसी प्रकार की सत्ता भी देश में स्थापित होगी। अतः किसी भी देश को विकास की राह पर जाने से रोकने के लिए उस देश की संस्कृति को ही समाप्त कर दो। ऐसा प्रयास आज पुनः विदेशी ताकतों द्वारा भारत में किया जा रहा है।

परंतु, अब एक बार पुनः भारत एक ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है जिसमें आगे आने वाले समय में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती हुई दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप से प्रभावित करने के लिए कई प्रकार की बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु, देश में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिंदू समाज में व्याप्त लगभग समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देश प्रेम का भाव, स्व-समर्पण का भाव कूट कूट कर भरा है। इसी कारण से यह कहा भी जाता है कि केवल हिंदू जीवन दर्शन ही आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 13 अगस्त, 2024

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कार्यसंस्कृति एवं अंतर्विभागीय समन्वय को लेकर साप्ताहिक बैठक आहुत

मतदाता सूची के पुनरीक्षण से पूर्व बीएलओ की नियुक्ति, घर-घर सर्वे को लेकर संबंधित अधिकारियों को निदेश

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी अमन समीर ने आज कार्यसंस्कृति एवं अंतर्विभागीय समन्वय को लेकर बैठक की। बताया गया कि मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 को लेकर पुनरीक्षण पूर्व कुछ गतिविधियां 20 अगस्त से की जानी हैं। इससे पहले प्रत्येक मतदानकेन्द्र के लिये बीएलओ की नियुक्ति 16 अगस्त तक की जानी है इसके लिए सभी सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी बीएलओ की नियुक्ति का प्रस्ताव संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को उपलब्ध कराएंगे। 20 अगस्त तक सभी बीएलओ को मतदान का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जायेगा। पुनरीक्षण पूर्व की गतिविधियों के तहत घर-घर सत्यापन का कार्य किया जायेगा। मतदनकेन्द्रों के युक्तिकरण हेतु भी कार्रवाई की जायेगी। इसके लिये जर्जर भवन में स्थित मतदान केंद्र, चलंत मतदान केंद्र को निकट के उपयुक्त सरकारी भवन में शिफ्ट करने के लिये तर्कसंगत प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया। मतदाता सूची के शुद्धिकरण का कार्य भी किया जायेगा। मतदाता सूची में आवश्यकतानुसार साफ फोटो शामिल करने हेतु भी कार्रवाई की जायेगी। यह सारा कार्य 18 अक्टूबर तक किया जायेगा। इसके उपरांत 29 अक्टूबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जायेगा।ड्राफ्ट मतदाता सूची के आधार पर 28 नवंबर तक दावा आपत्ति प्राप्त किया जायेगा। प्राप्त दावा आपत्तियों के निष्पादन के उपरांत 6 जनवरी 2025 को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन किया जायेगा। कार्यालय प्रबन्धनः डीएम ने कहा कि उनके कार्यालय में उनके अधीन आने वाले प्रत्येक विभाग से संबंधित अनेक पत्र आते हैं। उल्लेखित समस्याओं के निदान या अन्य अपेक्षित कार्रवाई हेतु इसे संबंधित अधिकारियों तक अवश्य भेजा जाना चाहिए। इन सभी पत्रों का लेखा जोखा संधारित होना चाहिये। इसके अलावा हर विभाग को मिलने वाले शिकायत पत्रों पर नजर रखना भी जरूरी है। अगर ऐसा ठीक से न किया जाए तो यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि कोई अपेक्षित कार्रवाई हुई है या नहीं। समस्या का स्पष्ट समाधान करने के लिए पत्रों पर नजर रखना और की गई कार्रवाई को संधारित रखना आवश्यक है। यह पर्यवेक्षी पदाधिकारियों के लिए यह जानने का भी एक तरीका है कि उनके अधीनस्थ कार्यालय में क्या समस्याएं चल रही हैं। पत्र प्राप्त करने वाले सहायकों एवं प्रधान सहायकों को प्रत्येक महीने में प्राप्त सभी पत्रों का रिकॉर्ड रखना होगा। इससे कार्यालय प्रधान को विभाग के प्रत्येक कर्मचारी के कार्यभार को समझने में भी मदद मिलेगी। इस तरह कोई शिकायत नहीं होगी और कोई भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकेगा। राज्य सरकार द्वारा सभी सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं को बढ़ाने के लिये कार्रवाई की जा रही है। सभी विद्यालयों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त वर्गकक्ष के निर्माण, शौचालय, पेयजल, बैठने के लिए उचित बेंच और डेस्क, रसोईघर, विद्युतीकरण, भवन की मरम्मत और रखरखाव या नए भवन का निर्माण हेतु कवायद की जा रही है। सभी संबंधित पदाधिकारियों को विद्यालयों का निरीक्षण कर आवश्यकताओं को सत्यापित करने का निदेश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्त्ता, जिला लोकशिकायत निवारण पदाधिकारी, सिविल सर्जन, निदेशक डीआरडीए सहित विभिन्न तकनीकी एवं गैरतकनिकी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी , अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी जुड़े थे।

संक्षिप्त खबरें

चौथी सोमवारी पर परसा में निकाली गई कलशशोभा यात्रा

परसा:-नगर पंचायत परसा बाजार अंतर्गत वार्ड छः पोझी परसा वस्ती में शिवमन्दिर में जलाभिषेक को लेकर श्रद्धालुओं के द्वारा एक विराट कलश शोभायात्रा निकाली गई। आचार्य प्रमोद मिश्रा व वार्डपार्षद सुधांशु कुमार उर्फ खद्दू के नेतृत्व में सैकड़ों श्रद्धालुओं का जत्था दर्जनों घोड़े,हाथी डीजे बैंड व देवी देवताओं की आकर्षक झांकी के साथ मंदिर स्थल से पोझी बाजार होते हुए मस्तीचक मोड़,पहुंची पुनः सैदपुर,हॉस्पिटल रोड होते हुए परसा मथुरा मंदिर मार्ग होते हुए परसा थाना के सामने अवस्थित शिवालय में जलाभिषेक किया । और अपनी और समाज के लिए सुख समृद्धि व शांति की कामना की । आचार्य प्रमोद मिश्रा ने बताया कि दिन में रुद्राभिषेक पूजा का आयोजन किया गया है ।वही वार्डपार्षद सुधांशु कुमार उर्फ खद्दू ने कहा कि रात्रि में दो कुशल कलाकारों के द्वारा संगीतमय शिव विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।इस अवसर पर संतोष साह कुसुम देवी,पुष्पा देवी सहित सैकड़ों श्रद्धालु महिला,युवक,युवतियां लाल पीले वस्त्र में शामिल थे।

बैठक सम्पन्न

भेल्दी। अमनौर प्रखंड के रसूलपुर पंचायत के रसूलपुर मठिया के प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी अमनौर दक्षिणी मंडल विस्तृत कार्य समिति की बैठक मंडल अध्यक्ष नीरज कुमार सिंह जी के अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमे मुख्य रूप से भाजपा जिला मंत्री अर्जुन सिंह , जिला सहकारिता प्रकोष्ठ के सह संयोजक जितेन्द्र सोनी रसूलपुर पंचायत के मुखिया श्यामसुंदर गिरी जी, मंडल कोषाध्यक्ष अजय ओझा जी, मंडल उपाध्यक्ष प्रमोद ओझा जी, रसूलपुर पैक्स अध्यक्ष राजेश सिंह जी के साथ रसूलपुर पंचायत के ग्रामीण जनता उपस्थित हुए।13-15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने पर चर्चा किया गया

सन्तपुर पंचायत भवन में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल का शिविर लगा

बगहा। वाल्मीकिनगर थानांतर्गत सन्तपुर सहरिया पंचायत के सन्तपुर स्थित पंचायत भवन में मुखिया प्रतिनिधि रमेश महतो के सौजन्य से अखण्ड ज्योति आई हॉस्पिटल का शिविर लगाया गया।जिसमें नेत्र रोग से सम्बंधित रोगों का इलाज किया गया।मुखिया प्रतिनिधि रमेश महतो ने बताया कि यह गरीब असहाय नेत्र रोगियों के मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन शिविर है इस शिविर में ऐसे नेत्र रोगियों का चयन किया जाता है जो पूरी तरह से असहाय होते हैं उन्हें चयनित कर मुख्य हॉस्पिटल में ले जाकर ऑपरेशन किया जाता है जो बिल्कुल मुफ्त होता है।मरीजों को आने जाने और लेंस,चश्मा,दवा सभी कुछ मुफ्त किया जाता है।बताते चलें की मुखिया प्रतिनिधि रमेश महतो एक समाजसेवी व सामाजिक कार्यकर्ता हैं,जो समाज के गरीब गुरबों के उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।बताते चलें की इस शुविर में चिकित्सक द्वारा आंखों की जांच कर मोतियाबिंद की जांच कर दवा और चश्मा दिया गया और साथ में मोतियाबिंद मरीजों का चयन किया गया।इस शिविर में चिकित्सक डीओटी डॉ राजू रंजन सिंह,सलाहकार शत्रुघ्न राय, प्रभारि लालबाबू राय, हरिओम झा व पप्पू कुमार शामिल थे।

उत्क्रमित मध्य विधालय बनकटा में तिथि भोजन का आयोजन

कोपा /जलालपुर प्रखण्ड के उत्क्रमित मध्य विधालय बनकटा में सोमवार को तिथि भोजन का आयोजन किया गया।इस दौरान बच्चों को मेनू से हटकर पूरी सब्जी खीर का भोजन कराया गया।तिथि भोजन में मेनू से हटकर भोजन पाकर बच्चे उत्साहित दिखे।इस अवसर पर प्रधानाध्यापक बासंत प्रसाद,उमेश प्रसाद यादव,अखिलेश कुमार,राजेश यादव,मुन्ना पंडित,बच्चा राय,राहुल कुमार,सरोज देवी,रेखा देवी,माला देवी,बागेश्वरी तिवारी,राज जी तिवारी,प्रमोद कुमार साह,सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

पेड़ पौधे धरती के श्रृंगार,जन्मदिन पर करें पौधरोपण : डीपीओ

प्रात : किरण, संवाददाता

परसा : प्रखंड क्षेत्र के विशुनपुर गांव में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में एश्योर फाउंडेशन के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया।इस दौरान जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा प्रियंका रानी,प्रधानाध्यापक संजय कुमार राय,एश्योर फाउंडेशन के सचिव सुशील कुमार,वार्डेन ममता कुमारी,प्रभारी वार्डेन रोजी बानो ने संयुक्त रूप से पौधरोपण कर संरक्षण का संदेश दिया।इस दौरान डीपीओ प्रियंका रानी ने बताया की पेड़ धरती का श्रृंगार होते हैं।प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में पौधारोपण करना चाहिए। पेड़ पौधों के बिना जीवन की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है। यदि पेड़ पौधे ना हो तो हम सब सांस नहीं ले सकते हैं इसलिए जीवन के लिए हम सब को संकल्प लेना चाहिए। वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाते रहना चाहिए।अपने जन्मदिन व शुभ कार्य पर कम से कम पांच पौधे प्रतिवर्ष जरूर लगाएं।वही प्रधानाध्यापक संजय कुमार राय ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया गया।साथ ही उन्होंने बताया कि प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए पौधा रोपण करना बहुत ही आवश्यक है।पेड़ पौधे बरसात कराने में मददगार होते हैं।वही एश्योर फाउंडेशन के सचिव सुशील कुमार ने कहा कि जन जन से यह कहना है वृक्ष धरती की गहना हैं,हम सब मिलकर वृक्ष लगायें वातावरण शुद्ध बनाएं।साथ ही उन्होंने बताया कि हमारे जीवन में वृक्षों का अमूल्य योगदान है। इनके बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।उन्होंने वृक्षारोपण के रखरखाव एवं उन्हें बड़े होने का दायित्व का संकल्प दिया।इस दौरान वार्डेन ममता कुमारी,प्रभारी वार्डेन रोजी बानो,लेखपाल कौशल्या कुमारी,अर्पणा गुप्ता,संगीता कुमारी,विज्ञान शिक्षक नूतन यादव,आदेशपाल विजय सिंह,मनोज कुमार,मोहनी प्रयदर्शनी,एश्योर फाउंडेशन के सचिव सुशील कुमार,चेयरमैन पुष्पा कुमारी,विकास पाठक, संजय कुमार सिंह,शुभ राजपूत,शैलेश कु तिवारी, मनीष कुमार,बंटी कुमार,भोला कुमार,मंटू सिंह,सन्दीप कुमार, निजामुद्दीन,आलोक कुमार सहित कस्तूरबा विद्यालय के छात्राएं उपस्थित थे। डीपीओ ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय का किया निरीक्षण वही डीपीओ प्रियंका रानी ने केजीबी विद्यालय का निरीक्षण किया और लगभग एक घंटे के ठहराव के क्रम में केजीबी विद्यालय में मौजूद व्यवस्था का जायजा लिया।डीपीओ ने लड़कियों से बात कर विद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी भी प्राप्त किया एवं सुरक्षा से संबंधित कई अन्य सुविधाओं की जानकारी संचालक संजय कुमार राय से लिया।डीपीओ प्रियंका रानी ने कहा कि केजीबी में नामांकित लड़कियों को विभाग द्वारा निर्धारित हर सुविधाओं का शत प्रतिशत लाभ मिलना चाहिए ताकि अभिभावक एक विश्वास के साथ अपनी बेटियों का नामांकन केजीबी में करा सके।उधर डीपीओ के निरीक्षण से प्रखंड क्षेत्र के सभी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों में हड़कंप देखा गया।

जागरूकता कैंपेन का हुआ शुभारंभ

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।सोमवार को राजेंद्र कॉलेज, छपरा में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य पर रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में एचआईवी एड्स से बचाव हेतु गहन जागरूकता कैंपेन का शुभारंभ किया गया। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर उनसे संबंधित तीन मुद्दों पर विमर्श किया गया प्रथम मुद्दा एचआईवी एड्स संबंधी जागरूकता कार्यक्रम, दूसरा सतत विकास में युवा डिजिटल मार्ग और तीसरा कैंपस को रैगिंग मुक्त करने से संबंधित था । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी प्राचार्य प्रो. सुशील कुमार श्रीवास्तव ने अंतराष्ट्रीय युवा दिवस की सार्थकता एवम औचित्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिवस, युवाओं के गुणों और पूरे विश्व के विकास के लिए उनकी क्षमता का सम्मान करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। साथ ही युवा लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों और मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का काम भी करता है।मंच संचालन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अनुपम कुमार सिंह ने इस वर्ष की थीम क्लिक से प्रगति तकः सतत विकास हेतु युवा डिजिटल तकनीक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समावेश एवम आर्थिक विकास में डिजिटल तकनीक की चुनौतियों एवम अवसर से छात्र छात्राओं को अवगत कराया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सेहत केंद्र की नोडल पदाधिकारी डॉ. जया कुमारी पांडेय ने युवा डिजिटल कौशल को विकसित करने, साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से छात्रों को जागरूक किया। इस अवसर पर प्रो संजय कुमार, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कन्हैया प्रसाद, डॉ देवेश रंजन सहित सचिन कुमार चौरसिया, आरती कुमारी, विशाल साह, रोहित कुमार आदि कई छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

भेलदी के कोरिया में एक ही परिवार दो मासूम बच्चे की गई जान, एक की स्थिति नाजुक

प्रात : किरण, संवाददाता

भेल्दी - भेल्दी थाना क्षेत्र केकोरेया पंचायत के कोरेया पछीमी टोला में उल्टी और दस्त होने से एक ही घर के तीन मासूम बच्चे अचानक बीमार हो गए।जहां कुछ ही घंटे में शुरूआती इलाज के बाद दो मासूम की मौत हो गई।जबकि एक गंभीर अवस्था में इलाजरत है।मृतक कोरेया गांव के नन्हक भगत के पुत्र 3 वर्षीय शुभम कुमार व 5 वर्षीय पुत्री ज्योति कुमारी है।इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रविवार को ननहक भगत के बड़े पुत्र गोलू को दस्त और उल्टी होने लगा। जिसका स्थानीय चिकित्सक से परिजनों ने इलाज करवाना शुरू किया। उसके बाद शाम में शुभम और ज्योति की भी तबीयत खराब हो गई दोनों मासूम भी उल्टी और दस्त करने लगे। परिजन स्थानीय चिकित्सकों के पास ले गए मगर उन्होंने दोनों की हालत को देखते हुए गड़खा रेफर कर दिया। वहां दोनों को ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद एक तरफ जहां परिजनों में चीख पुकार मच गया वहीं ज्योति और शुभम के बड़े भाई गोलू की भी हालत गंभीर होने लगी जिसे गड़खा में ही इलाज कराए जाने लगा। अचानक एक ही परिवार से दो बच्चों की मौत के बाद पूरे परिवार व आसपास के घरों में मातमी सन्नाटा पसर गया। सभी परिजन अपने-अपने बच्चों के लिए चिंतित हो गए। स्थानीय डॉक्टरों ने आशंका जताई कि दोनों की मौत डायरिया से ही हुई है। घटना के बाद अमनौर सीएचसी के डॉक्टरों को जब इसकी सूचना मिली तब कोरेया गांव में एक टीम पहुंचकर मौके पर आसपास के सभी बच्चों का जांच करने में जुट गई। हालांकि इन तीनों के अलावा किसी बच्चे को और बीमारी की सूचना नहीं मिल पाई मगर डॉक्टरों की एक टीम एहतियात के तौर पर कोरेया गांव में जमी हुई है। मौके पर पहुंचे चिकित्सक ने बताया कि दोनों मासूमों की मौत किस प्रकार से हुई है यहां अभी कह पाना काफी मुश्किल है। दोनों का सैंपल लिया गया है जांच के बाद ही खुलासा हो सकेगा।

नेशनल लाइब्रेरियन दिवस पर बाल पत्रिका अंकुर का विमोचन

प्रात : किरण, संवाददाता

एकमा। भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ एस. आर. रंगनाथन की जन्म जयंती के अवसर पर नेशनल लाइब्रेरियन दिवस का आयोजन सोमवार को अलख नारायण सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, एकमा में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय के सीनियर लाइब्रेरियन राजेश कुमार सिंह द्वारा सम्पादित हस्तलिखित बाल पत्रिका ॠअंकुर ॠ का विमोचन विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री कृष्ण भगवान यादव द्वारा किया गया. उन्होंने अपने संक्षिप्त सम्बोधन में पत्रिका के संपादक व लाइब्रेरियन राजेश के कार्यों की सराहना करते हुए कहा की यह बाल पत्रिका अंकुर युवा पीढ़ी एवं छात्रों को अपने जीवन में आगे बढ़ने व सफलता प्राप्त करने के लिए सदैव प्रेरित करने का कार्य करेगी. वरिष्ठ शिक्षक श्री जीतेन्द्र कुमार पांडेय ने भी अपने सारगर्भित सम्बोधन में कहा की विद्यालय के इतिहास में पहली बार पुस्तकालय के सौजन्य से इस तरह की बाल पत्रिका का प्रकाशन हुआ है.जो पुरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व की बात है. इस अवसर पर विद्यालय के लाइब्रेरियन व पत्रिका के संपादक राजेश कुमार सिंह ने कहा की बच्चों की छिपी प्रतिभा को तराशने व उन्हें उचित मंच प्रदान करने के लिए इस बाल पत्रिका अंकुर का प्रकाशन किया गया है, जो विद्यालय के इतिहास में एक मिल का पत्थर साबित होगा साथ हीं आने वाली पीढ़ियों ो कुछ अलग करने के लिए सदैव प्रेरित करेगी. इस अवसर पर एक पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया. मौके पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक , सारिका दिवेदी, रंजन कुमार सिंह, मुकेश सिंह, , राजन कुमार, मुकेश साह, दिलीप चौधरी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे ।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के लिए किसान मोर्चा ने चलाया स्वच्छता अभियान

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष मनोज पाण्डेय के कुशल नेतृत्व मे जिले के सभी स्मारक स्थलो पर हर घर तिरंगा ;यात्रा के लिए स्वच्छता अभियान चलाये गए छपरा शहर मुख्यालय के दरोगा राय स्मारक स्थल,बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर,डा मजहरूल हक स्मारक स्थल व पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद स्मारक,भोजपुरी के सेक्सपियर भिखारी ठाकुर जी के स्मारक स्थल सहित शहर मुख्यालय के दर्जनों शहीद स्वतंत्रा सेनानी और महापुरूषों के स्मारक स्थलों पर स्वच्छता अभियान हुआ। जिनमें भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह,मुख्य अतिथि प्रदेश प्रभारी किसान मोर्चा ब्रजेश कुमार रमण जी,जिला प्रभारी संजय कुमार सिंह व जिला उपाध्यक्ष अनु सिंह जी के मार्ग दर्शन में जिला किसान मोर्चा के ददन सिंह,रंजीत तिवारी,मनोज प्रसाद गुप्ता,जयकिशोर सिंह,अशोक सिंह,हरेश्वर सिंह,जिला प्रवक्ता,राजेश कुमार कश्यप,महेश गुप्ता,मनिष मिश्रा,राकेश कुमार सिंह,पप्पू सिंह आदि कार्यकताओं ने आज पुरे जिले में किसान मोर्चा के तत्वावधान में दसों विधानसभा के सभी मंडल के स्मारक स्थलों पर आज एक साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया ।सोनपुर विधानसभा में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक विनय सिंह थे।

विहिप की तीन दिवसीय कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। विश्व हिन्दू परिषद का तीन दिवसीय उत्तर बिहार प्रांत कार्यकारिणी बैठक संपन्न हुआ । इस अवसर अम्बरीश ,केंद्रीय समरसता प्रमुख ने प्रेस को संबोधित किया । उन्होंने कहा कि इस वर्ष जन्माष्टमी के दिन हमारे संगठन के 60 वर्ष पूरे हो रहे हैं जिसे हमलोग 24 अगस्त से 01 सितंबर तक स्थापना दिवस के रूप में मनाएंगे । इसमें संगठन के पुराने कार्यकत्ता, हिन्दू हित में काम करने वाले लोग । अपने विचार वाले लोगों को भी आमंत्रित किया जाएगा एवं कार्यक्रम को भव्य रूप से मनाया जाएगा साथ ही यह भी बताया जाएगा कि संगठन का यहां तक कैसे पहुंचा, संगठन कौन कौन से कार्यों को करता है और आम हिन्दू समाज से संगठन की अपेक्षाएँ है । आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि 14 अगस्त को हमलोग अखंड भारत दिवस के रूप में मनाते है क्योंकि इसी दिन पाकिस्तान के नाम भारत माता के दो टुकड़े कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि संगठन का प्रयास है कि भारत फिर से अपने पुराने स्वरूप में अखंड हो। उन्होंने और भी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जैसे गायों की देशी नस्ल का संवर्धन और गौ आधारित कृषि पर जोड़ देना चाहिए। साथ हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दुर्गा अष्टमि, 6 दिसंबर को शौर्य दिवस , 14 जनवरी को समरसत दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने बंगला देश में हो रहे हिन्दूओं के नरसंहार पर कहा कि यह एक सोची समझी साजिश के तहत हो रहा है और बंगला देश को हिन्दूओं से मुक्त करवाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी पार्टी इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रही । उन्होंने भारत सरकार से सीधे हस्ताक्षेप करने की माँग की । इस अवसर पर उत्तर बिहार के प्रांत अध्यक्ष संजीव , प्रांत मंत्री, रणवीर सिंह , प्रांत उपाध्यक्ष राजकिशोर सिंह , प्रांत कोषाध्यक्ष सुमित कुमार मंच पर उपस्थित थे ।

वरीय शिक्षिका गीता रानी ने पंटोका मध्य विद्यालय में किया पदभार ग्रहण

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल। प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय, पनटोका की वरीय शिक्षिका गीता रानी ने सोमवार को प्रधानाध्यापिका के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर निवर्तमान प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने उन्हें विधिवत प्रधानाध्यापिका के आसन्न पर बैठाया तथा उन्हें अपना संपूर्ण प्रभार सौंप दिया। इस मौके पर नवपदस्थापित प्रधानाध्यापिका श्रीमती गीता रानी ने बताया कि विद्यालय के पठन पाठन कार्यों में विद्यालय परिवार के सहयोग से बेहतर परिणाम आएंगे। बच्चों को नव अन्वेषणकारी शिक्षण गतिविधियों व नवाचारी शिक्षण कौशल से सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को और गति मिलेगी।पोषक क्षेत्र के बच्चों विशेषकर अभिवंचित वर्ग के बच्चों को शत प्रतिशत विद्यालय से जोड़ने के साथ छात्र छात्राओं के छीजन रोकने का प्रयास होगा तथा विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण एमडीएम संचालन के साथ बच्चो को विषयगत व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर बल दिया जाएगा।इसके लिए छात्र छात्रा, शिक्षक, अभिभावक व समुदाय के सहयोग से बेहतर करने का प्रयास होगा। इस मौके निवर्तमान एचएम प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, मुनेश राम, कुंदन कुमार, रूपा कुमारी, आसमा खातून, बबिता कुमारी, कविता कुमारी, मो.सैफुल्लाह, दीक्षा कुमारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

निरोजा परिवार द्वारा पुस्तक विमोचन एवम सम्मान समारोह हुआ संपन्न

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(प.च)। निरोजा ग्रीन इंडिया फाउडेश के द्वारा गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक विमोचन एवम उत्कृष्ट विभुतिओ को सम्मानित किया गया।उक्त कार्यक्रम में डा सुनील तिवारी, एवं अंजू रंजना द्वारा लिखित पुस्तक स्वतंत्र भारत की शिक्षा नीतियां,वैदिक गणित एवम अनौपचारिक शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का विमोचन शिक्षाविद गोराख लाल श्रीवास्तव , डा राम कृपाल राय,मानद कुलपति संत सौरभ , डा पी के राजपूत एवम डा नीरज गुप्ता के कर कमलों द्वारा विमोचित किया गया।कार्यक्रम में धरा धाम प्रमुख सौहार्द शिरोमणि मानद कुलपति ने पुस्तक की समीक्षा करते हुए पुस्तक के गुणवत्ता पर प्रकाश डाला।सर्वोदय किसान पी जी कॉलेज के प्राचार्य डा.राम कृपाल राय ने नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला एवं पुस्तक लेखक को शुभकामनाएं प्रेषित किया।कैडिला फार्मा के पूर्व उपाध्यक्ष डा पी के राजपूत ने कहा कि यह पल हमारे लिए बहुत ही सुखद पल है।उन्होंने कहा कि पुस्तक लेखन एक विशेज कला एवं साधना है।कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति पदक से सम्मानित शिक्षाविद गोरख लाल श्रीवास्तव एवम संचालन युवा कवि उत्कर्ष शुक्ला रुद्र ने किया।आभार ज्ञापन डा नीरज गुप्ता संस्थापक ग्रीन इंडिया फाउडेशन ने किया।इस दौरान बाल भक्त साध्वी श्वेतिमा माधव प्रिया एवम बाल भक्त सौराष्ट्र पाण्डेय ने आपने मुखरबिंदु से भग्वतपुराण के श्लोक सुनाकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया।कार्यक्रम में डॉ सुनील कुमार तिवारी(कानपुर) एवं अंजू रंजना (लखनऊ) को निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार द्वारा आइकॉन ऑफ इंडिया सम्मान से सम्मानित किया गया साथ ही कैडिला फार्मा के पूर्व उपाध्यक्ष डॉक्टर पीके राजपूत (गुजरात) को संस्था द्वारा लाला लाजपत राय लोकनायक सम्मान से सम्मानित किया गया इस अवसर पर डा एहसान अहमद , वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर,डा. विनय श्रीवास्तव,प्रेस क्लब के पूर्व महामंत्री मनोज यादव, डा प्रियंका वर्मा,कृपा शंकर राय,सत्य प्रकाश सिंह, डा .विनय झा, डा ऋतू राजपूत ,चंचला शुक्ला , डा रागिनी पाण्डेय, डा जितेंद्र मिश्रा ,प्रतिभा गुप्ता , श्वेता सिंह विसेन,दिवाकर शुक्ला,एकता गोरखपुरी, वन्दना श्रीवस्तव,कौशल किशोर नादान,अभिषेक सिंह अनुपम, अकिब अंसारी जलालुद्दीन कादरी,मकसूद आलम, राज शेख आदि विभूतिओ को भी सम्मानित किया गया।

इसुआपुर के शिवालयों में चौथी सोमवारी को उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

प्रात : किरण, संवाददाता

इसुआपुर । प्रखंड के दर्जनों शिवालियों में सावन महीने की चौथी सोमवारी को जलाभिषेक को लेकर शिव भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। सढ़वारा बाजार स्थित बाबा बिंदेश्वर नाथ धाम मंदिर में हजारों की संख्या में लोगों ने जलाभिषेक किया। वहीं भगवान भोलेनाथ से मनवांछित इच्छा पूर्ति के लिए पूजा अर्चना कर आशीर्वाद मांगा। प्रखंड के अन्य शिवालयों में भी सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना हुआ था। कई मंदिरों में रुद्राभिषेक का भी आयोजन किया गया था। बिंदेश्वर नाथ धाम मंदिर सढ़वारा के पुजारी कृष्णा गिरी का कहना था कि सावन के प्रत्येक सोमवार को जलाभिषेक करना विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। यह दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के लिए पूर्ण रूप से समर्पित होता है। इस दिन साधक उपवास रखते हैं तथा भक्ति और समर्पण के साथ भगवान शिव की आराधना करते हैं। इसुआपुर प्रखंड के बाबा बिंदेश्वर नाथ धाम मंदिर सढ़वारा, महेश्वर नाथ शिवालय बेला, बाबा लाल दास शिवालय इसुआपुर, नर्वदेश्वर नाथ शिवालय नवादा, नागेश्वर नाथ शिवालय अगौथर नंदा, शामकौरिया बाजार स्थित शिव मंदिर समेत दर्जनों शिवालियों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया तथा मनवांछित इच्छा पूर्ति के लिए आशीर्वाद मांगा।

कायाकल्प सर्टिफिकेशन को लेकर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुई बैठक

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(प.च)।शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बगहा 2 में कायाकल्प सर्टिफिकेशन की तैयारी को लेकर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें वित्तीय वर्ष 2024 -25 में यूपीएचसी / पीएचसी बगहा 2 को कायाकल्प पुरस्कार दिलाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक की गई जिसमे प्रभारी द्वारा स्वास्थ्य केंद्र के गुणवत्ता एवं मूल्यांकन में अस्पताल का रख- रखाव, साफ सफाई तथा जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, रजिस्टर रिकॉर्ड एवं अस्पताल कर्मियों की क्षमता वर्धन पर विशेष चर्चा की गई। डॉ.अरशद कमाल ने बताया कि कायाकल्प सर्टिफिकेशन हेतु आवश्यक है कि चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों की समय पर ड्यूटी हो। सभी मिलकर व्यवस्था के सुधार हेतु अथक प्रयास करें। अस्पताल में आए मरीजों को स्वच्छ वातावरण में उचित इलाज मुहैया कराया जा सके इस पर ध्यान दें। तय मानक प्राप्त अस्पतालों को मिलता है कायाकल्प पुरस्कारः पीएसआई के डीसी प्रताप सिंह कोश्यारी ने बताया कि कायाकल्प कार्यक्रम के तहत सरकारी अस्पतालों की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए कुछ मानक तैयार किये गए हैं। तय मानकों को प्राप्त करने के बाद योग्य अस्पतालों को कायाकल्प कार्यक्रम के तहत चयनित और पुरस्कृत करने का प्रावधान किया गया है। कायाकल्प सर्टिफिकेशन को लेकर बगहा अस्पताल सरकार के 8 मानकों पर सतत कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि कायाकल्प योजना के तहत अस्पतालों के लिए 50 मानक निर्धारित किये गये हैं। कायाकल्प के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम इन सुविधाओं का सर्वे करते हुए बेहतर परफामेंस के आधार पर निर्णय लेती है। निर्धारित सुविधाओं में मुख्य रूप से अस्पताल में साफ-सफाई का इंतजाम, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, रजिस्ट्रेशन काउंटर, हॉस्पिटल इंफेक्शन प्रिवेंशन मैनेजमेंट रिकार्ड कीपिंग, मेडिसिन डिस्ट्रीब्यूसन, मरीज व स्टाफ के बीच परस्पर व्यवहार, सर्पोट सर्विस सहित अन्य शामिल हैं। मौके पर जिला सलाहकार गुणवत्ता यकीनन डॉ.आलोक कुमार, शहरी जिला स्वास्थ्य सलाहकार चंद्र किशोर, पीएसआई के जिला प्रतिनिधि प्रताप सिंह कोश्यारी, सतीश कुमार एवं अस्पताल के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

रक्सौल की महिमा गुप्ता को कैट स्कोर पर एमबीए में मिला प्रवेश

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल। शहर के कोईरिया टोला की महिमा गुप्ता ने अपने परिवार की उच्च शिक्षा की विरासत को आगे बढ़ाते हुए मैनेजमेंट के क्षेत्र में एक सफल कदम बढ़ाया है। अखिल भारतीय स्तर पर ली जाने वाली ह्यकैटह्ण प्रवेश परीक्षा में मेरिट के आधार पर उन्हें नई दिल्ली स्थित गुरुगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के अग्रणी प्रबंधन संस्थान आईआईटीएम में एमबीए पाठ्यक्रम में प्रवेश मिला है। इससे पूर्व महिमा ने सीबीएसई बोर्ड से 10वीं, साइंस में 71.3%, 12वीं कॉमर्स में 71.8% और बीआर अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय से बी.कॉम. में 69.3% अंक हासिल किया। आगे एमबीए का लक्ष्य बनाया और कैट परसेंटाइल के आधार पर उन्हें इस इंस्टिट्यूट के लिए चयनित किया गया। महिमा ने अपनी 10वीं तक की पढ़ाई साइंस से की। आगे पटना के चार्टर्ड कॉमर्स इंस्टीट्यूट ने मैनेजमेंट कोर्स के प्रति रुचि जगाई और ग्रेजुएशन के दौरान रक्सौल के प्रोफेसर डॉ. हजारी प्रसाद गुप्ता का उन्हें मार्गदर्शन मिला। इस दौरान कोलकाता की लेवेल हायरिंग नामक कंपनी में बतौर एचआर रिक्रूटर इंटर्न काम करने का अनुभव भी प्राप्त किया।उल्लेखनीय है कि महिमा के दादा स्व. एस.पी. गुप्ता पीडब्लूडी बिहार के एक ख्यातिप्राप्त इंजीनियर थे। उन्होंने इलिनॉयस यूनिवर्सिटी, अमेरिका से एमएस इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की थी। महिमा के पिता डॉ. स्वयंभू शलभ ने फिजिक्स में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा के कार्यकर्ताओं ने हर घर तिरंगा फहराने एवं माँ के नाम एक वृक्ष लगाने को लेकर किया बैठक

आरा। जिले के कोइलवर प्रखण्ड में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यसमिति का बैठक किया। बैठक के दौरान भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष राकेश शर्मा के अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने हर घर तिरंगा फहराने का एवं माँ के नाम एक वृक्ष लगाने का निर्णय लिया। बैठक में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने माँ के नाम से एक वृक्ष लगाने को बात कही। साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने क्षेत्र में लोगों से भी एक-एक वृक्ष अपनी माँ के नाम पर लगाने के लिए प्रेरित करने की बात कही। बैठक में संतोष सिंह, संतोष चन्द्रवंशी, ऋतू राज, शेखर गुप्ता, श्याम प्रकाश, श्रवण गुप्ता, अजीत सिंह, संजीत रजक, पिन्टू सहनी, महेन्द्र कुशवाहा समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखिल भारतीय व्यवहारिक परीक्षा शांति पूर्ण संपन्न

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय शहर के थाना चौक के वार्ड-25 स्थित सोमवार को आईटीआई जय माता दी में छात्रों के बीच आखिल भारतीय व्यवहारिक परीक्षा आयोजित हुई। जिस परीक्षा का संचालन राजस्व पदाधिकारी दंडाधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुई। संचालित परीक्षा में शामिल छात्र-छात्राओं निशा निर्देश का पालन करते हुए परीक्षा में भाग लिया। जिस परीक्षा को संपन्न कराने में स्थानीय प्रशासन राम बिलास, रंजन कुमार का सराहनीय योगदान रहा।

एड्स पीड़ित सहित छह अभियुक्त दोषी करार

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एडिजे दस सौरभ सिंह ने रफीगंज थाना कांड संख्या -41/12 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए छः अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। एपीपी अनिल कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि अभियुक्त सन्नी देओल, बालदेव प्रसाद, सरोज लाल, अनील लाल, दिलीप लाल और मनोज लाल चरकुपा रफीगंज को भादंवि धारा -307,149 में दोषी करार दिया है। सजा के बिन्दु पर सुनवाई के तिथि 20/08/24 निर्धारित किया गया है अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि दोनों पक्ष गोतिया है बच्चों के लडाई में बड़े उलझ गए थे जो हिंसा के रूप ले लिया था। प्राथमिकी सूचक सिकंदर लाल चरकुपा रफीगंज 08/03/12 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें कहा था कि दोनों पक्ष के बच्चों में दिन में झगड़ा हुआ था। अभियुक्तों ने रात में घर पर आकर हथियार से हमला कर दिया जिससे सुचक समेत अरूण लाल और चंदन कुमार घायल हो गए थे, अभियोजन की ओर से डाक्टर, आई ओ सहित 10 गवाही हुए थे। अभियुक्त मनोज लाल एक पैर से घायल है चल फिर नहीं सकता है तथा एड्स पीड़ित हैं इस बात की जानकारी आज बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने न्यायालय में आवेदन से दी है।

जल जमाव समस्या को लेकर मोहल्ले के लोग पहुँचे नगर परिसद

शेरघाटी ।जल जमाव की हो रहे समस्या एवं पानी के निकासी नहीं होने से मोहल्ला वासियों को हो रही समस्या को लेकर सोमवार को शहर के मोहम्मदिया मदरसा रोड के रहने वाले मोहल्ला वासी इसके शिकायत लेकर पहुंचे शेरघाटी नगर परिषद कार्यालय, उक्त दौरान उन्होंने मुख्य पार्षद प्रतिनिधि पवन किशोर को मोहल्ला में हो रहे जल जमाव की समस्या एवं नाली ना होने से लोगों के परेशानी से जूझना पड़ रहा है। इससे उन्होंने अवगत करवाया और कहा कि मोहल्ले में नाली के निकासी एवं सड़क नहीं होने से जल जमाव की समस्या लगातार बनी रहती है। जिससे घरों में भी पानी चली जाती है वहीं इस पर संज्ञान लेते हुए मुख्य पार्षद प्रतिनिधि पवन किशोर ने कहा कि समस्या को दूर करने का पूरा भरोसा दिलाया। इसके लिए जल्द ही सड़क एवं नाली का निर्माण कराया जाएगा जिससे मोहल्ला वासियों को सहायता मिल पाएगी।

नवादेय विधालय जेठियन के सांसद प्रतिनिधि बने डॉ नंदकिशोर

गया। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह जहानाबाद लोकसभा सांसद सुरेन्द्र प्रसाद यादव ने नवोदय विद्यालय जेठियन के लिए गया के पूर्व जिला पार्षद सह राजद बुद्धजीवी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष डॉ नंदकिशोर प्रसाद को अपना प्रतिनिधि मनोनीत किया है।अब वे नवोदय विद्यालय प्रबंधकारणी समिति के सांसद प्रतिनिधि के रुप मे सभी जरुरी बैठको मे शामिल होकर एवं सभी आवश्यक बैठक में उपस्थित होकर योगदान करेगे, इन्हें सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने पर कार्यकताओं एवं शुभचिंतक मे खुशी की लहर है।

बाल विवाह के विरुद्ध अभियान चला कर किया जा रहा है लोगों को जागरूक

प्रात: किरण संवाददाता

आरा:बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बाल विवाह के विरुद्ध छात्र -छात्राओं को जागरूक करने के लिए आरा प्रखण्ड के खजुरिया गाँव के हाई स्कूल में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन व संस्था दिशा एक प्रयास के संयुक्त तत्वाधान में विद्यालय के प्रधानाध्यापक ,शिक्षक और छात्र - छात्राओं के बीच बाल विवाह के प्रति जागरूक किया गया । ये बताया गया की बाल विवाह हिंसा का एक उदहारण है , जिससे महिलाओ और लड़कियों को जीवन भर यौन, शारीरिक, मानसिक और मनोवैज्ञानिक से संबंधित परिणाम जैसे खराब स्वस्थ्य और अवसाद बना रहता है स्पष्ट रूप से ये बताया गए की १८ साल से काम उम्र की लड़की और २१ साल से कम उम्र के लड़के की शादी करना समाजिक बुराई के साथ-साथ कानूनी अपराध भी है इस प्रकार के शादियों के कारण ही लड़के लड़कियों के मानसिक ,शारीरिक,शैक्षिणक और आर्थिक विकास नहीं हो पाते हैं। इस प्रकार के कुरुतियों को हमें रोकना होगो लोगों को जागरूक करना होगा ताकि बाल विवाह समाज में पूरी तरह बंद हो सके इसके लिए हम सभी को बाल विवाह न करने और न करने देने का संकल्प कर लोगों को जागरूक करना होगो और अगर इसके अलावा कोई भी अभिभावक अपनी लड़की की शादी १८ साल से कम उम्र और लड़के की शादी २१ साल से कम उम्र में शादी करवाते है तो बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के अनुसार उन्हें २ साल की कारावास की सजा या १ लाख का जुमार्ना अथवा दोनों से दण्डित किया जा सकता है बाल विवाह करवाने वाले माता-पिता के साथ साथ विवाह में शामिल होने वाले काजी,पंडित जी,टेंट एवं बैंड वाले,हलवाई ,फोटोग्राफर, बाराती रिश्तेदार आदि सब अपराधी एवं सजा के पात्र बन सकते है। इस कार्यक्रम के दौरान दिशा एक प्रयास के सपोर्ट स्टाफ प्रवीण कुमार तिवारी और सी स डब्लू मुन्ना कुमार साह प्रधानध्यापक,शिक्षकगण और सभी छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

हुलास पांडे दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों से मिले

प्रात: किरण संवाददाता

आरा:लोजपा रामविलास बिहार प्रदेश संसदीय बोर्ड अध्यक्ष हुलास पांडे विगत दिनों बड़हरा के एक गांव में हुए 8 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म होने पर उनके घर परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी ली ।परिजनों ने पांडेय से न्याय दिलाने ले मांग की । पांडेय ने पीड़िता के परिजनों को भरोसा दिलाया कि पार्टी आपके इस दुख की घड़ी में साथ है,आप लोगों को डरने कि कोई बात नही है मैं जिला पुलिस प्रशासन से मांग करता हु कि स्पीडी ट्रायल चलाकर दोषी को सख्त से सख्त सजा दिलाए,क्योंकि दुष्कर्म जघन्य अपराध है।सजा होगी तब ही कोई व्यक्ति ऐसी अपराध करने से सौ बार सोचेगा। घटना की पूरी जानकारी वे अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को दी। दूसरी तरफ विगत सप्ताह रामापुर संदिया निवासी भास्कर मिश्रा के पुत्र मिहिर गर्ग की दुबई में आकस्मिक निधन होने पर उनके वर्तमान आवास पकड़ी आरा जाकर मृतक के पिता भास्कर मिश्रा से मिलकर शोक संवेदना दी।

हुलास पांडे के साथ पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान, प्रदेश सचिव सुरेंद्र आजाद,अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव संतोष पासवान,युवा प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव मनीष बुचुली ,भोजपुर जिला संसदीय बोर्ड कार्यकारी अध्यक्ष राजेश साहु, छात्र प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष रजनीश श्रीवास्तव,ललन यादव जिला उपाध्यक्ष ,लोजपा नेता कुंवर उपेंद्र सिंह, मयूर पांडे,प्रमोद पासवान,अनीश कुमार सिंह उर्फ काकू सिंह, संजय प्रसाद प्रखंड अध्यक्ष उदंतनगर, सोनू ओझा जिला उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ , अधिवक्ता धीरज कुमार जिला अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ, अरविंद ओझा संसदीय बोर्ड, प्रकाश कुमार जिला मीडिया प्रभारी,अविनाश सिसोदिया आदि लोग थे।

रण ऑफ कच्छ में फौजी भाईयों को भेजी जाएगी राखी

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। शहर के शुभ नारायण नगर मझौंवा स्थित 'शांति स्तूप' संभावना आवासीय उच्च विद्यालय के जुबली हॉल में सोमवार को राखी प्रदर्शनी सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर आयुक्त निरोज कुमार भगत, विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र, प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह, पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड के जिलाध्यक्ष मेजर राणा प्रताप सिंह, अवधेश पाण्डेय एवं राम कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। मंच संचालन शिक्षक अरविंद ओझा एवं धन्यवाद ज्ञापन कला शिक्षक संजीव सिन्हा ने की। राखी मेकिंग कार्यशाला में वर्ग 6 से लेकर 12वीं तक के 150 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि नगर आयुक्त निरोज कुमार भगत ने कहा कि राखी प्रदर्शनी अद्वितीय है। प्रदर्शनी में बच्चों ने अपनी छिपी प्रतिभा को उकेरा है। राखी मेकिंग कार्यशाला का जो उद्देश्य है। वह काफी सुन्दर व भावनात्मक है। सरहद पर तैनात फौजी भाईयों को राखी भेज कर विद्यालय के बच्चों ने मिशाल कायम किया है। फौजी भाई विषम परिस्थितियों में हमारी रक्षा करते है। बच्चों को सफलता का गुर सिखाते हुए नगर आयुक्त ने कहा कि स्कूल शिक्षा के बाद आपको लाइफ की प्रतियोगिता का जंग जीतना है। अभी से लक्ष्य का निर्धारण करें। आप बैंकिंग, शिक्षण, वन, कृषि, खेल व अन्य क्षेत्र में आप मेहनत कर लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। पुराने समय में इंटरनेट नहीं था। आज नेट का युग है। जिस विषय में आपकी रुचि हो। उसी का चयन करें। मेहनत करें और धैर्य रखें। निश्चित रूप से आपको सफलता मिलेगी। असफलता ही सफलता की सीढ़ी है। मेजर राणा प्रताप सिंह ने कहा कि पहले रक्षा बंधन पर फौजी भाईयो को राखी काफी दिनो के बाद मिलता है। पहले के मुकाबले आज का दौर बदल गया। अब बहुत जल्द ही राखी मिल जाती है। फौजी भाईयो को राखी भेजना गर्व की बात है। इसके लिए विद्यालय परिवार को धन्यवाद। प्रबंध निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र ने कहा कि चार दिवसीय राखी मेकिंग कार्यशाला में 1120 राखियों का निर्माण हुआ। जिसमें कला शिक्षक बिष्णु शंकर एवं संजीव सिन्हा ने काफी मेहनत किया। पिछले डेढ़ दशक से यह कार्यशाला आयोजित हो रहा है। विद्यालय परिसर में ही बच्चों द्वारा निर्मित राखियो की प्रदर्शनी लगाई गई। संभावना का उद्देश्य है कि यहां के बच्चे कार्यकुशल हो। संभावना स्कूल इस बार 15 अगस्त को अपना 28 वां वर्षगांठ मना रहा है। इस विद्यालय ने अब तक अनेको आईएएस, आईपीएस, आईआईटीयन, इंजीनियर और डाक्टर दिए हैं। सैकड़ों फौजी जवानों को तैयार किया है। स्वागत भाषण देते हुए प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि प्रत्येक पर्व-त्योहार किसी न किसी रिश्ते से जुड़ा होता है। हमारे देश की सरहद पर वैसे फौजी भाई भी तैनात होते है, जो विषम परिस्थितियों में वतन के साथ-साथ हमारी रक्षा करते है। हम बहनें भी फौजी भाईयों को राखी भेज कर अपनी भावना को प्रदर्शित करती है। पिछली बार स्कूल के बच्चो द्वारा बनाई गई राखी को भारत-चीन सीमा पर गलवान घाटी भेजा गया था। इस बार कार्यशाला में बच्चो द्वारा निर्मित राखी भारत-पाकिस्तान सीमा पर रण आ फ कच्छ में भेजा जाएगा। इस मौके पर राम कुमार सिंह एवं अवधेश पांडेय ने भी अपना-अपना वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि को विद्यालय के निदेशक द्वारा प्रतीक चिन्ह लेकर सम्मानित किया गया। वहीं अन्य अतिथियों को प्राचार्या एवं निदेशक द्वारा संयुक्त रूप से पौधा देकर स्वागत किया गया। प्रदर्शनी का स्वावलोकन मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि नगर आयुक्त निरोज कुमार भगत व अन्य अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट राखी निर्माण करने वाले बच्चों को मोमेंटो एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले बच्चों में जिया सिंह, अनन्या कुमारी, आराध्या कुमारी, जानवी, शैहेला जबी, आराध्या कुमारी, सौम्या ओझा, स्वस्तिका, कृष्ण कुमार, मुस्कान राज, प्रीति सिंह, अभिनीत सिंह हैं। वहीं राखी पर आधारित कविता में लिखने वाले बच्चों में आन्या, कृष्ण कुमार एवं आराध्या को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

रोहतास कैमूर की पहाड़ी पर देखा गया तेंदुआ, गुप्ता धाम जाने वाले रास्ते पर देखा गया तेंदुआ

रोहतास (बिहार)। रोहतास जिले के चेनारी के रोहतास-कैमूर पहाड़ी के उगहनी गाँव के पास जंगल में आज सुबह से एक तेंदुआ देखा जा रहा है। यह तेंदुआ चुपचाप जंगल में एक किनारे पत्थर पर बैठा हुआ है। बड़ी बात है कि आस-पास से कांवरिया भी आ जा रहे हैं। लेकिन यह तेंदुआ कावरिया को डिस्टर्ब नहीं कर रहा है। गुप्ता धाम जाने वाले कांवरिया भी तेंदुआ को देखते हुए भी बगल से गुजर रहे हैं। चुकी वन विभाग को जब इसकी सूचना मिली तो पूरी टीम मौके पर पहुंची है तथा तेंदुआ को रेस्क्यू कर और अंदर जंगल में छोड़ने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। तस्वीरों में आप देख सकते हैं किस प्रकार तेंदुआ जंगल में एक पत्थर पर आराम से सुस्ता रहा है। बता दे की कैमूर पहाड़ी वन्य जीव प्राणियों खासकर तेंदुआ, टाइगर आदि के लिए अभयारण्य है। समय-समय पर तेंदुआ जंगल में दिखाई देता है। चुकी तेंदुआ जंगल से निकलकर कही रिहायसी इलाके में न आ जाए। जिसको देखते हुए फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के लोग मौके पर पहुंचे हैं तथा उसे रेस्क्यू कर जंगल के अंदर छोड़ने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर

भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम ने स्थानीय कार्यालय शहीद भवन में किया किया प्रेस-वार्ता

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहार की बदहाल व्यवस्था को दूर करने और बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम जी ने स्थानीय कार्यालय शहीद भवन आरा में एक प्रेस-वार्ता का आयोजन किया। प्रेष को सम्बोन्धित करते हुए भोजपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बिहार को विशेष राज्य के दर्जे दिलाने की मांग को लेकर प्रतिबद्ध है। बिहार से झारखंड अलग होने के बाद हमारा प्रदेश खनिज संपदा से पूरी तरह बंचित हो गया है। रोजगार सृजन के साधन-संशाधन भी सीमित हो गए हैं। वैसे में प्रतिब्यक्ति आय भी इतनी कम हो चुकी है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के अलावा यहां की जनता के पास कोई विकल्प नही हैं। बिहार में प्रशासनिक, वितीय और शैक्षणिक ब्यवस्था पूरी तरह बे पटरी हो चुकी है। डबल इंजन की सरकार कुम्भकर्णी निंद्रा में हैं। जब से नीतीश जी भाजपा के साथ गए है बिशेष राज्य के दर्जे की मांग भूल चुके है। बजट में आर्थिक पैकेज के नाम पर बिहार को बरगलाया गया है। प्रधानमंत्री बिहार के प्रति शुरू से सौतेला ब्यवहार बनाये हुए है। झूठ बोलने की उनकी पुरानी बेमारी है। बिहार के प्रति उनकी सारी घोषणाएं शुरू से जुमला साबित हुई है। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस के निदेर्शानुसार दिनांक 13 और 14 अगस्त को बिहार के सभी प्रखण्ड मुख्यालयों पर धरना आयोजित किया जाएगा।

संवाददाता सम्मेलन में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष अशोक राम, डॉ अमित कुमार द्विवेदी, उपेंद्र सिंह मुखिया, घनश्याम उपाध्याय, अशोक यादव, प्रेम प्रकाश पांडेय उर्फ झुना जी, सत्यप्रकाश राय, राकेश त्रिपाठी, नागेंद्र मिश्रा, शिव शंकर चौबे, बिजली बाबा, हीरा दुबे, रविन्द्र कुमार रवि, मनोज कुमार अंजनी, राजेश कुमार, अंजनी कुमार पांडेय, सम्पत कुमार सिंह, आंजय राय, नंदजी राम, घनश्याम चौधरी, विजय शंकर चौबे, आदित्य सिंह सहित दर्जनों नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संदेश मे मंडल विस्तृत कार्यसमिति कार्यक्रम संपन्न हुआ

प्रात: किरण संवाददाता

भोजपुर। भाजपा संदेश मंडल कार्यसमिति की बैठक पुस्तकालय भवन मंडल कार्यालय संदेश में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता संदेश मंडल अध्यक्ष लवकुश पंडित ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि एवं वंदे मातरम् गान के साथ शुभारंभ किया गया।

- बैठक में पार्टी के कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें अनुसूचित जाती एवं अतिपिछड़ा समाज को जोड़ने के लिए योजना बनाना।
- मंडल कार्यसमिति की समीक्षा करना ।
- _सभी मंच मोर्चो के कार्यसमिति की समीक्षा करना ।
- _4 प्रकोष्टो के महादलित, सहकारिता, पंचायती राज, मतस्य जीवी टीमों की गठन की समीक्षा करना ।
- _शक्ति केंद्र स्तर पर प्रभावी व्यक्तियो की सुची बनाना ।

ड्_मन की बात हर बूथ पर हो सुनिश्चित करना ।

- _एवं हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाना ।

इन सभी कार्यक्रमों पर गहन समीक्षा की गई । बैठक में संदेश विधानसभा प्रभारी संतोष चंद्रवंशी,पूर्व मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश सिन्हा,शिवजी सिंह,मंडल प्रवक्ता विपिन कुमार, विश्वास जी, कार्यालय प्रभारी अभय सिंह, उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, मंडल मंत्री सतीश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष एकराम सिंह, शक्ति केंद्र प्रमुख कोरी रघुराज उपाध्याय, शक्ति केंद्र प्रमुख चिलोहस नंदकुमार सिंह, शक्ति केंद्र प्रमुख संदेश विकास कुमार, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष अमित उपाध्याय, श्री भगवान सिंह, गोपाल मिश्रा, अति पिछड़ा अध्यक्ष सुशील कुमार केसरी,राजीव कुमार, संतोष कुमार ,नारायण जी, अरविंद सिंह, आदि दर्जनो कार्यकताओं उपस्थित हुए।

बिहार को विशेष राज्य के दज को लेकर कांग्रेस करेगी आंदोलन सासाराम सांसद और बक्सर विधायक ने आंदोलन की दी जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

रोहतास (बिहार)। बिहार को विशेष राज्य की दर्जा की मांग को लेकर सासाराम में कांग्रेस के नेताओं ने हल्ला बोल दिया है। सासाराम से कांग्रेस के सांसद मनोज कुमार तथा बक्सर से कॉग्रेस विधायक मुन्ना तिवारी ने सासाराम में प्रेसवार्ता कर बताया कि 13 और 14 अगस्त से विशेष राज्य की दर्जा की मांग को लेकर आंदोलन की शुरूआत की जा रही है। जिसमें केंद्र सरकार को घेरने का काम किया जाएगा। सीएम नीतीश कुमार जब भाजपा से अलग होते हैं तो उन्हें विशेष राज्य का दर्जा का मामला याद आता है और ज्योही भाजपा के साथ जाते हैं, सिर्फ पैकेज लेकर आ जाते हैं। तो अब सिर्फ पैकेज से काम नहीं चलेगा। नेताओं ने कहा कि अगर कैंसर का इलाज सिर्फ पारासिटामोल से करने कीय कोशिश की गई तो यह ठीक नहीं होगा। इसके लिए पूरी तरह से कीमोथेरेपी चलानी पड़ेगी और वही हाल बिहार का है। बिहार को पैकेज से काम नहीं चलेगा। उसे विशेष राज्य का दर्जा चाहिए। जब तक बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा, तब तक बिहार देश के अन्य राज्यों के विकास के रफ्तार से रफ्तार मिलाकर नहीं चल सकता है। ऐसे में बिहार की सरकार को भी केंद्र पर दबाव बनाना चाहिए कि बिहार को जल्द से जल्द विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए। कांग्रेस के सासाराम के सांसद मनोज कुमार ने भी विशेष राज्य की दर्जा को बिहार का हक बताया है।

संत शिरोमणि तुलसीदास रचित रामचरितमानस वर्तमान युवा पीढ़ी के लिए प्रासंगिक

औरंगाबाद। कर्मा रोड बिजली ऑफिस में अवस्थित शिवमन्दिर प्रांगण में विश्वनाथ सत्संग समिति के द्वारा संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती भक्तिपूर्ण माहौल में धूमधाम से मनाई गई। सर्वप्रथम पुजारी नीरज पाठक के आचार्यत्व में मन्दिर में विराजित देवी देवताओं एवं गोस्वामी तुलसीदास की पूजा अर्चना की गई। तदुपरांत रामकथा समर्पित गोलोकवासी राम उत्साह पाण्डेय एवं प्रो एस पी राय की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। सामूहिक मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानसप्रेमी मुरारी पाण्डेय ने की। संचालन करते हुए अवकाशप्राप्त शिक्षक विष्णुदेव शर्मा ने संत तुलसी के जीवन पर प्रकाश डाला। सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य व मानस रसिक वीरेन्द्र सिंह ने अपनी आध्यात्मिक चर्चा में तुलसी एवं उनकी रचनाओं के विविध पहलुओं को जन मानस के बीच स्थापित करते हुए कहा कि रामकथा जीवन के उलझनों और समस्याओं को दूर करने का सशक्त माध्यम है। शिक्षक व उद्घोषक डॉ हेरम्ब कुमार मिश्र ने संगीतमयी रामकथा के द्वारा यह बल दिया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में युवापीढ़ी को रामचरितमानस के प्रति जागरूक करने की नितांत आवश्यकता है क्योंकि तुलसीकृत मानस का हर प्रसंग जीवन जीने की कला सिखाता है ।बच्चों में शुरू से की मानस पढ़ने,समझने और अंगीकृत करने की ललक पैदा करनी चाहिए। समिति के अभिभावक जगदीश पाण्डेय ने शुभकामनाओं के साथ यह कहा कि विश्वनाथ सत्संग समिति अनवरत आध्यात्मिक पथ अनुसरण के लिए प्रेरित करती है। इसी उद्देश्य से इस शिवमन्दिर में प्रतिदिन सन्ध्याकाल में भगवत गुणानुवाद व कीर्तन होता है और मंगल व शनिवार को मानस के निर्धारित प्रसंग पर विस्तृत कथा वार्त्ता होती है। लोगों ने बताया कि उदय कुमार,बैजनाथ प्रसाद सिंह,अखिलेश प्रसाद सिंह आदि समिति के ऐसे भक्त श्रद्धालु हैं जो इस मंदिर के कार्यक्रमों एवं सत्संग अनुष्ठानों के लिए पूर्णतः समर्पित रहा करते हैं। लॉर्ड बुद्धा पब्लिक स्कूल के निदेशक डॉ धनञ्जय कुमार ने कहा कि मानस के उन पक्षों को लोगों के बीच अवश्य लाया जाना चाहिए जो पारिवारिक एवं सामाजिक समरसता के लिए प्रेरित करती हैं।

देश की आन-बान-शान के लिए निकाली गई 20 किमी लंबी तिरंगा यात्रा

प्रात: किरण संवाददाता

गया। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी देश के 77वें स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर गया जिले के प्रतिष्ठित चिकित्सीय संस्थान 'बच्चों का अस्पताल' के तत्वावधान में रविवार 11 अगस्त को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई हू। जिले के प्रसिद्ध नवजात एवं शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. बीडी शर्मा के नेतृत्व में यह तिरंगा यात्रा गांधी इंटर स्कूल, कोंच से टिकारी राज इंटर, टिकारी तक निकाली गई। देश की आन-बान-शान के लिए निकाली गई करीब 20 किमी लंबी इस तिरंगा यात्रा में देशभक्त हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लिये भारत माता का जयघोष करते दिखे। देशभक्ति गीतों और नारों से पूरा इलाका गुंजायमान हो उठा। सड़क पर तिरंगा लिये युवा, जवान एवं बुजुर्ग, सभी उम्र के देशभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। वाहनों एवं रथों पर सुसज्जित देशभक्ति से ओत-प्रोत मनमोहक झांकियों रास्ते में सभी लोगों का दिल जीत लिया। न्यू स्टाइल डांस एंड फिटनेस एकेडमी, टिकारी एवं मऊ के कलाकारों ने रास्ते में जगह - जगह पर देशभक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटकों से खूब वाहवाही लूटी है। कलाकारों के अभिनय देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। यात्रा के समापन स्थल पर एक सभा हुई है ।जिसमें टिकारी विधानसभा क्षेत्र समेत अन्य इलाके के शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया है। इस यात्रा में गया जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े सैकड़ों लोग शामिल हुए हैं।

तिरंगा यात्रा के आयोजक डॉ. बीडी शर्मा ने बताया कि इस बार भव्य तिरंगा यात्रा का दूसरा संस्करण है ।जो पहले से ज्यादा भव्य रहा है। पहले संस्करण की अपेक्षा इस बार तिरंगा यात्रा में करीब तिगुने की संख्या में देशभक्त स्वेच्छा से शामिल हुए। उन्होंने बताया कि यह यात्रा देश की आन-बान-शान को बनाए रखने और आपसी भाईचारा को बढ़ावा देने के उद्देश से निकाली गई है। इस यात्रा में सभी धर्म-संप्रदाय के देशभक्त शामिल हुए हैं। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस तरह की यात्रा से ही भारत की अखंडता बचायी जा सकती है। यात्रा के दौरान बच्चों का अस्पताल प्रबंधन एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की तरफ से जगह-जगह पर जलपान की भी व्यवस्था की गयी थी ।टीईटी शिक्षक संघ बीएमएस, बिहार के गया जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि इस यात्रा का एकमात्र उद्देश आम लोगों में देशभक्ति की भावना को और प्रगाढ़ करना है। हमलोग पहले भारतीय हैं, फिर किसी धर्म या जाति के हो इस यात्रा में शामिल हुए वायुसेना के रिटायर्ड विंग कमांडर बिनोद प्रसाद, लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. डीएन सिंह, डॉ. राजीव रंजन, समाजसेवी सह आशीर्वाद हॉस्पिटल के व्यवस्थापक राधेकांत शर्मा, समाजसेवी संतोष कुमार, अधिवक्ता शंभूनाथ यादव शिक्षक नेता नीरज कुमार, श्री महावीर सोशल डेवलपमेंट फाउंडेशन के संस्थापक आशुतोष कुमार (बड़े), भारत विकास परिषद के अमृतेश जी, बिट्रीज फार्मा के निखिल कुमार, समाजसेवी नासिर आलम एवं डांस गुरु गौतम बाबा समेत अन्य अतिथियों ने कहा कि डॉ. बीडी शर्मा का प्रयास प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। यह तिरंगा यात्रा समस्त भारतीयों की यात्रा है। इस तिरंगा यात्रा में गया समेत अन्य जिलों से भी देशभक्त शामिल होकर ना सिर्फ.देशप्रेम का परिचय दिया, बल्कि बिहार समेत देश-दुनिया में राष्ट्रीयता की एक मिसाल भी कायम करने का प्रयास किया है ।इस मौके पर सत्येन्द्र शर्मा, नर्मदेश्वर शर्मा, गौतम शर्मा, शमशेर भाई, शशांक शेखर, आयुष कुमार, हर्ष कुमार, सन्नी कुमार, आलोक कुमार, अबोध राज, प्रवीण कुमार, दिव्यांशु कुमार समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े सैकड़ों गण्यमान लोग एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे हैं।

मौसमी कर्मियों की बैठक आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। मौसमी कर्मचारियों को चाहिए कि वे इधर-उधर की छोटी-मोटी बातों पर ध्यान देने के बजाए सालों भर काम का प्रावधान तथा अपनी सेवा का नियमितीकरण पर अपने ध्यान उसी तरह से केन्द्रित करें जैसे महाभारत में अर्जुन ने सिर्फ मछली की आंख पर अपना ध्यान केन्द्रित कर निशाना लगाया था। उक्त बातें बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ (गोप गुट) के जिला सचिव सत्येन्द्र कुमार ने यहां सिंचाई विभाग के कार्यालय प्रांगण में आयोजित मौसमी कर्मियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए कही ।उन्होंने कहा कि मौसमी कर्मियों को अपने उक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जिला स्तर से लेकर राज्य स्तर तक जुझारू और धारावाहिक संघर्ष चलाना होगा तथा साथ हीं हाई कोर्ट के स्तर पर इस संदर्भ में पूर्व से लंबित मुकदमे भी पूरी गंभीरता से लड़ने होंगे । उपस्थित मौसमी कर्मियों को संबोधित करते हुए महासंघ के संरक्षक राजाराम सिंह ने कहा कि आप लोगों की चट्टानी एकता हीं संघर्षो में आपकी जीत की गारंटी होगी जबकि संघर्षो के दौरान धैर्य आप लोगों का सबसे बड़ा संबल होगा। बैठक में जलसंसाधन विभाग के अभियंता-प्रमुख,पटना द्वारा जारी किए गए से रडढ में संशोधन कर मौसमी मेठो की छंटनी का आदेश विलोपित करने,सभी मौसमी-दैनिक-वेतनभोगी कर्मियों की सेवा नियमित करने तथा सेवा का नियमितीकरण होने तक उन्हें सालों भर काम देने, नहरों पर मौसमी-मेठों की संख्या पूर्व की तरह करने, अभी के स्वीकृत संख्या बल को ध्यान में रखते हुए स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा तार्किक ढंग से पहले वरीय मौसमी कर्मियों को हीं काम पर रखने,तत्पश्चात अन्य मौसमी कर्मियों को भी काम पर रखने,सभी मौसमी कर्मियों को परिचय पत्र देने,मौसमी कर्मियों को टार्च,सिटी,वर्दी,इत्यादि देने एवं अन्य 17- सूत्री मांगों की पूर्ति हेतु एक व्यापक रणनीति तैयार की गई तथा ठोस निर्णय लिया गया। इसके अलावा मौसमी कर्मियों की सेवा के नियमितीकरण से संबंधित पूर्व से हाई कोर्ट में लंबित मुकदमे को भी पूरी गंभीरता से लड़ने का निर्णय लिया गया । इस अहम बैठक की अध्यक्षता दाऊदनगर सिंचाई प्रमंडलीय कमिटी के अध्यक्ष- रविन्द्र कुमार ने की ; जबकि संचालन संघ के सचिव- अरविन्द कुमार ने किया । इनके अलावा इस बैठक में संघ के राज्याध्यक्ष- जयराम सिंह तथा कोषाध्यक्ष- रविशंकर कुमार, उपाध्यक्ष- छठन राम, सत्येन्द्र पासवान, नंदू प्रसाद सिंह,मुनेश्वर पासवान,रामजीवन राम,छोटन सिंह,विद्याभूषण कुमार,अमर कुमार सहित बड़ी संख्या में अन्य मौसमी कर्मी भी इस सभा में उपस्थित रहे।

'वसुधा' में अहम किरदार निभाती नजर आएंगी नौशीन अली सरदार

अभिनेत्री नौशीन अली सरदार आगामी शो वसुधा में मुख्य भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि यह उनकी अब तक की सबसे जटिल भूमिकाओं में से एक है। धारावाहिक 'कुसुम' में अपनी मुख्य भूमिका के लिए प्रसिद्ध नौशीन इस नए शो में चर्चित चंद्रिका सिंह चौहान की भूमिका निभाती नजर आएंगी। इस बारे में बात करते हुए नौशीन ने कहा, इस तरह की अनूठी भूमिका के साथ वापसी करना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। चंद्रिका एक सशक्त स्व-निर्मित महिला हैं, जो अनुशासन और ईमानदारी के सख्त नियमों का पालन करती हैं, जो एक कलाकार के रूप में मेरे लिए एक नई और रोमांचक चुनौती है। उन्होंने कहा, यह किरदार मेरे द्वारा अब तक निभाए गए सबसे जटिल किरदारों में से एक है। कलाकारों और क्रू ने असाधारण रूप से इसमें मेरा सहयोग किया है। नौशीन ने कहा कि हमने हाल ही में उदयपुर में एक आउटडोर शेड्यूल पूरा किया है और जल्द ही अब मुंबई में शूटिंग शुरू करेंगे। मैं दर्शकों को जटिल रिश्तों और उस शक्तिशाली कथा को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। इस शो में प्रिया ठाकुर भी नजर आएंगी जो वसुंधरा नामक मासूम लड़की की भूमिका निभाएंगी, जो अनुशासित और शहरी जीवन शैली से अनभिज्ञ है। वह दुनिया को भोलेपन की नजर से देखती है। उसे यह लगता है हर कोई उसके जैसा है। वह अनजाने में चंद्रिका को प्रभावित करने की कोशिश में मुसीबत में पड़ जाती है। अपनी भूमिका और शो के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, मेरे डेब्यू के लिए इससे बेहतर मंच और नहीं हो सकता था। वसुंधरा की यात्रा में उसके जीवन में आने वाली जटिलताओं को चित्रित करना बहुत दिलचस्प होगा। नौशीन मैम के साथ काम करना एक अविश्वसनीय सीखने का अनुभव होगा। उन्होंने कहा, शूटिंग का हर दिन एक अभिनेता के तौर पर आगे बढ़ने के लिए नई अंतर्दृष्टि और अवसर लेकर आता है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हम पर अपना प्यार बरसाएंगे। अरविंद बब्बल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित शो 'वसुधा' उदयपुर पर आधारित है। इसकी कहानी एक शक्तिशाली महिला के इर्द-गिर्द घूमती है। जो अपने द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार जीती है। सोने के दिल के साथ, वह सही के लिए खड़ी होती है।

सिटाडेल हनी बनी के अलावा बंगाराम में भी दिखेगा जलवा

एक्शन-रोमांस करती दिखेंगी सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु एक भारतीय अभिनेत्री हैं, जो मुख्य रूप से तेलुगु और तमिल सिनेमा में काम करती हैं। इन दिनों सामंथा अपनी आगामी कई फिल्मों और सीरीज को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। बहरहाल, सामंथा अपनी आगामी वेब सीरीज सिटाडेल-हनी बनी के प्रमोशन में व्यस्त हैं।

सामंथा की आने वाली सीरीज सिटाडेल - हनी बनी की। इस सीरीज में सामंथा के साथ नजर आएंगे वरुण धवन। इस सीरीज में आपको जबर्दस्त एक्शन के साथ रोमांस भी नजर आएगा। यह 7 नवंबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। बता दें इस बहुप्रतीक्षित सीरीज को राज और डीके ने मिलकर बनाया है। प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन अभिनीत साल 2023 की सीरीज का यह हिंदी रूपांतरण है। फिल्म बंगाराम की घोषणा सामंथा के जन्मदिन पर की गई थी। इस फिल्म का पोस्टर आते ही यह फिल्म चर्चा का विषय बन गई थी। इस पोस्टर को लेकर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने कमेंट किया, लेकिन सभी की निगाहें एक कमेंट पर सबसे ज्यादा टिकीं, जिस पर लिखा था सामंथा इस फिल्म के पोस्टर में नरगिस की फिल्म मदर इंडिया जैसी दिख रही हैं। इस फिल्म के पोस्टर में सामंथा साड़ी पहने और हाथ में बंदूक ताने नजर आ रही हैं। फिल्म के इस पोस्टर के साथ सामंथा ने लिखा था, सुनहरा होने के लिए हर चीज का चमकना जरूरी नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जवान निर्देशक एटली की फिल्म में सामंथा नजर आएंगी। इस फिल्म में सामंथ रुथ प्रभु के साथ अल्लू अर्जुन की जोड़ी साथ में देखने को मिलेगी। बहरहाल, अभी तक इस फिल्म को लेकर किसी प्रकार की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन सामंथा के साथ अल्लू की जोड़ी को देखने के लिए फैंस हमेशा ही उत्सुक रहते हैं। बहरहाल, यह तो हो गई फिल्मों की बात, इसके अलावा मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह जानकारी भी सामने आई थी कि पहले पुष्पा2 - द रूल में सामंथा रुथ प्रभु एक बार फिर से गाने में धमाल मचाती नजर आएंगी, जैसा वो पहले पुष्पा- द राइज के गाने ऊ अंटवा में करती नजर आई थीं, लेकिन अब अफवाहें हैं कि फिल्म पुष्पा 2 में एक आइटम सॉन्ग तो होगा, लेकिन उसे तृप्ति डिमरी करती नजर आएंगी।

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा 2 की कहानी पर काम कर रहीं जोया?

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा निर्माता जोया अख्तर की सबसे सफल फिल्मों में से एक है। फिल्म निर्माता ने 2011 में ऋतिक रोशन, कैटरीना कैफ, फरहान अख्तर, अभय देओल और कल्कि केकलां जैसी शानदार स्टारकास्ट के साथ इस फिल्म का निर्देशन किया था। जिंदगी ना मिलेगी दोबारा को रिलीज हुए एक दशक से ज्यादा हो गया है, लेकिन यह अभी भी प्रासंगिक है। प्रशंसक लंबे समय से जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं और अब हाल ही में एक चैट शो में फरहान ने जिंदगी ना मिलेगी दोबारा 2 के बारे में एक अपडेट साझा किया है।

सीक्वल पर क्या बोले फरहान

हाल ही में फरहान अख्तर ने जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के सीक्वल के बारे में कुछ बातें साझा कीं। हालांकि, फरहान अख्तर ने शुरू में कहा कि उन्हें जिंदगी ना मिलेगी दोबारा 2 के बारे में जोया से पूछना चाहिए, उन्होंने कहा कि अगर सीक्वल बनता है तो वे 100 प्रतिशत उसमें काम करेंगे। उन्होंने कहा, मैं इसे करने के लिए अपना हाथ दे सकता हूं। ऋतिक, कैटरीना, अभय, सभी ने जोया से कहा है कि कृपया कुछ सोचें। ईमानदारी से कहूं तो वह उम्मीद कर रही हैं कि वह इस बारे में सोचेगी।

कब बनाएगा फिल्म का सीक्वल

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के अभिनेता फरहान अख्तर द्वारा फिल्म के सीक्वल के बारे में बात करने से बहुत पहले जोया ने फिल्म की दूसरी किस्त के बारे में बताया था। एएनआई से बात करते हुए जोया ने कहा था कि ने उल्लेख किया कि अगर उन्हें भाग दो के लिए आत्मा मिल जाए तो वह जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का सीक्वल जरूर बनाएंगी। जोया ने कहा था, हम इसे सिर्फ पैसे के लिए नहीं करना चाहते। जब दर्शक दूसरा भाग देखने आएंगे तो उनकी एक निश्चित अपेक्षा होगी और हमें उन्हें वह देना होगा, अन्यथा वे खुश नहीं होंगे।

घुड़चढ़ी से खुशाली संग डेब्यू कर रहे पार्थ

बिनॉय गांधी के डायरेक्शन में बनी फिल्म घुड़चढ़ी में 90 के दशक की मशहूर जोड़ी संजय दत्त और रवीना टंडन लंबे अरसे के बाद दर्शकों को साथ दिखाई देगी। वहीं, फिल्म में खुशाली कुमार और पार्थ समथान भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में पार्थ समथान ने इस फिल्म को लेकर बातचीत की। फिल्म घुड़चढ़ी में दिखाया गया है कि बाप- बेटे में से घोड़ी पर कौन चढ़ेगा? क्योंकि बाप- बेटे दोनों के लिए शादी के रिश्ते देखे जा रहे हैं। टीवी से फिल्मों में डेब्यू कर रहे पार्थ समथान ने कहा- फिल्म की कहानी जब हमने सुनी तो हंस-हंस के लोटपोट हो गए थे। हमारे फिल्म राइटर दीपक कपूर के फैमिली में ऐसी घटना घट चुकी है। इसमें में चिराग की भूमिका निभा रहा हूं। समझ लीजिए राइटर खुद ही चिराग हैं।

थिएटर में तभी फिल्में देखता जब लगता है कि बड़े स्टार कास्ट के साथ बढ़िया फिल्म होगी

घुड़चढ़ी थिएटर में रिलीज ना होकर ओटीटी पर रिलीज हो रही है। पार्थ ने कहा- आज की जनरेशन तो ओटीटी पर ही फिल्में देखना पसंद करती है। कोविड ने हमारे फोन पर इतने सारे ऑप्शन ला दिए हैं कि अब हमें बाहर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती है। मुझे भी जब तक नहीं लगता कि बहुत बढ़िया और बड़े स्टारकास्ट की फिल्म है, तब तक थिएटर में नहीं जाता हूं। मुझे लगता कि सैटलाइट और ओटीटी पर तो फिल्म आ ही जाएगी। वहां देख लूंगा। हम थोड़े लेजी भी हो गए हैं। लेकिन हां, थिएटर में फिल्म देखने का अपना एक अलग आनंद तो होता ही है।

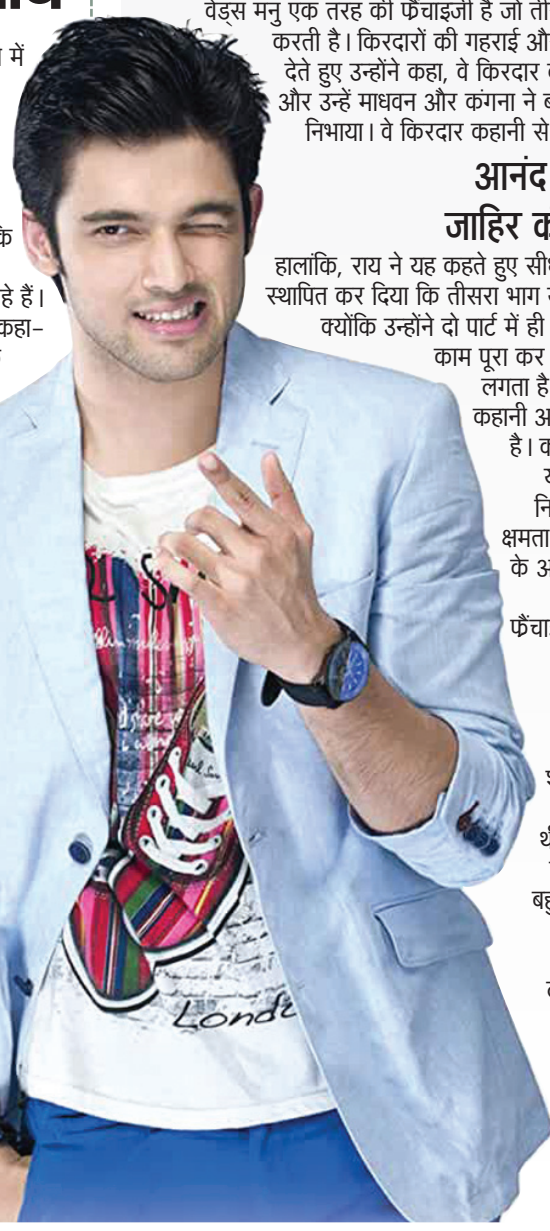

तनु वेड्स मनु 3 पर आनंद एल राय की पक्की मुहर फिर साथ आएगी कंगना रणौत-आर माधवन की जोड़ी?

आनंद एल राय ने साल 2011 में आर. माधवन और कंगना रणौत को लेकर एक फिल्म बनाई। इस फिल्म का नाम तनु वेड्स मनु था। फिल्म में छोटे शहर के रोमांस के सार को मार्मिकता से दर्शाया गया। 2015 में इसके सीक्वल, तनु वेड्स मनु रिटर्न्स ने न केवल इस यात्रा को जारी रखा, बल्कि 2019 तक भारत में एक महिला प्रधान फिल्म के लिए सबसे अधिक शुरुआती सप्ताहांत कलेक्शन हासिल करके एक बेंचमार्क भी स्थापित किया। वहीं, अब आनंद एल राय ने इसके तीसरे पार्ट पर बड़ा अपडेट दिया है, जिसे जानकर प्रशंसक गदगद हो उठे हैं।

तनु वेड्स मनु 3 पर पक्की मुहर

स्वाभाविक रूप से, प्रशंसकों के बीच संभावित तीसरी किस्त के बारे में चर्चा तेज हो गई है, और उसी पर नया अपडेट निश्चित रूप से उत्साह को बढ़ाने वाला है। न्यूज 18 शोशा से बात करते हुए, आनंद एल राय ने आशा की एक नई किरण पेश की। उन्होंने कहा, तनु वेड्स मनु एक तरह की फ्रैंचाइजी है जो तीसरे भाग की मांग करती है। किरदारों की गहराई और अपील पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, वे किरदार बहुत खूबसूरत हैं, और उन्हें माधवन और कंगना ने बहुत खूबसूरती से निभाया। वे किरदार कहानी से थोड़े बड़े हो गए।

आनंद एल राय ने जाहिर की उत्सुकता

हालांकि, राय ने यह कहते हुए सीधे तौर पर रिकॉर्ड स्थापित कर दिया कि तीसरा भाग योजना में नहीं था क्योंकि उन्होंने दो पार्ट में ही किरदारों के साथ काम पूरा कर लिया था। लेकिन लगता है तनु और मनु की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। कहानी में पात्रों का यह विकास फिल्म निर्माता की निर्देशन क्षमता और अभिनेताओं के अद्भुत प्रदर्शन दोनों का प्रमाण है। फ्रैंचाइजी की यात्रा पर विचार करते हुए, आनंद ने खुलासा किया कि किसी सीरीज की शुरुआत कभी भी मूल उद्देश्य नहीं थी। उन्होंने बताया, तनु वेड्स मनु को बहुत अच्छी तरह से पिरोया गया था। कहानी पूरी थी। लेकिन पात्र वापस आने के लिए उत्सुक थे। यही कारण है कि हम एक और कहानी बनाने में सक्षम थे।

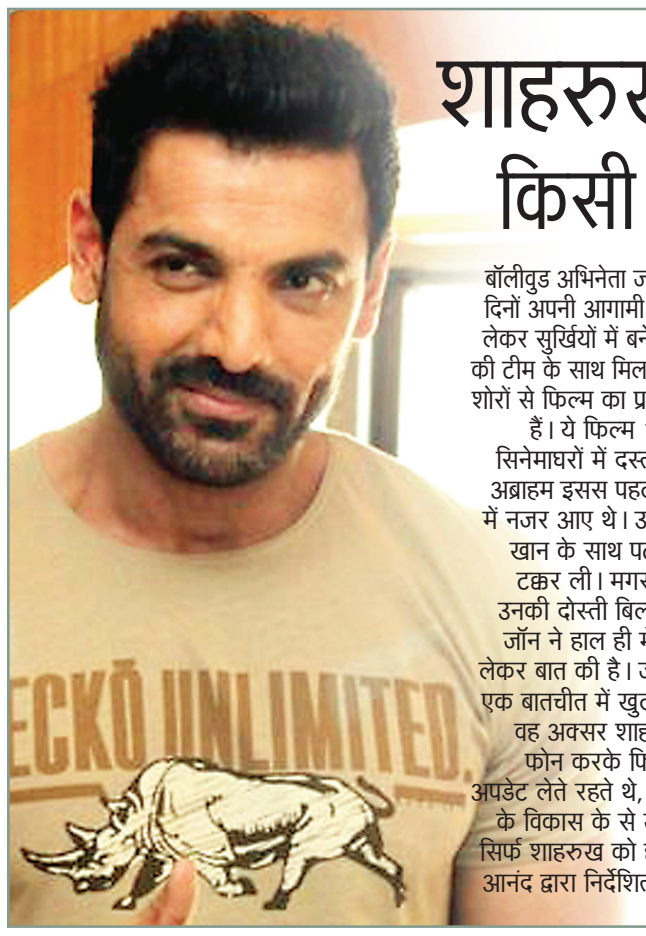

शाहरुख के अलावा अपनी फिल्में किसी को नहीं दिखाते आदित्य चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म वेदा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म की टीम के साथ मिलकर वह जोरों-शोरों से फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। ये फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। जॉन अब्राहम इसस पहले फिल्म पठान में नजर आए थे। उन्होंने शाहरुख खान के साथ पठान में जमकर टक्कर ली। मगर ऑफ-स्क्रीन उनकी दोस्ती बिल्कुल अलग है। जॉन ने हाल ही में शाहरुख को लेकर बात की है। जॉन अब्राहम ने एक बातचीत में खुलासा किया कि वह अक्सर शाहरुख खान को फोन करके फिल्म के बारे में अपडेट लेते रहते थे, क्योंकि फिल्म के विकास के से जुड़ी जानकारी सिर्फ शाहरुख को ही थी। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित पठान 2023 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर हिट थी। इस फिल्म से शाहरुख खान ने बड़े पर्दे पर अपनी धमाकेदार वापसी की थी। इसमें जॉन अब्राहम ने खतरनाक विलेन की भूमिका निभाई थी, जिसे रोकना पठान बने शाहरुख खान का सबसे बड़ा मकसद है। हालांकि, इस सफलता की यात्रा पर शाहरुख ने अकेले ही कड़ी नजर बनाए रखी। क्योंकि आदित्य चोपड़ा अपनी फिल्में शाहरुख के अलावा किसी और को नहीं दिखाते। जॉन ने बताया, आदित्य चोपड़ा बहुत सख्त हैं। वह शाहरुख खान के अलावा किसी को अपनी फिल्में नहीं दिखाते। इसलिए मुझे जो भी जानकारी मिलती, वह शाहरुख से ही मिलती। अभिनेता ने कहा, फिल्म से पहले मैं उन्हें फोन करके पूछता था कि यह कैसी है? तो वह मुझे बताते। वह बहुत प्यारे हैं। हमारी ऊर्जा शानदार थी। जॉन अब्राहम ने कहा, जब मेरा करियर शुरू हुआ, शाहरुख मेरे जज थे और अब पठान के दौरान मैं उनके साथ काम कर रहा था। हमारे बीच बहुत सम्मान और प्यार था। वह बेहद होशियार और बुद्धिमान व्यक्ति हैं, लेकिन साथ ही बहुत केयरिंग और क्यूट भी हैं। हम वाकई एक-दूसरे के साथ घुलमिल गए। जॉन अब्राहम अपनी अगली फिल्म वेदा की बात करें तो इसमें उनके साथ शरवरी वाघ नजर आएंगी। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित यह एक्शन फिल्म 15 अगस्त को रिलीज के लिए तैयार है। बॉक्य ऑफिस पर ये फिल्म श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 और अक्षय कुमार की खेल खेल में के साथ टकराएगी।

कब शादी करेंगी सना? बिग बॉस विजेता ने किया खुलासा

बिग बॉस ओटीटी 3 की विजेता सना मकबूल शो खत्म होने के बाद भी खूब सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री की निजी और प्रोफेशनल जिंदगी में फैंस खूब दिलचस्पी ले रहे हैं। उनके लिंकअप की खबरें आईं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि सना इन दिनों श्रीकांत को डेट कर रही हैं। यहां तक कि शादी की खबरें भी सामने आईं कि सना कथित बॉयफ्रेंड श्रीकांत के साथ शादी करने की तैयारी में हैं। इस पर सना ने चुप्पी तोड़ी है। सना मकबूल से एक इंटरव्यू के दौरान शादी की प्लानिंग को लेकर पूछा गया। साथ ही कहा गया कि श्रीकांत के साथ शादी की खबरें चल रही हैं। हालांकि, सना ने श्रीकांत के साथ अपने अफेयर से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वे मेरे बहुत ही प्यारे दोस्त हैं। शादी की खबरें कैसे फैल गईं पता नहीं। शादी को लेकर कहा, हर लड़की की शादी की प्लानिंग होती है। मैं भी अपनी लाइफ के उस स्टेज पर हूं, जहां फैमिली से भी शादी का प्रेशर है। वो मेरे फ्रेंड हैं, पता नहीं कहां से उन्हें बॉयफ्रेंड बना दिया गया है। वह बहुत अच्छे दोस्त हैं। शादी जब होगी आप सबको पता चल जाएगा। वह मेरा हैप्पी मूमेंट होगा। बहुत से लोग आएंगे। पूरी ऐसी दावत रखूंगी कि सब देखते रह जाएंगे।

रक्षाबंधन से पहले गिरे सोने-चांदी के दाम, खरीदने से पहले चेक करें 10 ग्राम गोल्ड का रेट

नई दिल्ली, एजेंसी। हफ्ते के पहले दिन सोमवार (12 अगस्त) को सोने-चांदी की कीमतों में बड़ा फेर-बदल देखने को मिला है। रक्षाबंधन के त्योहार से पहले आज सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का वायदा भाव 0.05 फीसदी की गिवरावट के साथ 69,858 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 80,281 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है। मालूम हो कि 19 अगस्त को ही रक्षा बंधन का त्योहार है। भाई-बहन के इस पवित्र त्योहार पर सोने और चांदी की राखियों का उपहार देना शुभ माना जाता है। शुक्रवार को स्ष्ट्ङ्ग पर सोना 0.21 फीसदी की तेजी के साथ 69,850 रुपए जबकि चांदी 0.04 फीसदी टूटी, ये गिरावट के साथ 80,510 रुपए पर बंद हुई थी।

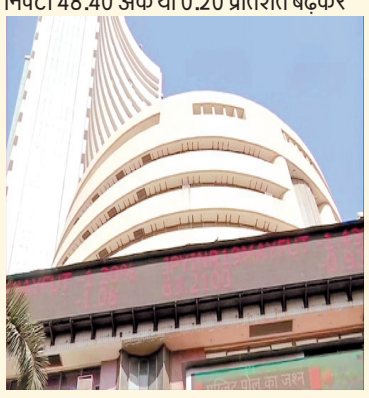

वैश्विक बाजारों और घरेलू मांग में आई तेजी से संकेत लेते हुए स्थानीय सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव 1,100 रुपए मजबूत होकर 72,450 रुपए प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 71,350 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत भी 1,400 रुपए के उछाल के साथ 82,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर जा पहुंची। पिछले सत्र में चांदी 81,100 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

राष्ट्रीय राजधानी में पिछले कारोबारी सत्र में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,100 रुपए मजबूत होकर 72,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा जो पहले 71,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। व्यापारियों ने सोने की कीमतों में तेजी का श्रेय स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की ताजा मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख को दिया।

ढ्ढक्चछ्व के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 6,311 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 69,663 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 69,205 रुपए पर पहुंच गए हैं। साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए की तेजी आई। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी।

विघ्नहर्ता गोल्ड के चेयरमैन महेंद्र लुनिया के अनुसार 2030 तक सोने के दाम 1.68 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकते हैं।

हिंडनबर्ग के दावों में है सच्चाई सेबी चीफ ने किया कबूल

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्केट रेग्युलेटर सेबी चीफ मधबी पुरी बुच को लेकर रिपोर्ट आई है। हिंडेनबर्ग के इस आरोप पर सेबी चीफ ने भी जवाब दिया है। बुच ने।जो जवाब दिया है उससे साफ है कि वो लगाए गए आरोपों को कुछ हद तक स्वीकार रही है। बरमूडा में निवेश की पुष्टि भी की गई है।

अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने शनिवार को ही अपनी रिपोर्ट जारी की है, जिससे देश में फिर भूचाल मैच गया है। पिछले साल अडानी पर कई आरोप लगाने वाली रिपोर्ट ने इस बार सेबी चीफ पर कई संगीन आरोप लगाए है। मार्केट रेग्युलेटर सेबी चीफ मधबी पुरी बुच को लेकर रिपोर्ट आई है। हिंडेनबर्ग के इस आरोप पर सेबी चीफ ने भी जवाब दिया है। बुच ने।जो जवाब दिया है उससे साफ है कि वो लगाए गए आरोपों को कुछ हद तक स्वीकार रही है। बरमूडा में निवेश की पुष्टि भी की गई है।

रिपोर्ट आने के बाद सेबी ने बयान दिया था कि फाइनेंशियल डॉक्यूमेंट से हमें कोई परेशानी नहीं है। सेबी ने अपनी पहली टिप्पणी में रविवार को कहा कि उसने अदाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों की विधिवत जांच की है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बयान में कहा कि उसकी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने समय-समय पर संबंधित जानकारी दी और संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग रखा। नियामक ने कहा कि उसने अदाणी के खिलाफ हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों की विधिवत जांच की है। उसकी 26 पहलुओं में से सिर्फ एक पहलू की जांच बची है और वह भी पूरी होने वाली है। नियामक ने कहा कि उसने अपनी जांच के तहत जानकारी मांगने के लिए 100 से अधिक समन, करीब 1,100 पत्र और ईमेल जारी किए हैं। करीब 12,000 पन्नों वाले 300 से अधिक दस्तावेजों की जांच की गई है। वहीं सेबी प्रमुख और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है। बुच दंपति ने कहा, ''रिपोर्ट में लगाए गए आरोप पूरी तरह से आधारहीन और बेबुनियाद हैं। इनमें तनिक भी सच्चाई नहीं है। हमारा जीवन और वित्तीय स्थिति एक खुली किताब की तरह है। सभी जरूरी खुलासे पहले ही वर्षों से सेबी को दिये जा चुके हैं। हमें किसी भी वित्तीय दस्तावेज का खुलासा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है।'' बुच ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ सेबी ने प्रवर्तन कार्रवाई की है और कारण बताओ नोटिस जारी किया है, उसी के जवाब में हमें ही घेरने और चरित्र हनन करने का प्रयास किया गया है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सेबी की निवेशकों को सलाह

कहा- जल्दबाजी में न लें कोई निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शॉर्ट सेलर रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों के संदर्भ में, सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने बयान जारी किया है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को खारिज करते हुए, सेबी पर लगाए गए सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। साथ ही, उन्होंने निवेशकों को सलाह दी है कि वे इस रिपोर्ट के चलते किसी भी प्रकार के तनाव में न आएं। सेबी ने निवेशकों से अपील की है कि वे इस तरह की रिपोर्ट पढ़कर जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें, बल्कि पूरी तरह छानबीन करके ही कोई कदम उठाएं, ताकि उन्हें किसी तरह का नुकसान न हो।

सेबी ने सोमवार को मार्केट खुलने से पहले जारी अपने बयान में स्पष्ट किया कि चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच हमेशा से सभी आवश्यक जानकारियां समय-समय पर साझा करती रही हैं। उन्होंने चेयरपर्सन बनने से पहले ही संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग कर लिया था। सेबी ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर किसी भी तरह के भ्रम में न आएं और रिपोर्ट में दिए गए डिस्क्लेमर को अवश्य पढ़ें। दरअसल, हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में एक डिस्क्लेमर शामिल है, जिसे सेबी ने खास तौर पर निवेशकों को ध्यान में रखने की सलाह दी है। सेबी ने बताया कि हमने पिछले साल अडानी ग्रुप के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बाद 24 में से 23 जांच पूरी कर ली हैं। इनमें पिछली बार की रिपोर्ट में लगाए गए आरोप साबित नहीं हुए हैं। अब ब्लैकस्टोन को लेकर लगाए जा रहे आरोप भी गलत हैं। सेबी ने निवेशकों से कहा कि उन्हें ऐसी रिपोर्टों को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्हें हिंडनबर्ग रिपोर्ट के डिस्क्लेमर को भी पढ़ना चाहिए। सेबी ने कनफ्लिक्ट ऑफ इंट्रेस्ट से जुड़े मसलों पर पूरा ढांचा तैयार किया हुआ है। इसमें सिक्योरिटीज की होल्डिंग और ट्रांसफर की जानकारी देनी होती है। सेबी चीफ ने इन सभी नियमों का पालन किया है। सेबी ने पिछली रिपोर्ट के बाद शुरू की गई जांचों के बारे में बताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश में स्थिति साफ कर दी थी। सिर्फ एक जांच अभी भी जारी है, जो जल्द ही पूरी हो जाएगी। हमने 100 से ज्यादा समन जारी किए थे। साथ ही 1,100 पत्र और ईमेल भी भेजे थे। इसके अलावा 100 बार से ज्यादा घरेलू और विदेशी रेगुलेटर एवं एजेंसियों

संक्षिप्त समाचार

हिंडनबर्ग रिपोर्ट का शेयर बाजार पर नहीं हुआ असर

सेंसेक्स में उछाल, निफ्टी 24,400 से ऊपर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में सेंसेक्स 200 अंक या 0.24 प्रतिशत बढ़कर 79,900.98 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 48.40 अंक या 0.20 प्रतिशत बढ़कर 24,415.90 पर पहुंच गया। करीब 1715 शेयरों में तेजी, 1737 शेयरों में गिरावट और 106 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। एक बार फिर से हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आ चुकी है। इस रिपोर्ट के आने के बाद इस बार अडानी के बाद सेबी चीफ मधबी पुरी बुच को लेकर कई तरह के खुलासे किए गए है। इन खुलासों के बाद पहली बार सोमवार को शेयर बाजार खुला है। शेयर बाजार में सेंसेक्स 200 अंक या 0.24 प्रतिशत बढ़कर 79,900.98 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 48.40 अंक या 0.20 प्रतिशत बढ़कर

24,415.90 पर पहुंच गया। करीब 1715 शेयरों में तेजी, 1737 शेयरों में गिरावट और 106 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। जेएसडब्ल्यू स्टील, हीरो मोटोकॉर्प, इंफोसिस, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक निफ्टी पर शीर्ष लाभार्थियों में शामिल हैं, जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स, अदानी पोर्ट्स, अदानी एंटरप्राइजेज, एनटीपीसी और पावर ग्रिड कॉर्प में गिरावट आई है। सेक्टरों में आईटी, मेटल और रियल्टी में 0.5–0.5 फीसदी की तेजी रही, जबकि पावर, मीडिया, पीएसयू बैंक में 0.5–1 फीसदी की गिरावट रही। शुरुआती कारोबार में अडानी समूह के सभी दस शेयरों में गिरावट आई, जिसमें बीएसई पर अडानी एनर्जी में 17 प्रतिशत, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 17 प्रतिशत, अडानी टोटल गैस में 13.39 प्रतिशत और अडानी पावर में 10.94 प्रतिशत की गिरावट आई। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 6.96 प्रतिशत, अडानी विल्मर में 6.49 प्रतिशत, अडानी एंटरप्राइजेज में 5.43 प्रतिशत, अडानी पोर्ट्स में 4.95 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 2.53 प्रतिशत तथा एसीसी में 2.42 प्रतिशत की गिरावट आई।

जुलाई में 1.31 करोड़ लोगों ने की घरेलू हवाई यात्रा, इंटरनेशनल यात्राएं भी बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले महीने जुलाई में देश में 1.31 करोड़ लोगों ने घरेलू हवाई यात्रा की, जो पिछले साल जुलाई की तुलना में 8.6 प्रतिशत और कोविड-पूर्व स्तर से 10 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, इस साल जून में 1.32 करोड़ यात्रियों का ट्रैफिक दर्ज किया गया था, जो जुलाई के मुकाबले 0.5 प्रतिशत अधिक था। इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष 2025 के शुरुआती चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 5.3 करोड़ रही, जो सालाना आधार पर 5.2 प्रतिशतन्न की वृद्धि दर्शाती है।

अपोलो माइक्रो सिस्ट स लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 2025 की पहली तिमाही के लिए शानदार आय की घोषणा की

कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 410 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। कस्टम-बिल्ट इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सॉल्यूशंस के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और असेंबली में अग्रणी अपोलो माइक्रो सिस्ट स लिमिटेड ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपनी आय की रिपोर्ट दी है। कंपनी के मैनेजमेंट ने आगे कहा कि, अपोलो माइक्रो सिस्ट स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में जो उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है, उसे साझा करते हुए हम उत्साहित हैं। यह अवधि हमारे ऑपरेशंस के अनेक डाइमेंशंस में महत्वपूर्ण प्रगति और उल्लेखनीय सफलताओं की विशेषता रही है। इनोवेशन, ऑपरेशनल एक्सीलेंस और सस्टेनेबल ग्रोथ के प्रति हमारा अटूट समर्पण हमारे प्रदर्शन को आगे बढ़ाता है और हमारे भविष्य को आकार देता है। फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही के लिए, अपोलो माइक्रो सिस्ट स लिमिटेड ने 912.02 मिलियन रुपये का रेवेन्यू प्राप्त किया जो फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली तिमाही में 576.91 मिलियन रुपये से बढ़ा है, यह मु य रूप से मज़बूत ऑर्डर निष्पादन द्वारा संचालित है। हमारा एबिटा बढ़कर फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही में 223.71 मिलियन रुपये हुआ, जो वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में 127.42 मिलियन रुपये था, ऑपरेशंस के बढ़े हुए

स्केल के कारण 75.57 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। शुद्ध लाभ फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली तिमाही में 16.54 मिलियन रुपये की तुलना में फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही के लिए 84.29 मिलियन रुपये रहा, वहीं फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही के लिए शुद्ध लाभ मार्जिन 9.24 प्रतिशत के साथ रहा, ये फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही में 2.87 प्रतिशत से अधिक था। ये फाइनेंशियल अचीवमेंट्स ऑपरेशनल एक्सीलेंस और सस्टेनेबल ग्रोथ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं, जो भविष्य में निरंतर सफलता के लिए अपोलो माइक्रो सिस्ट स लिमिटेड की आदर्श स्थिति बनाती हैं।

फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही के लिए अपोलो माइक्रो सिस्ट स लिमिटेड की ऑर्डर बुक प्रोजेक्ट्स की एक मज़बूत और बढ़ती पाइपलाइन को दर्शाती है, जो हमारी मार्केट लीडरशिप और कस्टमर ट्रस्ट विश्वास को रेखांकित करती है। अनेक सेक्टर्स में हाई डिमांड के कारण ऑर्डर बुक में काफी विस्तार हुआ है। इन ऑर्डर्स की डाइवर्सिटी और क्वॉलिटी एक स्थिर रेवेन्यू स्ट्रीम और बढ़ी हुई लाभप्रदता तय करती है। यह मज़बूत ऑर्डर बुक अपोलो माइक्रो सिस्ट स लिमिटेड को उभरते अवसरों का लाभ उठाने और हमारी विकास गति को बनाए रखने की स्थिति में रखती है।

जीआरएम ओवरसीज लिमिटेड ने मोरक्को में सोलारिज इन्वेस्ट के साथ साझेदारी कर वैश्विक पहुंच बढ़ाई

मुंबई, एजेंसी। जीआरएम ओवरसीज लिमिटेड (बीएसईः 531449, एनएसईः जीआरएमओवर), भारत का एक प्रमुख बासमती चावल निर्यातक और एफएमसीजी क्षेत्र का एक अग्रणी खिलाड़ी, ने मोरक्को में सोलारिज इन्वेस्ट के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह सहयोग जीआरएम के वैश्विक विस्तार प्रयासों में एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि यह अपने प्रमुख बासमती चावल ब्रांड 'तनूष' को सोलारिज इन्वेस्ट के व्यापक वितरण नेटवर्क के माध्यम से मोरक्को के उपभोक्ताओं तक पहुंचाता है। 'तनूष' 1 किलो और 5 किलो पैक में उपलब्ध होगा।

समझौते के अनुसार, सोलारिज इन्वेस्ट मोरक्को में जीआरएम ओवरसीज के उत्पादों का एकमात्र वितरक होगा। इस क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति और सिद्ध क्षमताओं के साथ, सोलारिज इन्वेस्ट जीआरएम की बाजार पैठ को बढ़ावा देने और इसकी ब्रांड दृश्यता बढ़ाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है।

GRM Overseas Ltd.

जीआरएम ओवरसीज के चेयरमैन और एमडी श्री अतुल गर्ग ने कहा, सोलारिज इन्वेस्ट के साथ हमारी साझेदारी हमारे ग्लोबल प्रजेंट्स को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक कदम है। सोलारिज इन्वेस्ट के मजबूत वितरण नेटवर्क और स्थानीय विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, हमारा लक्ष्य मोरक्को में अपनी पैठ को गहरा करना है। यह सहयोग अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति का विस्तार करने और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। मोरक्को में सोलारिज इन्वेस्ट के साथ सहयोग नए बाजारों में विस्तार करने, ब्रांड दृश्यता बढ़ाने और प्रभावशाली साझेदारियों के माध्यम से स्थायी विकास के जीआरएम के रणनीतिक दृष्टिकोण का उदाहरण है। बोर्ड ने 90,70,000 कंवर्टेबल वारंटों के आवंटन को भी मंजूरी दी, जिसकी कीमत 150 रुपये प्रति वारंट है, जिसमें वारंट सब्सक्रिप्शन मूल्य और वारंट एक्सरसाइज मूल्य शामिल है, जिसकी कुल राशि 136.05 करोड़ रुपये है।

कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 74 प्रतिशत बढ़ा

PARAMOUNT WIRES & CABLES

मुंबई, एजेंसी। पैरामाउंट क युनिकेशंस लिमिटेड 1955 में स्थापित, भारत की वायर और केबल इंडस्ट्री में एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर सेग्मेंट्स के लिए हाई-क्वॉलिटी प्रोडक्ट्स का उत्पादन करता है। यह पावर केबल्स, टेलीकॉम केबल्स, रेलवे केबल्स और विशेष केबल सहित तारों वायर्स और केबल्स के निर्माण में लगा हुआ है। कारण हुई। हम अपनी स्ट्रेटिजिक पहलों और बाज़ार विस्तार प्रयासों से प्रेरित होकर पूरे वित्त वर्ष 25 में इस विकास राह को बनाए रखने को लेकर आशावादी हैं। ऑपरेशनल दक्षता बढ़ाने के हमारे स्ट्रेटिजिक इनीशिएटिव के सकारात्मक परिणाम मिले हैं, जिससे हमारा एबिटा मार्जिन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली तिमाही में 8.7 प्रतिशत से फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही में 9.2 प्रतिशत हो गई। विशेष रूप से, हमारा एबिटा फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली तिमाही में 185.1 मिलियन रुपये से फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही में 299.1 मिलियन रुपये बढ़ गया, जो कि 61.6 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्शाता है।

मुफिन ग्रीन फाइनेंस लिमिटेड 13 अगस्त को फंड जुटाने पर विचार करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। मुफिन ग्रीन फाइनेंस लिमिटेड, जो इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए फाइनेंसिंग करती है, ने घोषणा की है कि इसका बोर्ड 13 अगस्त को निजी प्लेसमेंट के जरिए बिना सूचीबद्ध, सुरक्षित, गैर-परिवर्तनीय (नॉन कनवर्टेबल) डिबेंचर जारी करके फंड जुटाने पर विचार करेगा।

MUFIN

कंपनी वित्त वर्ष 2024-25 की 30 जून को समाप्त तिमाही के कमाई के आंकड़े भी अनाउंस करेगा। इससे पहले, कंपनी ने गैर-परिवर्तनीय(नॉन कनवर्टेबल) डिबेंचर आवंटित करने की घोषणा की थी, जिसमें कुल 22 करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

कंपनी उत्तर भारत के 14 राज्यों में मौजूद है, जिसमें दो, तीन और चार पहिया ईवी के लिए फाइनेंसिंग विकल्प हैं। कंपनी का मानना है कि दक्षिण भारत के राज्यों में पहुंचने से उसे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

मुफिन ग्रीन फाइनेंस लिमिटेड के सीईओ पंकज गुप्ता ने कहा, हम मानते हैं कि अब समय आ गया है कि सभी व्यावसायिक संस्थान जो पेट्रोल-डीजल वाले वाहन इस्तेमाल करते हैं, उन्हे अब ज़ीरो उत्सर्जन वाले वाहनों की ओर रुख करना चाहिए।

देव आईटी का वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही में कंसोलिडेटेड कर बाद लाभ 102 प्रतिशत बढ़ो

मुंबई, एजेंसी। टेलिजेंस और और बाइटसिग्नर जैसे प्रोडक्टस के साथ क्लाउड सेवाएं, डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन, एंटरप्राइज एप्लीकेशंस और मैनेज्ड आईटी सेवाएं प्रदान करने वाली एक ग्लोबल आईटी सेवा कंपनी, देव इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, संस्थापक एवं ष्श्री प्रणव पंड्या ने कहा, हम कर बाद लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ अपवादात्मक तिमाही की रिपोर्ट देकर हर्षित है, जो हमारे व्यूहात्मक फोकस और परिचालन उत्कृष्टता को दर्शाती है. यह प्रभावशाली वृद्धि कंपनी द्वारा प्राप्त किए गए कई उल्लेखनीय ऑर्डर के चलते हैं. आगे देखने पर हमें विश्वास है कि यह ग्रोथ ट्रांजैक्ट्री टिकाऊ है. हमें राज किसान साथी पोर्टल के लिए राजकांप इन्फो सर्विसेज लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ है, जो एक सहज डिजिटल प्लेटफॉर्म के मार्फत कृषि सेवाओं में वृद्धि करने के साथ दोनों कार्य कुशलता और सेवा डिलीवरी में सुधार करेगा.

रोहित शर्मा और कोहली के बीच होगी टक्कर

दलीप ट्रॉफी में हो सकते हैं आमने-सामने

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट की दुनिया में एक बड़ी खबर सामने आई है। श्रीलंका दौरे के बाद भारतीय टीम इंटरनेशनल क्रिकेट से एक महीने के लिए ब्रेक पर जाएगी। इस दौरान भारत में घरेलू क्रिकेट का एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट, दलीप ट्रॉफी, आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे, रोहित शर्मा और विराट कोहली, एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

दलीप ट्रॉफी 2024 का आयोजन 5 सितंबर से शुरू होगा। यह टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट में एक अहम भूमिका निभाता है और टीम इंडिया के कई प्रमुख खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हैं। बीसीसीआई के सेलेक्टरों की योजना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी इस बार दलीप ट्रॉफी में खेलें, ताकि वे टेस्ट सीरीज की तैयारी को और भी मजबूत बना सकें।

टूर्नामेंट में कौन-कौन से खिलाड़ी खेलेंगे – रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन गिल, केएल राहुल, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, और कुलदीप यादव को दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए कहा गया है। हालांकि, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लंबे समय तक आराम दिया गया है, और इसलिए वे इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे।

दलीप ट्रॉफी का महत्व

दलीप ट्रॉफी का आयोजन भारतीय क्रिकेट में उभरते खिलाड़ियों को अवसर देने के साथ-साथ मौजूदा खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर निगरानी रखने के लिए किया जाता है। इस टूर्नामेंट से चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों की वर्तमान स्थिति का बेहतर आकलन करने में मदद मिलती है, जो आगामी अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, दलीप ट्रॉफी इस बार क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष रूप से रोमांचक होगी, क्योंकि इसमें दो महान खिलाड़ी, रोहित शर्मा और विराट कोहली, एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

मोहम्मद शमी की होगी वापसी

लंबे समय से चोट के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी दलीप ट्रॉफी में वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट में बंगाल के लिए एक या दो मैच खेलने की इच्छा व्यक्त की है। दलीप ट्रॉफी में कुल 6 मैच खेले जाएंगे, जो 5 से 24 सितंबर तक जारी रहेंगे। इस बीच, 19 सितंबर को भारत और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी।

रिकी पोंटिंग बोले-

ओलंपिक के कारण अरबों लोगों तक पहुंचेगी क्रिकेट

दुबई (एजेंसी)। विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि 4 साल बाद आयोजित होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी इस खेल के लिए एक बड़ी सकारात्मक बात होगी। क्रिकेट की 128 वर्षों के ओलंपिक में वापसी हो रही है। इससे पहले क्रिकेट को एकमात्र बार 1900 ओलंपिक में दो टीमों ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच खेला गया था। इसका स्वर्ण पदक ब्रिटेन की टीम ने जीता था। पोंटिंग ने 'आईसीसी रिव्यू' से कहा कि यह हमारे खेल के लिए केवल एक सकारात्मक बात हो सकती है। मैं पिछले 15 या 20 वर्षों में विभिन्न समितियों का हिस्सा रहा हूं। यह हमेशा लगभग हर एजेंडे में शीर्ष पर रहा है कि हम खेल को ओलंपिक में वापस कैसे ला सकते हैं? और आखिरकार, यह हो रहा है। पोंटिंग ने कहा कि यह केवल 4 साल दूर है। मुझे लगता है कि इससे अमेरिका में क्रिकेट को जमीनी स्तर पर पहुंचने का मौका भी मिलेगा। लेकिन ओलंपिक खेल सिर्फ मेजबान देश के बारे में नहीं है। यह उन दर्शकों के बारे में है जो इसे लोकप्रिय बनाते है।

पिछले साल अक्टूबर में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने मुंबई में आईओसी के 141वें सत्र के दौरान क्रिकेट को इन खेलों में शामिल करने की आधिकारिक पुष्टि की थी। पोंटिंग ने कहा कि ओलंपिक पर दुनिया भर में अरबों लोगों की नजर रहती और यह खेल के लिए नए दर्शकों को आकर्षित करने और वैश्विक मंच पर अपना दबदबा कायम करने का सबसे अच्छा मौका है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक खेलों को दुनिया भर में इतने सारे लोगों द्वारा देखा जा रहा है, यह हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाएगा। यह खेल के लिए वास्तव में सकारात्मक बात ही हो सकती है।

अफगानिस्तान-श्रीलंका सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, 5 स्पिनरों को मिली जगह

आकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने अगले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ अगले महीने एक टेस्ट और श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में पांच स्पिनरों को जगह दी है। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट भारत में ग्रेटर नोएडा में नौ से 13 सितंबर तक खेला जाएगा।

वहीं श्रीलंका में दो टेस्ट 18 और 26 सितंबर से शुरू होंगे। अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी कप्तान होंगे जबकि टीम में केन विलियमसन, डेवोन कोंवे, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रविंद्र जैसे खिलाड़ी भी हैं। कोच गैरी स्टीड ने कहा, 'उपमहाद्वीप के टेस्ट दौरे के लिए कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। उमस और गर्मी के अलावा पिचों को देखते हुए तेज गेंदबाजों को बाहर रहना पड़ सकता है।

उन्होंने कहा, 'टिम और मैने इस पर बात की है और तेज गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन के लिए भी यह जरूरी है जिसमें टिम भी शामिल है। स्पिन हरफनमौला मिचेल ब्रासवेल चोट के बाद 18 महीने बाद वापसी कर रहे हैं। उनके साथ मिचेल सेंटनेर, ऐजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स और रविंद्र स्पिन का जिम्मा संभालेंगे।

टीम

टिम साउदी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, मिचेल ब्रासवेल , डेवोन कोंवे, मैट हेनरी, टॉम लाथम, डेरिल मिचेल, विल ओ रूरकी, ऐजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सेंटनेर, बेन सीयर्स, केन विलियमसन, विल यंग।

पारंपरिक अंदाज में संपन्न हुआ पेरिस ओलंपिक 2024

स्टार टॉम क्रूज ओलंपिक झंडे के साथ हवाई जहाज से कूदने स्टंट ने दर्शकों में रोमांच भरा

पेरिस (एजेंसी)। लॉस एंजिल्स 2028 में मिलने के वादे के साथ पेरिस ओलंपिक खेल 2024 के समापन समारोह की शुरुआत फ्रांस के तैराक लियोन मार्चेंड ने ओलंपिक फ्लेम बुझाकर की और आखिर में हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज ओलंपिक झंडे के साथ हवाई जहाज से कूदने स्टंट ने दर्शकों में रोमांच भर दिया।

रविवार देर रात करीब 80 हजार दर्शकों की मौजूदगी में स्टेड डी फ्रांस स्टेडियम में पारंपरिक अंदाज, रेड हॉट चिली पेपर्स के संगीत की धुन और रंग-बिरंगे रोशनी से जगमगाहट, आतिशबाजी, कला और नृत्य के साथ समापन समारोह संपन्न हुआ। समारोह में लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के अगले आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई। पिछले दो हफ्तों से अपनी पूरी जिदगी की मेहनत लगाने वाले खिलाड़ियों ने अपने-अपने देशों की परेड में हिस्सा लिया।

भारतीय दल की अगुवाई मनु भाकर और पीआर श्रीजेश ने की – भारत के 'वॉल ऑफ इंडिया' कहे जाने वाले श्रीजेश ने इन खेलों में भारत की कांस्य पदक जीत के साथ हॉकी से शानदार तरीके से संन्यास लिया।

भारत ने कांस्य पदक के मैच में स्पेन के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की जिसमें श्रीजेश ने स्पेन के कई प्रयासों को विफल करके शानदार प्रदर्शन किया तथा ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टरफाइनल शूट-आउट में उनके शानदार बचाव ने मैदान पर 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही भारतीय टीम को मैच में बने रहने में मदद की। मनु भाकर ने खेलों के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाले पहली भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रच दिया।

उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता और बाद में सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में एक और कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय दल ने पेरिस ओलंपिक खेलों में एक रजत एवं पांच कांस्य पदक सहित कुल छह पदक जीते।

ओलंपिक कमिटी के प्रमुख थॉमस बाक और पेरिस 2024 ओलंपिक कमिटी के प्रमुख टोनी एस्टांगुएट ने भाषण दिए। के फीनिक्स और काविंस्की ने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शको मनमोह लिया। टॉम क्रूज, स्नूप डॉग, डॉ. ड्रे, बिली इलिश, रेड हॉट चिली पेपर्स और एच.ई.आर. ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 की जिम्मेदारी सौंपने के बाद अपने प्रदर्शनों से दर्शकों को रोमांचित किया।

अगले ओलंपिक के लिए हमारी उम्मीदें और बढ़ गईं। लॉस एंजिल्स तीसरी बार ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा और साल 2028 में अपनी चमक दिखाएगा। ओलंपिक कमिटी के प्रमुख थॉमस बाक ने खिलाड़ियों और फ्रांसीसी तैराक लियोन मार्चेंड के साथ मिलकर ओलंपिक की फ्लेम बुझाई और 33वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का आधिकारिक तौर पर समापन किया।

वह सिल्वर की हकदार है-

विनेश फोगाट के समर्थन में आए सौरव गांगुली

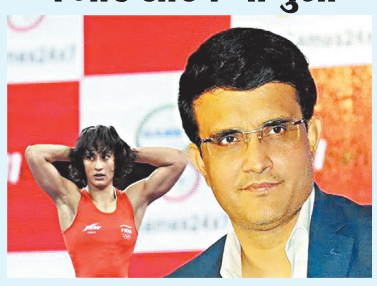

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती के फाइनल में विनेश फोगट की अयोग्यता पर खुलकर बात की और कहा कि वह रजत पदक की हकदार हैं। पेरिस ओलंपिक फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के बाद, फोगट ने गुरुवार को कुश्ती से संन्यास की घोषणा की। फोगाट ने मंगलवार रात सेमीफाइनल में क्यूबा की युस्नेलिस गुज़मैन लोपेज को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक मुकाबले में प्रवेश किया था। वह स्वर्ण पदक के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार थीं, लेकिन वजन सीमा का उल्लंघन करने के कारण बुधवार को उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। अपनी अयोग्यता के बाद, फोगट ने सीएएस से उन्हें रजत पदक देने का अनुरोध किया। बहरहाल पत्रकारों से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि उन्हें सटीक नियमों की जानकारी नहीं है लेकिन उन्होंने उचित रूप से योग्यता प्राप्त की होगी। गांगुली ने कहा कि मुझे नहीं पता कि सटीक नियम क्या है, लेकिन मुझे यकीन है कि जब वह फाइनल में गई थी, तो उसने ठीक से क्वालिफाई किया होगा।

पैरिस 2024 में भारत ने जीते 6 मैडल

मनु भाकर पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में 117 भारतीय एथलीट ने शानदार प्रदर्शन किया और 6 मैडल लाने में सफल रहे। रविवार को जब पैरिस 2024 का समापन हुआ तो भारत ने इसमें एक रजत और पांच कांस्य समेत कुल छह पदक अपने नाम कर लिए थे।

मनु भाकर ने इन खेलों में भारत के लिए पहला पदक जीता। उन्होंने कांस्य जीता और इसी के साथ ओलंपिक शूटिंग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतकर एक ही ओलंपिक संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया।

स्वप्निल कुसाले ने निशानेबाजी में तीसरा पदक जीता, जो किसी एकल ओलंपिक में इस खेल में भारत का सबसे बड़ा पदक है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस में कांस्य पदक हासिल करके अपनी टोक्यो 2020 की सफलता को दोहराया। नीरज चोपड़ा ने अपनी ओलंपिक विरासत को और आगे बढ़ाया, भाला फेंक में रजत पदक जीता और भारत के सबसे सफल व्यक्तिगत ओलंपियन बन गए।अमन सहरावत कुश्ती में कांस्य पदक के साथ भारत के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेता बने।

भारत ने लिया 16 खेलों में हिस्सा – इन उपलब्धियों के बावजूद, भारत को पेरिस 2024 में काफी निराशा का सामना करना पड़ा। देश छह संभावित पदकों से मामूली अंतर से चूक गया, जिसमें लक्ष्य सेन, मीराबाई चानू और मनु भाकर सहित एथलीट अपनी स्पर्धाओं में चौथे स्थान पर रहे, जो तीसरा पदक हासिल करने के करीब थे। ऐतिहासिक फाइनल से ठीक पहले विनेश फोगट की अयोग्यता ने भी देशवासियों को परेशान किया।

71वें नंबर पर रहा भारत – ड्डभारत ने टोक्यो ओलिम्पिक में 1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मैडल जीते थे। तब भारतीय दल मैडल टैली में 48वें नंबर पर था। इस बार भारतीय टीम 71वें नंबर पर खिसक गई है।

थॉमस बाक के आईओसी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद सेबेस्टियन कोए दावेदारी पर कर रहे विचार

पेरिस, एजेंसी। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने घोषणा की है कि थॉमस बाक के तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव न लड़ने के फैसले के बाद वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। थॉमस बाक 2013 से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने शनिवार को पुष्टि की कि वह अपना कार्यकाल समाप्त होने पर पद छोड़ देंगे, इससे नए नेतृत्व के लिए द्वार खुलेंगे। सेबेस्टियन कोए का विश्व एथलेटिक्स प्रमुख के रूप में कार्यकाल 2027 में समाप्त हो रहा है, इनको लंबे समय से बाक का संभावित उत्तराधिकारी माना जाता रहा है। ब्रिटिश खेल प्रशासक, 1500 मीटर में दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और लंदन 2012 ओलंपिक खेलों के सफल आयोजन के पीछे के मास्टरमाइंड रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए सेबेस्टियन कोए ने कहा कि ÷मैंने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि यदि अवसर आया, तो मैं इस पर गंभीरता से विचार करूंगा। अवसर आया है, और मुझे इसके बारे में सोचने की आवश्यकता है। बेशक, मैं इस पर विचार करने जा रहा हूं।

अश्विन ने आईपीएल ऑक्शन के इस नियम पर खड़े किए सवाल

सिर्फ खिलाड़ी को होता है नुकसान...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 'राइट टू मैच' नियम की आलोचना की है। यह नियम अगले साल होने वाले आईपीएल 2025 के लिए इस साल के अंत में होने वाली नीलामी में वापसी कर सकता है। राइट टू मैच नियम का इस्तेमाल मेगा ऑक्शन में ही होता है। आखिरी बार 2018 सीजन से पहले हुई नियम में इसका इस्तेमाल हुआ था। 2022 की नीलामी से इसे हटा दिया गया।

क्या है राइट टू मैच रूल

आरटीएम एक ऐसा नियम है जिससे टीम अपने पुराने खिलाड़ियों को वापस पा सकती है। अगर कोई खिलाड़ी पिछले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहा है। मुंबई इंडियंस ने उसे 5 करोड़ रुपये में खरीद लिया। उस समय चेन्नई के पास यह विकल्प रहता है कि 5 करोड़ रुपये में उस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ लें। नीलामी में हर फ्रेंचाइजी के पास 2 या 3 राइट टू मैच कार्ड का विकल्प रहता है।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच रहा ड्रॉ

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। ऐलेक ऐथनेज की (92) रनों की जुझारु पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 201 रन बनाकर दक्षिण के साथ खेले गए पहले टेस्ट मैच को ड्रा करा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें दिन दूसरी पारी को तीन विकेट पर 173 रन पर पारी घोषित कर वेस्टइंडीज को जीत के लिए 298 रनों का लक्ष्य दिया। जिसके जवाब में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और एक समय उसने 64 रन पर अपने तीन विकेट गवां दिए थे।

ऐसा लग रहा था दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज केशव महाराज वेस्टइंडीज की दूसरी पारी को जल्द ही समेट देंगे। कप्तान क्रेग ब्रैथवेट(शून्य), मिकाइल लुईस (9) रन बनाकर आउट हुए। ऐसे संकट के समय ऐलेक ऐथनेज ने पहले केसी कार्टी के साथ मिलकर चौथे विकेट लिये 63 रनों की साझेदारी की। केसी कार्टी (31) और उसके बाद केवम हॉज (29) रन बनाकर आउट हुए। ऐलेक ऐथनेज ने 92 रनों की जुझारू पारी खेली। जेसन होल्डर (31) रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज ने 56.2 ओवर में पांच विकेट पर 201 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से केशव महाराज ने चार विकेट लिए। कगिसो रबाडा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 30 रन से आगे खेलना शुरु किया। टोनी डीजॉर्जी 45 रन एवं एडन मारक्रम 38 रन बनाकर आउट हुए। दोनों ही बल्लेबाजों को जोमेल वारिकन ने आउट किया। ट्रिस्टन स्टब्स ने 68 रनों की शानदार पारी खेली। उन्हें केमार रोच ने बोल्ड आउट किया। स्टब्स के आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने तीन विकेट पर 173 रन पर पारी घोषित कर दी। और वेस्टइंडीज को पहली पारी की 124 रनों की बढ़त और दूसरी के 173 रनों के आधार पर जीत के लिए 298 रनों का लक्ष्य दिया।

वेस्टइंडीज की ओर से जोमेल वारिकन ने दो विकेट लिये। वहीं केमार रोच ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज और कगिसो रबाडा ने बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए वेस्टइंडीज को पहली पारी में 233 रन पर समेट दिया था। दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी के आधार पर 124 रनों की बढ़त मिली गई थी। वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रैथवेट और मिकाइल लुईस ने पारी की अच्छी शुरुआत की थी। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिये 53 रन जोड़े। लेकिन दक्षिण अफ्रीकी बेहतरीन गेंदबाजी के आगे वेस्टइंडीज का कोई भी बल्लेबाज पिच पर अधिक तक नहीं टिक सका।

मिकाइल लुईस (35), क्रेग ब्रैथवेट (35), जेसन होल्डर (36), केवम हॉज (25) रन बनाकर आउट हुए। केसी कार्टी ने टीम के सर्वाधिक (42) रनों की पारी खेली। जोमेल वारिकन (35) रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से केशव महाराज ने चार विकेट लिये। कगिसो रबाडा को तीन विकेट तीन विकेट मिले। लुंगी एन्गिडी और एडन मारक्रम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान तेम्बा बवूता (86) , टोनी डीजॉर्जी के (78) अर्द्धशतको और काइल वेरेन के 39 रन एवं वियान मुल्डर के नाबाद 41 रनों की उपयोगी पारियों की बदौलत 357 रनों का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज की ओर गेंदबाजी करते हुए जोमेल वारिकन ने सबसे ज्यादा चार विकेट हासिल किए जबकि जेडेन सील्स ने तीन, केमार रोच ने दो तथा जेसन होल्डर ने एक विकेट लिया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

वक्फ संशोधन विधेयक पर शिवसेना नेता की सलाह, बोले- आम सहमति बनाकर मुस्लिमों को विश्वास में ले सरकार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अर्जुन खोतकर ने भी अधिनियम में बदलाव से पहले सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि वक्फ का मतलब मुसलमानों द्वारा समुदाय के कल्याण के लिए दान की गई संपत्ति है। संसद में लाए गए वक्फ संशोधन विधेयक को शिवसेना के सांसद और अन्य नेताओं ने केंद्र सरकार को सलाह दी है। उनका कहना है कि वक्फ बिल में संशोधन से पहले आम सहमति बनाने की जरूरत है। साथ ही मुस्लिम समुदाय को विश्वास में लिया जाए। जालना में हुए एक कार्यक्रम में शिवसेना सांसद संदीपन भुमरे ने कहा कि वक्फ अधिनियम में किसी भी संशोधन के साथ आगे बढ़ने से पहले आम सहमति के महत्व और मुस्लिम समुदाय को विश्वास में लेने पर जोर दिया जाए। शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अर्जुन खोतकर ने भी अधिनियम में बदलाव से पहले सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि वक्फ का मतलब मुसलमानों द्वारा समुदाय के कल्याण के लिए दान की गई संपत्ति है। पार्टी को किसी भी नकारात्मक धारणा से बचने के लिए मुस्लिम समुदाय को विश्वास में लेना चाहिए। यह संवेदनशील मुद्दा है और सरकार को मुसलमानों की भावनाओं को ध्यान में रखना चाहिए।

मोहम्मद यूनुस एक धर्मनिरपेक्ष नेता, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर विश्वास जताते हुए बोले शरद पवार

मुंबई, एजेंसी। एनसीपी-एससीपी के प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को मराठा आरक्षण पर कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात कर एक सर्वदलीय बैठक बुलाने को कहा है। साथ ही उन्होंने पड़ोसी देश बांग्लादेश के बिगड़ते हालात पर भी बात की। एनसीपी-एससीपी के प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को कई मुद्दों पर पत्रकारों से बात की। उन्होंने मराठा आरक्षण पर कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात कर एक सर्वदलीय बैठक बुलाने को कहा है। साथ ही उन्होंने पड़ोसी देश बांग्लादेश के बिगड़ते हालात पर भी बात की। उन्होंने अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को एक धर्मनिरपेक्ष नेता बताया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार (एनसीपीएससीपी) के प्रमुख ने कहा कि मोहम्मद यूनुस एक धर्मनिरपेक्ष नेता हैं और वह सुनिश्चित करेंगे कि देश में विभिन्न समुदायों के बीच कोई दरार न हो। बांग्लादेश में 1971 में देश की आजादी के लिए लड़ने वाले स्वतंत्रतता सेनानियों के लिए तय किए आरक्षण के खिलाफ जुलाई में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। धीरे-धीरे ये विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गए। हालात इतने बदतर हो गए कि शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। नई अंतरिम सरकार के गठन होने के बाद भी प्रदर्शनकारी सड़कों पर डटे हुए हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। 84 वर्षीय अर्थशास्त्री यूनुस ने बीते गुरुवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली।

कड़ाही में देसी कट्टे साफ करती महिला का वीडियो वायरल, पुलिस ने पति-ससुर को दबोचा

मुरैना, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक महिला द्वारा कड़ाही में देसी कट्टों/पिस्तौल को साफ करते हुए वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई मालूम हुआ कि वीडियो में दिख रहीमहिला गणेशपुरा के रहने वाले शक्ति कपूर सखबार की पत्नी का है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीजियो में देखा जा सकता है कि महिला ब्रश से चार देसी कट्टों को कड़ाही में साफ कर रही है। इसके बाद पुलिस ने शनिवार को रछेड़ गांव के तिराहे पर बोरे में अवैध हथियार और निर्माण सामग्री ले जाते शक्ति कपूर और उसके पिता बिहारीलाल सखबार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बाप-बेटे के पास से अवैध हथियार जब्ती मामले में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। एक 315 बोर का कट्टा, एक 32 बोर का कट्टा, एक आधी बनी कट्टे की नाल, 12 छोटी स्प्रिंग, तीन बड़ी स्प्रिंग, एक 315 बोर का छेद करने वाला सुम्मा, एक लोहे की हथौड़ी, फनर, काठ का बट, लोहे की रेती, बेरल मापने वाला गेज, एक जिंदा राउंड, दो खाली खोके, लोहे का गैस वाला पंखा, ड्रिल मशीन, लोहे की सड़सी सहित अन्य सामान जब्त किया है।

महिला डॉक्टर की हत्या के मामले में बीजेपी का सीएम पर वार, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उठाए सवाल

कोलकाता , एजेंसी। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने टीएमसी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ममता बनर्जी सरकार के नेतृत्व में बंगाल में मां माटी और मानुष सुरक्षित नहीं हैं। केवल दुष्कर्मी और भ्रष्टाचारी ही सुरक्षित हैं।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की हत्या के मामले ने राजनीतिक रुख ले लिया है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने इस मामले में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को घेरा और राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल किए। भाजपा नेता ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में बंगाल में मां माटी और मानुष सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि इस मामले में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रियंका चतुर्वेदी अभी तक चुप हैं।

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, ÷आज यह स्पष्ट हो गया कि ममता बनर्जी सरकार के नेतृत्व में बंगाल में मां माटी और मानुष सुरक्षित नहीं हैं। केवल दुष्कर्मी और भ्रष्टाचारी ही सुरक्षित हैं। जवाबदेह कौन है क्या पश्चिम बंगाल में महिलाएं सुरक्षित हैं अगर इसमें कुछ भी छिपाने का नहीं है तो ममता बनर्जी इस मामले की जांच सीबीआई से क्यों नहीं करा रही सबसे ज्यादा परेशान करनी वाली चीज यह है कि राहुल गांधी प्रियंका गांधी,

प्रियंका चतुर्वेदी ये सभी अबतक चुप हैं। वे अब क्या कहेंगे भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने भी इस मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को घेरा। उन्होंने कहा, ÷ममता जी बंगाल में आपके शासन में क्या हो रहा है एक महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म, क्रूरता की हद पार हो गई और क्या वहां निष्पक्ष जांच होगी आज देशभर के सभी डॉक्टर हड़ताल पर हैं। ममता जी आपकी सरकार में चुनाव के दौरान विपक्ष के साथ क्या होता है, ये तो हम जानते ही हैं। क्या आप डॉक्टर बेटियों के साथ दुर्व्यवबार को लेकर भी यही कहेंगी बंगाल में जो हो रहा है, वह सरकारी आतंक का भयावह सच है। हम सीबीआई जांच की मांग करते हैं। भाजपा ने पहले भी इसे लेकर कहा। ममता जी आप लगातार सीबीआई जांच से भाग रही हैं। कम से कम एक मृत डॉक्टर को तो न्याय दो।÷

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात की है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। गुरुवार को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद रात के 12 बजे उसने अपने दोस्तों के साथ डिनर किया। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नग्न अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। पोस्टमॉर्टम की शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। जूनियर महिला डॉक्टर का शव गद्दे पर पड़ा हुआ था और गद्दे पर खून के धब्बे मिले। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि मृतक महिला डॉक्टर के मुंह और दोनों आंखों पर था। गुप्तांगों पर खून के निशान और चेहरे पर नाखून के निशान पाए गए। होठ, गर्दन, पेट, बाएं टखने और दाहिने हाथ की उंगली पर चोट के निशान थे।

पुलिस जांच में खुलासा, मेडिकल कॉलेज जाने से पहले दो बार रेड लाइट एरिया में गया था दरिंदा

कोलकाता , एजेंसी। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के सेमिनार रूम में एक जूनियर महिला डॉक्टर की हत्या कर दी गई। सेमिनार हॉल से उनका अर्धनग्न शव बरामद किया गया था। पुलिस ने इस मामले में आरोपी संजय रॉय को गिरफ्तार किया।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर से दुष्कर्म करने वाला दरिंदा गुरुवार रात को दो बार रेड लाइट एरिया में भी गया था। पुलिस को पूछताछ में आरोपी संजय रॉय ने बताया कि उसके साथ एक और नागरिक स्वयंसेवक था। पुलिस आरोपी के दावों की जांच कर रही थी।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के सेमिनार रूम में एक जूनियर महिला डॉक्टर की हत्या कर दी गई। सेमिनार हॉल से उनका अर्धनग्न शव बरामद किया गया था। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। मामले में गिरफ्तार आरोपी संजय रॉय ने पुलिस को बताया कि वह एक और नागरिक स्वयंसेवक के साथ आरजी कर मेडिकल कॉलेज में भर्ती एक परिचित को देखने गया था।

उसने बताया कि इससे पहले वह अपने स्वयंसेवक दोस्त के साथ रेड लाइट एरिया कालीघाट और सोवा बाजार गया था। उसने पुलिस को बताया कि पांच अगस्त से वह खरगापुर के पास सलुआ में था। जहां से गुरुवार को कोलकाता लौटा। इसके बाद वह एक अन्य नागरिक स्वयंसेवक के साथ कालीघाट रेडलाइट एरिया में गया था। यहां से निकलने के बाद दोनों आरजी कर मेडिकल कॉलेज में भर्ती जो नागरिक स्वयंसेवक के परिचित एक मरीज को देखने गए।

आरोपी ने कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज से निकलने के बाद वह फिर से रेड लाइट एरिया सोवा बाजार गया। इसके बाद उसने आरजी कर मेडिकल कॉलेज पहुंचकर जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की। पुलिस अफसरों का कहना है कि आरोपी दावों की पड़ताल की जा रही है।

आरोपी संजय रॉय गुरुवार-शुक्रवार रात को दो बार मेडिकल कॉलेज गया था। पुलिस ने उसकी लोकेशन के आधार पर पाया कि वह पहली बार रात 11 बजे मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया और 11ः30 बजे वहां से निकला।

पीएम मोदी ने किसानों से की बात, खेती में अनुसंधान-नवाचार पर जोर दिया

नई दिल्ली , एजेंसी। किसानों से बात करते हुए पीएम मोदी ने देखा कि वे (किसान) धरती माता के प्रति अपनी जिम्मेदारी को लेकर जागरुक हैं। किसान कीटनाशकों से दूरी बना रहे हैं। प्राकृतिक खेती की ओर बदलाव उनके लिए अच्छा परिणाम दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (11 अगस्त) को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में फसलों की 109 उच्च उपज वाली, जलवायु अनुकूल एवं जैव-सुदृढ़ किस्में जारी कीं। इस दौरान उन्होंने किसानों और वैज्ञानिकों से भी बातचीत की। पीएम मोदी के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद थे। पीएम मोदी ने खेती के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादूर शास्त्री के जय जवान जय किसान और अटल बिहारी वाजपेयी के वाक्यांश जय विज्ञान को याद किया। पीएम मोदी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे उन्होंने अनुसंधान और नवाचार को प्राथमिकता देते हुए इस वाक्यांश में जय अनुशंधान को भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि 109 उच्च उपज वाली किस्मों को जारी करना कृषि में नवाचार और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने का एक ठोस परिणाम है।

किसानों से बात करते हुए पीएम मोदी ने देखा कि वे (किसान) धरती माता के प्रति अपनी जिम्मेदारी को लेकर जागरुक हैं। किसान कीटनाशकों से दूरी बना रहे हैं। प्राकृतिक खेती की ओर बदलाव उनके लिए अच्छा परिणाम दे रहा है। उन्होंने बताया कि किसान तेजी से प्राकृतिक खेती को अपना रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने किसानों से पूछा कि क्या वे बीज की नई किस्मों का उपयोग करने के तैयार हैं। उन्होंने किसानों को सुझाव दिया कि उन्हें पहले अपनी जमीन के छोटे हिस्से में नई किस्म का उपयोग करना चाहिए और संतोषजनक परिणाम के बाद ही इसका अच्छे से इस्तेमाल करना चाहिए। इस दौरान पीएम मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में तीन गुना गति से काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बता दें कि जारी की जाने वाली 61 फसलों की 109 किस्मों में 34 खेत की फसलें और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य संभावित फसलों सहित विभिन्न अनाज के बीज जारी किए गए।

लोगों को फिर से दस्तावेज मुहैया कराने के लिए चला विशेष अभियान; लापता लोगों की तलाश जारी

वायनाड (केरल) , एजेंसी। केरल के वायनाड जिले में पिछले महीने के अंत में मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में आए भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी थी। इस प्राकृतिक आपदा के कारण 300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई को मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में आए भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी थी। इस प्राकृतिक आपदा के कारण 300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों घायल हैं। इस बीच, भूस्खलन में अपना सब कुछ खो चुके जिंदा बचे लोगों को उनके आधिकारिक दस्तावेज फिर से देने के लिए सोमवार को वायनाड के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में एक विशेष शिविर शुरू किया गया। साथ ही लापता लोगों की तलाश भी जारी रही। स्थानीय स्वशासन विभाग, जिला प्रशासन और राज्य आईटी मिशन द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे प्रमाण पत्र/दस्तावेज पुनर्प्राप्ति अभियान के तहत यहां मेप्पाडी के चुनिंदा स्कूलों में ये शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने सोमवार को फेसबुक पोस्ट में कहा कि शिविरों या अन्य स्थानों पर ठहरे लोगों के लिए शिविरों में इंतजाम किए जा रहे हैं ताकि वे आकर अपने खोए हुए दस्तावेज या प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकें। इस बीच, एनडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन, नागरिक सुरक्षा बल, वन विभाग और बचाव स्वयंसेवकों के 190 सदस्यीय दल ने आज सुबह आपदा प्रभावित क्षेत्र के पांच क्षेत्रों में तलाशी अभियान फिर से शुरू किया। मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद रविवार को लापता लोगों की तलाश रोक दी गई थी। वहीं, कोझिकोड जिले के मंजाचेल, विलंगड इलाके में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र की वीडियो सामने आई है। बता दें, 30 जुलाई को विलंगड क्षेत्र में भूस्खलन से मलयांगद पुल नष्ट हो गया था और नदी किनारे के चार घरों को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। नदी के पास रहने वालों को सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया गया था।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ व्हाइट हाउस के बाहर प्रदर्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के लिए खिलाफ अमेरिका में वाशिंगटन डीसी स्थित व्हाइट हाउस के बाहर हिंदू समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। अमेरिकी राष्ट्रपति के निवास व्हाइट हाउस के बाहर प्रदर्शन करने वाले लोगों में अमेरिकी हिंदू, भारतीय-अमेरिकन और बांग्लादेशी-अमेरिकन के लोग शामिल हैं। ये लोग बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं के नरसंहार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। व्हाइट हाउस के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोग, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का आरोप पाकिस्तान की सरकार और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई पर लगा रहे हैं और तुरंत हिंसा रोकने की अपील कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और विदेश एंटनी ब्लिंकन से बांग्लादेश मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान भारत और दक्षिण एशियाई मूल के करीब 100 से 150 लोग मौजूद थे। उसमें से कुछ 1971 में हुई हिंसा के पीड़ित भी थे। इससे पहले, देशव्यापी हिंसा, अराजकता और अशांति के बीच शनिवार को हजारों हिंदू बांग्लादेश के मध्य में चिट्टागोंग में एकत्र हुए थे। उन्होंने देश के भीतर हिंदुओं पर हो रहे हमले के खिलाफ एक विशाल विरोध रैली निकाली और सुरक्षा तथा समान अधिकारों की मांग की। बता दें 5 अगस्त को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद से बांग्लादेश के 52 जिलों में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों, विशेषकर हिंदुओं के उत्पीड़न की असंख्य घटनाएं सामने आई हैं। चिट्टागोंग के ऐतिहासिक चेरगी पहाड़ चौराहे पर आयोजित विशाल विरोध रैली को लेकर अनुमान लगाया गया कि इसमें सात लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें हिंदुओं के खिलाफ चल रही हिंसा का विरोध किया गया। माना जाता है कि पिछले कुछ दिनों में कट्टरपंथियों ने हिंदुओं के घरों, व्यवसायों और यहां तक कि मंदिरों पर हमला किया है, जिसमें सैकड़ों हिंदू घायल हो गए हैं।

बांग्लादेश- मोहम्मद यूनुस भ्रष्टाचार केस में बरी: अंतरिम सरकार में प्रमुख बनने के 3 दिन बाद फैसला, चार दिन में दो मामलों में मिली राहत

ढांका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस को भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में बरी कर दिया गया है। बांग्लादेश के एंटी करप्शन कमीशन (भ्रष्टाचार विरोधी आयोग) ने यूनुस पर भ्रष्टाचार के संबंध में एक केस दर्ज किया था। बांग्लादेश में 3 दिन पहले ही अंतरिम सरकार का गठन हुआ है। अंतरिम सरकार के गठन से एक दिन पहले भी यूनुस को श्रम कानूनों के उल्लंघन से जुड़े एक मामले में बरी किया गया था। भ्रष्टाचार के मामले में सरकार में सलाहकार के तौर पर शामिल नूरजहां बेगम को भी बरी किया गया है।

बांग्लादेशी अखबार डेली स्टार के मुताबिक एंटी करप्शन कमीशन ने ढाका कोर्ट में दाखिल अपनी शिकायत को वापस ले लिया है। इससे पहले 5 अगस्त को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को हिंसा के कारण देश छोड़कर भागना पड़ा था। मोहम्मद यूनुस पर ग्रामीण टेलीकॉम के चेयरमेन रहते हुए श्रम कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगा था। यूनुस के अलावा ग्रामीण टेलीकॉम के डायरेक्टर अशरफुल हसन, मोहम्मद शाहजहां और वर्तमान अंतरिम सरकार में सदस्य नूरजहां बेगम को भी श्रम कानूनों के उल्लंघन का आरोपी बनाया गया। इस

साल 1 जनवरी को सभी आरोपियों को 20 हजार रूपए के जुर्माने के साथ 6 महीने की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा जून में एंटी करप्शन कमीशन ने यूनुस समेत अन्य 13 लोगों पर भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया था इन सभी पर ग्रामीण टेलीकॉम के कर्मचारियों के प्रोफिट फंड से लगभग 18 करोड़ रुपए के गबन का आरोपा था। यूनुस को आज इसी मामले में बरी किया गया है। मोहम्मद यूनुस एक सोशल वर्कर, बैंकर और अर्थशास्त्री हैं। उनका जन्म 28 जून 1940 को गुलाम और अविभाजित भारत में हुआ। वे बंगाल के चिटगांव में एक जौहरी, हाजी मोहम्मद शौदागर के घर पैदा हुए थे। ढाका यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स की शुरुआती पढ़ाई के बाद वे अमेरिका चले गए। जहां उन्होंने इकोनॉमिक्स पढ़ाने लगे। यूनुस बांग्लादेश की आजादी के बाद देश लौटे।

उन्होंने चिटगांव यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स डिपार्टमेंट के हेड का पद संभाला। ये वो दौर था जब देश की हालत ठीक नहीं थी। 1971 की जंग के बाद बांग्लादेश के लाखों लोग 2 वक्त की रोटी को तरस रहे थे। लोगों को गरीबी से निकालने की वजह से मोहम्मद यूनुस को 'गरीबों का दोस्त' और 'गरीबों का बैंकर' कहा जाने लगा। गरीबी मिटाने के लिए 2006 में ग्रामीण बैंक और मोहम्मद यूनुस को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

18 फरवरी 2007 को यूनुस ने नागरिक शक्ति नाम से एक राजनीतिक पार्टी बनाई। उन्होंने कहा कि वे इस पार्टी में साफ-सुथरी छवि वाले लोगों को ही शामिल करेंगे। यूनुस का इरादा 2008 का चुनाव लड़ने का था। उन्होंने इसके लिए अपनी पार्टी में बड़े नामों को जोड़ा, जिसमें प्रोफेसर और चर्चित पत्रकार शामिल थे। हालांकि, तब ऐसा कहा गया था कि यूनुस के इस कदम के पीछे सेना का हाथ है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने नेपाल के प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर की चर्चा

काठमांडू, एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने रविवार को नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने भारत और हिमालयी राष्ट्र के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत पर चर्चा की। नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ अपनी बैठक के दौरान विदेश सचिव ने दोनों देशों के बीच सभ्यतागत, घनिष्ठ और बहुआयामी संबंधों की पुष्टि की और द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों को गति प्रदान करने के तरीकों पर चर्चा की। यह यात्रा भारत की पड़ोसी प्रथम नीति के तहत दोनों देशों के बीच गहरे होते द्विपक्षीय संबंधों को रेखांकित करती है।

भारत-नेपाल सहयोग के एक महत्वपूर्ण संकेत में, विदेश सचिव मिसरी और नेपाल के शहरी विकास मंत्रालय के सचिव मणिराम गेलल ने संयुक्त रूप से काठमांडू में नेपाल भाषा परिषद के नए भवन का उद्घाटन किया। भारत के भूकंप पश्चात पुनर्निर्माण अनुदान के तहत निर्मित यह भवन पुनर्निर्माण प्रयासों में एक कदम आगे है, जो नेपाल को भारतीय सहायता का आधार रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान के अनुरूप, उन्होंने ब्लू जैकरांडा (नीले गुलमोहर) का एक पौधा भी लगाया, जो पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति भारत और नेपाल की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस बात पर जोर दिया कि विदेश सचिव मिसरी की यात्रा भारत और नेपाल के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को जारी रखेगी।

एमईए के बयान में भारत-नेपाल संबंधों की आधारशिला बने लंबे समय से चले आ रहे सभ्यतागत, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों पर प्रकाश डाला गया। इस यात्रा से द्विपक्षीय सहयोग को और आगे बढ़ाने की उम्मीद है, इसमें हाल के वर्षों में विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी परियोजनाओं में तेजी देखी गई है।

यह यात्रा नेपाल के प्रधानमंत्री ओली द्वारा कार्यभार संभालने के बाद विदेश सचिव मिसरी की नेपाल की पहली आधिकारिक यात्रा है। यह यात्रा नेपाल के लिए एक महत्वपूर्ण विकास भागीदार के रूप में भारत की भूमिका को भी रेखांकित करती है। इसमें भारत ने केंद्रीय बजट 2024-25 में नेपाल को अपनी सहायता बढ़ाकर 700 करोड़ रुपये कर दी है, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 550 करोड़ रुपये थी। विदेश सचिव मिसरी की यात्रा से पहले एक प्रमुख आकर्षण विदेश मंत्रालय और बेंगलुरु स्थित न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर

हस्ताक्षर होना था। इस समझौता ज्ञापन के तहत नेपाल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अकादमी (एनएएसटी) के तहत विकसित नेपाल के मुनाल उपग्रह को एनएसआईएल के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) से नेपाल को बिना किसी लागत के प्रक्षेपित किया जा सकेगा। यह समझौता भारत-नेपाल अंतरिक्ष सहयोग में एक मील का पत्थर है। इस समझौता ज्ञापन पर विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (उत्तर) अनुराग श्रीवास्तव और एनएसआईएल के निदेशक ए. अरुणाचलम ने हस्ताक्षर किए। यह दोनों पड़ोसी देशों के बीच अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में बढ़ते सहयोग को दर्शाता है।

फेक न्यूज और कट्टर सोच कैसे पहचानें? स्कूली बच्चों को सिखाएगी इस देश की सरकार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के स्कूली पाठ्यक्रम में बड़े बदलाव होने जा रहे हैं. इन बदलावों के तहत स्कूली बच्चों को फेक न्यूज और कट्टरपंथी कंटेंट को पहचानना सिखाया जाएगा. यह फैसला देश में लगातार बढ़ रहे दक्षिणपंथी दंगों के मद्देनजर उठाया गया है. इन दंगों के पीछे फेक न्यूज को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है. ब्रिटेन की शिक्षा मंत्री ब्रिजेट फिलिपसन ने बताया कि वह प्राइमरी और सेकेंडरी स्कूलों के पाठ्यक्रम में बदलाव की समीक्षा कर रही हैं. दरअसल नए पाठ्यक्रम के तहत बच्चों को फेक न्यूज और कट्टरपंथी सोच से जुड़े ऑनलाइन कंटेंट को पहचानना सिखाया जाएगा. इससे बच्चों में क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ावा दिया जाएगा. फिलिपसन ने बताया कि हम बच्चों को प्रशिक्षित करना चाहते हैं कि वह ऑनलाइन जो भी देखें या पढ़े, उसकी सटीकता और सत्यता से वाकिफ हो सके. उन्हें यह सीखने में मदद मिल सके कि सटीक रिपोर्टिंग से मनगढ़ंत चीजों को कैसे अलग किया जाए. उन्होंने कहा कि यह पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि हम युवाओं को ज्ञान और कौशल प्रदान करें ताकि वे ऑनलाइन जो कुछ भी देखते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129